नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 2 जून 2025 सोमवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 09 • अंक : 16 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1746 : रूस और ऑस्ट्रिया ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किये।

1780 : कैथोलिक विरोधी प्रदर्शनकारियों ने लंदन में पार्लियामेंट पर हमला कर दिया।

1851 : अमेरिका में पहली बार मैने प्रांत में मद्यपान निषेध कानून को लागू किया गया।

1966 : अमेरिका ने अपने पहले ही प्रयास में चांद पर अंतरिक्षयान उतारा।

1974 : माली ने अपना संविधान अपनाया।

1988 : भारतीय निर्माता, निर्देशक अभिनेता राज कपूर का निधन।

मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर और वक्फ संशोधन कानून का विरोध कर रहीं ममता बनर्जी : अमित शाह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल राज्य में 2026 के विधानसभा चुनाव में मांएं और बहनें ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना करने के लिए सीएम ममता और टीएमसी को सबक सिखाएंगी। दो दिन के पश्चिम बंगाल दौरे के पहले दिन शाह ने विजय संकल्प कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा- जब पहलगाम आतंकी हमले में बंगाल के पर्यटक मारे गए, तब ममता बनर्जी चुप रहीं। मुर्शिदाबाद दंगा, राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित था। गृह मंत्रालय ने यहां बीएसएफ की तैनाती की बात कही थी, लेकिन ममता सरकार ने ऐसा नहीं होने दिया, ताकि हिंसा जारी रहे। शाह ने कहा कि वक्फ कानून को लेकर मुर्शिदाबाद में हुए दंगों में टीएमसी के कई सीनियर लीडर शामिल थे। दंगों में 3 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। ममता बनर्जी तुष्टीकरण की राजनीति के लिए कानून के खिलाफ हैं। गृह मंत्री ने ये भी कहा कि ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के लिए बंगाल की सीमाएं खोल दी हैं। पश्चिम बंगाल सरकार ने बीएसएफ को आवश्यक जमीन नहीं दी है। टीएमसी बीएसएफ को जमीन दे दे तो हम घुसपैठ रोक देंगे, लेकिन टीएमसी ऐसा नहीं करेगी। हाल ही में मुर्शिदाबाद दंगों को लेकर हाईकोर्ट की तरफ से बनाई गई जांच कमेटी की रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि हिंसा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता की भूमिका थी। हमलों का नेतृत्व स्थानीय पार्षद महबूब आलम ने किया। हिंसा में खासतौर पर हिंदू समुदाय को निशाना बनाया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने से पहले शाह ने कोलकाता के राजारहाट में सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री का उद्घाटन किया था। उन्होंने कहा- भारत सरकार एक सुरक्षित, पारदर्शी और साक्ष्य आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली बना रही है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि अपराध रोकने वाले अपराधियों से दो कदम आगे रहें। हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली एक नए युग में प्रवेश कर रही है। केंद्र सरकार ने जुलाई 2024 में तीन नए आपराधिक कानून- भारत न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किए थे। इससे पहले 2020 में पहला राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय स्थापित किया था। शाह ने बताया कि देश भर में ऐसे 8 संस्थान पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। आठ और स्थापित करने की योजना है। हमने हर जिले में फोरेंसिक वैन स्थापित करने के लिए हर राज्य को मदद दी है। कई राज्यों ने अपनी फोरेंसिक लैब का विस्तार किया है।

दामोदर नदी में डूबे पांच छात्र, एक की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। धनबाद जिला में झरिया के सुदामडीह दामोदर नदी में बड़ा हादसा हुआ है। यहां पर नहाने गए पांच छात्र पानी में डूब गए। इस हादसे में एक छात्र की मौत हो गयी वहीं एक छात्र अब तक लापता है। इस दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा तीन छात्रों को किसी तरह से डूबने से बचा लिया गया है जबकि डूबे एक छात्र जिसका नाम अविनाश है, उसे काफी तलाश के बाद पानी से बाहर निकाला गया। आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद ले जाया गया। जहां डॉक्टर सुशील कुमार ने उसे मृत घोषित कर दिया है। वहीं लापता एक छात्र शिवम की तलाश जारी है। सभी पांचों छात्र सिंदरी क्षेत्र रहने वाले हैं, जिसमें से मृतक छात्र कांड्रा के रहने वाला था। सभी एक साथ नहाने उतरे और इसी दौरान यह हादसा हो गया। डूबने वाले छात्र शिवम, जिसकी तालाश जारी है वह बलियापुर के एक निजी स्कूल में 12वीं कक्षा का छात्र है। वहीं मृतक छात्र अविनाश उत्तर प्रदेश में मेडिकल की पढ़ाई कर रहा था। अन्य तीन छात्र, जो इस हादसे में बच गए, सिंदरी सुरंगा के निवासी बताए जा रहे हैं। वहीं घटना के समय मौजूद मृतक अविनाश के दोस्तों ने बताया कि वे सभी दामोदर नदी स्थित बिरसा पुल के नीचे नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान पानी के तेज बहाव में सभी डूबने लगे। जिसमें से तीन लोग किसी तरह बचकर बाहर निकल पाए। इस घटना के सूचना के बाद सुदामडीह थाना की पुलिस को घटनास्थल पर पहुंची। इस घटना के बाद से परिवार वालों का तो रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस हादसे में मारे गये युवक के शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई है।

कार की टक्कर से बाइक सवार दंपति की मौत

■ पीपरा थाना क्षेत्र में एनएच 27 पर महुआवां गांव के पास हुई घटना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मोतिहारी। जिले के पीपरा थाना क्षेत्र में एनएच 27 पर महुआवां गांव के पास कार की टक्कर से बाइक सवार दंपति की मौत हो गई। बताया जाता है कि दोनों शनिवार की रात विशुनपुरा गांव में पारिवारिक कार्यक्रम से लौट रहे थे। सड़क पार करते समय कार से टक्कर हो गई। दोनों को एनएचएआई की एम्बुलेंस से चकिया अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान सोमवार को दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान चकबारा गांव निवासी नागेंद्र प्रसाद (45) और उनकी पत्नी अंशु देवी (42) के रूप में हुई है। घटना से नाराज ग्रामीणों ने एनएच 27 को जाम कर दिया। उनका आरोप है कि महुआवां कट के पास पुराना पुल टूट चुका है। एनएचएआई ने उचित निर्माण किए बिना केवल गिट्टी डालकर सड़क बना दी है। यह सड़क धंस गई है और वाहन असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे लगे पेड़-पौधों की नियमित कटाई-छंटाई न होने की भी शिकायत की। इससे दृश्यता कम होती है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है। पीपरा थाना प्रभारी अनुज कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया।

बिहार पंचायतों के रिक्त पदों पर जुलाई में उपचुनाव कराने की तैयारी

बिहार सरकार से अनुमति का इंतजार | मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन संपन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य निर्वाचन आयोग ने त्रिस्तरीय पंचायत एवं ग्राम कचहरियों में उपचुनाव कराने की राज्य सरकार से अनुमति मांगी है। आयोग का प्रयास जुलाई में 2635 पदों पर उपचुनाव कराने का है। पंचायती राज विभाग को इसके लिए आयोग ने प्रस्ताव तैयार कर भेज दिया है। अनुमति मिलते ही आयोग की ओर से शीघ्र चुनाव कार्यक्रम को घोषित कर जुलाई में मतदान कराने की है। त्रिस्तरीय पंचायतों एवं ग्राम कचहरी के 2635 पदों पर उप चुनाव की तैयारी की जा चुकी है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन का काम संपन्न हो चुका है। जिन पदों पर उप चुनाव कराया जाना है उसमें ग्राम पंचायत सदस्य के 840 पद, मुखिया के 63 पद, पंचायत समिति सदस्य के 72 पद, जिला परिषद सदस्य के आठ पद, ग्राम कचहरी पंच के 1569 पद और सरपंच के 83 पद सम्मिलित हैं। आयोग की रिपोर्ट के अनुसार इन निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 3358767 मतदाता हैं। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 1758892 है जबकि महिला मतदाता 1599785 है। इसके अलावा इन चुनाव क्षेत्रों में 89 थर्ड जेंडर के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी मतदाता अपना नाम ढूंढने के लिए आयोग के वेबसाइट पर सर्च इलेक्टोरल रोल पर जाकर अपने विवरण या इपिक नंबर के माध्यम से अपना नाम खोज सकते हैं। आयोग की ओर से मतदाता और अभ्यर्थी के लिए टाल फ्री नंबर 18003457243 जारी किया गया है जिसके माध्यम से सूचना या जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

नालंदा में 24 करोड़ से बनेगा नया इनडोर शूटिंग रेंज : सम्राट चौधरी

पटना(नबिटा ब्यूरो)। बिहार के नालंदा में 24 करोड़ रुपये से नया इंडोर शूटिंग रेंज बनेगा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नालंदा के कल्याण बिगहा में खाली पड़ी भूमि पर 25 मीटर एवं 50 मीटर के शूटिंग रेंज निर्माण के लिए 24.21 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दे दी गई है। कल्याण बिगहा का 10 मीटर इनडोर शूटिग रेंज देश का दूसरा सबसे अच्छा रेंज है।

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री सहित कई महानुभाव चखेंगे भागलपुर का जर्दालु आम

पुष्पांकर / नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। हर वर्ष की तरह इस बार भागलपुर जिले का खास व स्वादिष्ट जर्दालु आम का स्वाद देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित कई महानुभाव चखेंगे। राज्य सरकार की ओर से विश्व प्रसिद्ध जर्दालु आम को एक सौगात के रुप में देश के सभी महानुभावों को भेजी जाती है और इस कड़ी में रविवार को 17 वीं बार जिले के सुल्तानगंज क्षेत्र के महेशी गांव निवासी मैंगो मैन अशोक चौधरी और अन्य किसानों के बगीचों से चालीस टन जर्दालु आम पटना के बिहटा पैक हाउस भेजा गया है। वहां पर आम को दो हजार आकर्षक पैकटों में सजा कर सोमवार को बड़े रेफ्रिजरेटर के जरिए दिल्ली स्थित बिहार भवन भेजा जाएगा। पहले भागलपुर मे ही पैकटों में आम सजाकर विक्रमशिला एक्सप्रेस ट्रेन से सीधे दिल्ली भेजे जाते थे लेकिन इस बार नयी व्यवस्था के तहत जिला उद्यान विभाग की देख-रेख में भागलपुर से आम को बिहटा पैक हाउस भेजा गया है। बिहार की शान कहे जाने वाले भागलपुर के जर्दालु आम को जीआई टैग मिला है और यह आम अपने खास स्वाद एवं सुगंध के लिए देश और विदेश में प्रसिद्ध है। जिला उद्यान पदाधिकारी अभय कुमार मंडल कहते हैं कि भागलपुर के जर्दालु आम की लोकप्रियता चारों ओर फैली हुई है। सुल्तानगंज क्षेत्र की काली दोमट मिट्टी में तैयार होने (उगने) वाले जर्दालु आम में विशिष्ट मिठास एवं सुगंध होती है। साथ ही इस आम के सुपाच्य और मनमोहक होने के कारण लोग इसे ज्यादा पसंद करते हैं। भागलपुर जिले के विभिन्न हिस्सों खासकर सुल्तानगंज क्षेत्र में उपजने वाले जर्दालु आम को एक सौगात के तौर पर देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य महानुभावों को भेजने की परंपरा की शुरुआत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वर्ष 2009 में की थी जो आज तक चली आ रही है। आज जर्दालु आम एक सौगात नहीं बल्कि एक ऐसी विरासत है जो हर वर्ष गर्मी में सभी महानुभावों से लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है।

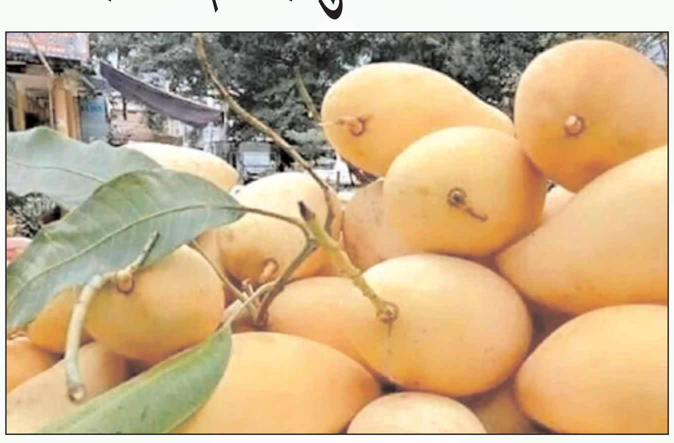

फंदे से लटका मिला सरसी थाना के डाटा ऑपरेटर का शव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पूर्णिया(नबिटा ब्यूरो)। सरसी थाने में तैनात डाटा ऑपरेटर की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उनका शव थाने से 100 मीटर दूर कोसी प्रोजेक्ट के बिल्डिंग के कमरे में फंदे से लटका मिला है। मृतक ललित कुमार जलालगढ़ के भट्ठेली गांव का रहने वाला था। परिजनों ने थानाध्यक्ष मनीष चंद्र यादव और एसआइ आयुष राज पर हत्या का आरोप लगाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी कार्तिकेय शर्मा के निर्देश पर सरसी थानाध्यक्ष मनीष चंद्र यादव को लाइन हाजिर किया है। कटिहार मोड़ टीओपी प्रभारी अभय रंजन को नया इंचार्ज बनाया गया है।

गढ़वा के पूर्व विधायक युगल किशोर पांडे का निधन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। गढ़वा के पूर्व विधायक युगल किशोर पांडे का रविवार को निधन हो गया। बीते कुछ दिनों से उनकी तबीयत खराब थी। रांची के मेडिका अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, जहां आज उन्होंने अंतिम सांस ली। झामुमो नेता मिथिलेश ठाकुर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर ट्वीट कर पूर्व विधायक युगल किशोर पांडे की निधन पर दुःख जताया है। उन्होंने लिखा, 'गढ़वा के पूर्व विधायक श्री युगल किशोर पांडे जी का निधन अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।' झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर कल शनिवार को युगल किशोर पांडेय का हाल-चाल जानने मेडिका अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने ट्वीट कर बताया कि युगल किशोर पांडेय अस्वस्थता के कारण बात करने में असमर्थ थे। मंत्री ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए लिखा कि, 'वर्ष 1980 में हम दोनों एक साथ बिहार विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे'।

सड़क हादसे में दो सगे भाईयों की मौत

बहन के घर से लौट रहे थे, तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, चालक के नशे में होने की आशंका

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची/ गढ़वा। गढ़वा जिले के मेराल थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि तीसरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा डंडई मुख्य सड़क पर स्थित बाना गांव के पास रात करीब 11 बजे हुआ। तीनों भाई बहन के घर से शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोग आरोपित कार चालक की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मृतकों की पहचान गोंदा गांव निवासी अच्छे लाल विश्वकर्मा के बेटों के रूप में हुई है। सबसे छोटे भाई पंकज विश्वकर्मा (25 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। मंझले भाई विवेकानंद विश्वकर्मा (35 वर्ष) को गंभीर हालत में डाल्टनगंज सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। तीसरे और सबसे बड़े भाई अंबिका विश्वकर्मा (40 वर्ष) को गंभीर चोटें आई हैं। उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है और हालत नाजुक बताई जा रही है। परिवार के तीनों भाई लवाही गांव स्थित अपनी बहन के घर एक शादी समारोह में शामिल होकर मोटरसाइकिल से वापस लौट रहे थे। बाना गांव के पास डीलर धर्मेंद्र चंद्रवंशी के घर के सामने सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और तीनों सड़क पर जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार डंडई निवासी उदय विश्वकर्मा की बताई जा रही है, जो मेराल की ओर से आ रही थी। चश्मदीदों का कहना है कि कार में शराब की बोतलें मौजूद थीं, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि चालक नशे की हालत में था। हादसे के तुरंत बाद कार चालक फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

हादसे के बाद गांव में मातम का माहौल है। परिजन और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है। लोगों ने आरोपी चालक की शीघ्र गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है।पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। कार मालिक की पहचान कर ली गई है। आरोपित की तलाश की जा रही है।

बिहार के सभी जिलों में संत शिरोमणि रविदास सम्मेलन करेगी भाजपा : दिलीप

पटना(नबिटा ब्यूरो)। भाजपा जल्द ही पटना में रविदास समाज के लोगों का एक सम्मेलन आयोजित करेगा जिसमें लाखों लोग शामिल होंगे। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा है कि बिहार के सभी जिलों में संत शिरोमणि रविदास सम्मेलन सह सम्मान समारोह होंगे। भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को सामाजिक संपर्क अभियान के अंतर्गत रविदास समाज की एक बैठक में उन्होंने यह बात कही। बैठक में तय हुआ कि 20 जून को बेगूसराय, 22 को समस्तीपुर, 25 को मधुबनी, 29 को बगहा और भागलपुर, 30 को सहरसा, 6 जुलाई को मुजफ्फरपुर और सीवान, 7 को दरभंगा, 13 को गया, 16 को बांका, 18 को अरवल, 20 को खगड़िया और सीतामढ़ी तथा 31 जुलाई को गोपालगंज में यह सम्मेलन होगा।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के प्रदेश संगठन में जिले के नेताओं को शामिल करने पर जिला इकाई ने जताया आभार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। डॉ. राजेश वर्मा को प्रदेश महामंत्री और बोचहा की पूर्व विधायक बेबी कुमारी व अशोक साहनी को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर जिला भाजपा उत्साहित है। जिले के नेताओं को अहम जिम्मेदारी मिलने पर जिला भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल व संगठन महामंत्री भीखूभाई दलसानिया के प्रति आभार प्रकट किया है। भाजपा जिलाध्यक्ष (पूर्वी) विवेक कुमार ने कहा कि प्रदेश टीम के गठन में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र को चरितार्थ करते हुए समाज के हर वर्ग को समुचित स्थान दिया गया है। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी, राज्य के मंत्री श्री केदार गुप्ता, विधायक रामसूरत राय, पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, रविंद्र प्रसाद सिंह, मुकेश शर्मा, मनोज तिवारी, रविशंकर कुशवाहा, अशोक झा, अंजना कुशवाहा, राशि खत्री, पूनम वर्मा, चित्रलेखा देवी, संजय चूड़ीवाल व अन्य ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी।

सात जून से बेमियादी हड़ताल करेंगे निगमकर्मी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। तीन सूत्री मांगों को लेकर सात जून से नगर निगम के कर्मी काम छोड़ कर बेमियादी हड़ताल करेंगे। नगर निगम कर्मचारी संघ और नगर निगम कामगार यूनियन के संयुक्त संघर्ष मोर्चा की बैठक में शनिवार को यह निर्णय लिया गया। मोर्चा के संयोजक अशोक कुमार व सह संयोजक सत्येंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि हड़ताल से पहले 5 जून को निगम परिसर में दो दिवसीय धरना पर कर्मचारी बैठेंगे। इसमें शहर के लोगों के साथ ही जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इस दौरान निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार का पोल खोला जाएगा। बिहार लोकल बॉडीज इम्प्लाइज फेडरेशन के प्रदेश महामंत्री अशोक कुमार सिंह ने कहा कि निगमकर्मियों के हक और हित की लड़ाई में हर कदम पर समर्थन करेंगे। मोर्चा की मांगों में सातवां वेतनमान लागू करने, पारिवारिक पेंशन देने के साथ ही निगम बोर्ड के निर्णय के आलोक में दैनिक कर्मी को 50 रुपये रोज पारिश्रमिक में वृद्धि शामिल है। इससे पूर्व बीते अप्रैल में निगम कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन के बाद मेयर निर्मला साहू के साथ हुई बातचीत में मिले सकारात्मक आश्वासन पर आंदोलन को स्थगित कर दिया था।

भोजपुर में करंट लगने से किसान की मौत

■ **झटका लगते ही जमीन पर गिर पड़े, मवेशी को चारा देने गए थे**

भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर के गड़हनी थाना क्षेत्र में करंट की चपेट में आने से किसान गंभीर रूप से झुलस गए। अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही मौत हो गई। मृतक की पहचान हंस लाल सिंह(53) के तौर पर हुई है। परिवार के साथ गांव में रहकर खेती करते थे। घटना रत्नाढ़ गांव की है। मृतक के भतीजे धनजीत कुमार वर्मा ने बताया कि दरवाजे के पास ही बिजली का पोल है। चाचा घर के बाहर बंधे मवेशी को चारा देने जा रहे थे। इस दौरान करंट की चपेट में आ गए। झटका लगते ही जमीन पर गिर पड़े। आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

घर में मचा कोहराम

मामले की सूचना पर सदर अस्पताल में तैनात पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक चार भाई-बहन में सबसे छोटे थे। परिवार में पत्नी सूर्यमुखी देवी, तीन पुत्र अरविंद कुमार, प्रवीण कुमार, ज्योति प्रकाश और बेटी रबिता कुमारी है। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिहार के 88 खिलाड़ियों को मिलेगी सरकारी नौकरी: 21 खिलाड़ी बनेंगे दरोगा

पीरियड्स के कारण खेल नहीं छोड़ेंगी महिलाएं, जल्द बनेगी मेंस्ट्रूअल हेल्थ पॉलिसी

पटना, एजेंसी। बिहार के 88 खिलाड़ियों को जल्द सरकारी नौकरी मिलने वाली है। मेडल लाओ, नौकरी पाओ योजना के तहत बिहार के खिलाड़ियों की नियुक्ति के लिए मोहर लग गई है। राज्य के 88 खिलाड़ियों में लगभग 21 खिलाड़ी दरोगा का नियुक्ति पत्र प्राप्त करेंगे और अन्य खिलाड़ियों को अलग-अलग विभागों के लिए नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। इसकी जानकारी बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रन शंकरण ने दी। उन्होंने बताया कि जून महीने में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें इन सभी खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा।

342 खिलाड़ियों को मिल चुकी है नौकरी

नीतीश कुमार ने खेल को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए खेल कोटे से नौकरी देने का ऐलान किया था। बिहार सरकार के द्वारा मेडल लाओ-नौकरी पाओ योजना के तहत अब तक 342 खिलाड़ियों को नौकरी दी गई है। बिहार में इस नीति के तहत साल 2010 में 33 खिलाडियों, 2011 में 125 खिलाडियों, 2015 में 82 खिलाडियों, 2020 में 31 खिलाडियों को मिलाकर कुल 271 खिलाड़ियों को लिपिक वर्ग की नौकरियां दी गई हैं। इसके बाद राज्य में खेलों के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ाने के लिए सरकार के द्वारा मेडल लाओ नौकरी पाओ तर्ज पर बिहार उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी नियुक्ति नियमावली 2023% बनाई गई। इसके तहत राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में मेडल पाने वाले खिलाड़ियों को बिना किसी परीक्षा और इंटरव्यू के विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी दी जाएगी। इसके तहत वर्ष 2023-24 में 71 उत्कृष्ट खिलाडियों को नौकरी दी गई, जिसमें 21 सब-इंस्पेक्टर बने। इस नए नियम के अनुसार खिलाडियों को अच्छा प्रदर्शन करने पर एसडीओ और डीएसपी तक बनने का मौका।

महिला खिलाड़ियों के लिए आएगी मेंस्ट्रूअल हेल्थ पॉलिसी

रविंद्रन शंकरण ने यह भी बताया कि बिहार में महिला खिलाड़ियों के लिए मेंस्ट्रूअल हेल्थ पॉलिसी लाई जा रही है। बिहार पहला राज्य बनेगा जो महिला खिलाड़ियों के लिए यह पॉलिसी लाएगा। रविंद्रन शंकरण ने कहा कि हम लोगों ने पिछले 1 साल से एक सर्वे किया था, जिसमें महिला खिलाड़ियों से बातचीत हुई। उससे हमें यह पता चला कि बिहार की 75प्रतिशत महिलाएं पीरियड्स के चलते खेल को छोड़ देती हैं। इसमें ब्लीडिंग, स्टेन और शर्म भी एक कारण है। तभी हमें लगा कि इस पर हमें काम करना चाहिए। हम लोगों ने निर्णय लिया है कि फीमेल हेल्थ अवेयरनेस सेंटर खोला जाएगा। वहीं, महिला खिलाड़ियों के लिए मेंस्ट्रूअल हेल्थ पॉलिसी लाई जाएगी। यह अभी ड्राफ्टिंग स्टेज में है। इसे हम सरकार के पास रखेंगे और कैबिनेट से अप्रूवल मिलने के बाद लागू करेंगे।

पटना में लव अफेयर के चक्कर में 16 साल के लड़के की पीट-पीट कर हत्या, 11 पर एफआईआर, चार अरेस्ट

पटना, एजेंसी। पटना के अथमलगोला थाने के केदारचक में प्रेम प्रसंग में पीटकर मोहित कुमार (16) की हत्या करने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजन को सौंपा दिया।पुलिस के अनुसार, मोहित का गांव के ही एक किशोरी से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। कुछ दिन पहले किशोर प्रेमिका से मिलने उसके घर गया था। किशोरी के परिजनों उसे रंगेहाथ पकड़कर मारपीट की और बाद में उसे छोड़ दिया। शुक्रवार को किशोर कही से लौट रहा था। इसी दौरान कुछ लोगों ने मोहित को पकड़कर बेरहमी से मारपीट की। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। पीएमसीएच में इलाज के दौरान ही किशोर की मौत हो गई। इस मामले में किशोर के भाई सन्नी कुमार ने 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं, घटना से नाराज परिजनों ने बख्तियारपुर-मोकामा सड़क को कुछ देर के लिए जाम कर दिया। लेकिन थानाधयक्ष नवीन कुमार सिंह ने लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया। बाढ़ डीएसपी-टू अभिषेक सिंह ने शनिवार को बताया कि किशोर की हत्या मामले में आरोपित धर्मराज महतो, रंजीत महतो, लक्ष्मण महतो व राजाराम महतो को गिरफ्तार कर लिया गया है।

चुनाव से पहले प्रशांत किशोर ने मान ली हार? बोले- जनसुराज की जीत की गारंटी नहीं

पटना, एजेंसी। तो क्या बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले ही प्रशांत किशोर ने हार मान ली है। दरअसल जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने इसी साल के अंत में बिहार में होने वाले चुनाव को लेकर कहा है कि राज्य में बदलाव तो तय है लेकिन जन सुराज ही होगा इसकी गारंटी नहीं है। इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की काफी चर्चा हो रही है। प्रशांत किशोर ने कुछ वक्त पहले ही बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर यात्रा करने का ऐलान किया था। इस कड़ी में प्रशांत किशोर बिहार बदलाव यात्रा कर भी रहे हैं। वो अपने संबोधनों में दूसरी राजनीतिक पार्टियों पर जमकर हमला भी बोल रहे हैं। इस बीच एक न्यूज चैनल से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा है कि इस बार बिहार चुनाव के बाद बिहार में सत्ता का बदलना तय है। हालांकि, उन्होंने यह भी कह दिया है कि जन सुराज की जीत की गारंटी नहीं है। एबीबी न्यूजसे एक साक्षात्कार के दौरान जब रिपोर्टर ने प्रशांत किशोर से पूछा कि एक विश्लेषक के तौर पर वो 2025 के चुनाव को कैसे देखते हैं और चुनाव परिणाम क्या हो सकते हैं? इसपर जवाब देते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, विशलेषक के तौर पर इतना ही कह सकते हैं कि बिहार में बदलाव होगा। नीतीश कुमार नवंबर के बाद मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे।

बिहार में नया मुख्यमंत्री होगा। क्योंकि बिहार में बदलाव के लिए 60 फीसदी से ज्यादा जनता तैयार बैठी हुई है। अब उस बदलाव का मतलब यह नहीं है कि जन सुराज ही होगा। इसकी गारंटी नहीं है। वो तो आगे 4-5 महीने में तय होगा। लेकिन यह तय है कि बदलाव होगा। प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि साल 2020 में जब जनता को दिक्कत हुई तो जनता ने एनडीए को 125 पर रोक दिया। सारा जातीय समीकरण धरा का धरा ही रह गया। बिहार में लोगों को इतनी परेशानी है कि इसके बाद एंटी इनकंबेंसी ना हो यह संभव नहीं है। इसका असर यह होगा कि बिहार में नया मुख्यमंत्री बनेगा, कौन बनेगा इसपर डिबेट हो सकता है।

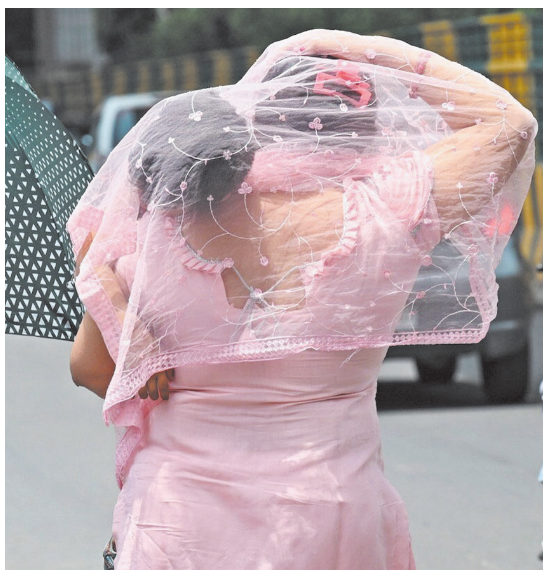

बिहार में 4 दिनों तक सताएगी गर्मी, चार डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

पटना, एजेंसी। पटना सहित 13 जिलों में शनिवार शाम को झमाझम बारिश हुई। पटना में थोड़ी देर हुई बारिश से उमस बढ़ गई । यहां 0.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राजधानी का अधिकतम तापमान 39 और न्यूनतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। उधर, राज्य के लोगों को अगले तीन-चार दिनों तक उमस भरी गर्मी सताएगी। मौसम विभाग के अनुसार चार दिनों के दौरान प्रदेश के अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। प्रदेश में आर्द्रता की मात्रा 92 प्रतिशत तक रहने के कारण लोगों को उमस वाली गर्मी परेशान कर रही है। वहीं भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, खगड़िया, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज जिले के एक-दो स्थानों पर ठनका और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की चेतावनी है।

अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि हुई

शनिवार को प्रदेश के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि हुई। 39.9 डिग्री सेल्सियस के साथ गोपालगंज सबसे गर्म रहा। वहीं सबसे कम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस वाल्मीकिनगर का रहा।

मुजफ्फरपुर में कैसा रहेगा मौसम

पूसा स्थित ग्रामीण मौसम विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ. ए. सत्तार ने रविवार से मौसम में बदलाव की संभावना जताई है। उन्होंने कहा कि हवा की गति पुरवा से बदलकर पछुआ होने के संकेत मिल रहे हैं। इस कारण कई जगहों पर गरज के साथ हलकी बारिश हो सकती है। जिले में पूर्वी और उत्तरी हिस्सों में इसकी संभावना अधिक है। फिलहाल अधिक तापमान से उन्होंने किसी भी तरह से राहत मिलने की संभावना से इंकार किया।

पटना को तीन हिस्सों में बांटा संजय खंडेलिया प्रभारी बने

पटना, एजेंसी। भाजपा ने बिहार को 13 क्षेत्रों में बांटकर प्रभारी महामंत्री, प्रभारी, सह प्रभारी की नियुक्ति की है। पटना को राजनीति रूप से 3 हिस्सों में बांटा गया है। इसके प्रभारी संजय खंडेलिया और सह प्रभारी धनराज शर्मा हैं। वहीं, राकेश कुमार को मिथिला, तिरहुत तो राजेश वर्मा को मगध, शाहाबाद क्षेत्र का प्रभारी महामंत्री बनाया गया है। शिवेश राम को चंपारण, सारण, राधा मोहन शर्मा को भागलपुर, कोशी, सीमांचल क्षेत्र का प्रभारी महामंत्री नियुक्त किया है। लाजवंती झा के पास पटना, मुंगेर, बेगूसराय और नालंदा क्षेत्र है। मिथिला क्षेत्र के प्रभारी रत्नेश कुशवाहा और सह प्रभारी भीम साहू बनाए गए हैं। तिरहुत के प्रभारी संतोष रंजन और सह प्रभारी नंद लाल चौहान होंगे। मगध के प्रभारी त्रिविक्रम नारायण और सह प्रभारी आशुतोष कुमार बने हैं। शाहाबाद प्रभारी सिद्धार्थ शंभू और सह प्रभारी अशोक भट्ट को बनाया गया है। चंपारण क्षेत्र का प्रभारी सरोज रंजन पटेल और सह प्रभारी अजय यादव को बनाया गया है। सारण में प्रभारी संतोष पाठक और सह प्रभारी अशोक सहनी को बनाया गया है। भागलपुर का प्रभारी अनिल ठाकुर और मनीष पांडेय को सह प्रभारी बनाया गया है। कोशी के प्रभारी मनोज सिंह, सह प्रभारी सत्येंद्र कुमार, सीमांचल प्रमंडल के प्रभारी प्रमोद चंद्रवंशी और सह प्रभारी नरेश साह को बनाया गया है।

कार की चपेट में आने से दुकानदार की मौत, ग्रामिणों ने सड़क किया जाम

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली में कार की चपेट में आने से बाइक सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना गोरौल थाना क्षेत्र के हरसेर की है। मृतक की पहचान पटेढ़ी बेलसर थाना क्षेत्र के चाकअलाउद्दीन गांव निवासी स्वर्गीय जगीरा ठाकुर के बेटे चंदेश्वर ठाकुर (65) के रूप में हुई है। मृतक के भांजे अशोक कुमार ने बताया कि मामा बाइक से सामान खरीदने बाजार जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कार को पकड़ लिया और सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया गया है। मृतक दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिलाओं के लिए तीन पिंक बसें आज से दौड़ेंगी, मिला परिचालन परमिट

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। पिंक बस के परिचालन का रास्ता साफ हो गया है। तिरहुत प्रमंडल क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार ने मुजफ्फरपुर को मिली चार पिंक बसों में से तीन के लिए परिचालन परमिट जारी कर दी है। सोमवार से मुजफरपुर-केसरिया, मुजफ्फरपुर-चकिया और मुजफ्फरपुर-पिपराही (शिवहर) रूट पर परिचालन हो सकेगा। टाइमिंग को लेकर मुजफ्फरपुर-औराई रूट पर आपत्ति की गयी है। उसके बाद उसका परमिट रोक दिया गया है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष कुमार ने बताया कि मुजफ्फरपुर-पिपराही रूट के लिए मुजफ्फरपुर के बैरिया से बस चलेगी। यह अप और डाउन दिशा में दो-दो ट्रिप लगाएगी। मुजफ्फरपुर-केसरिया रूट पर भी पिंक बस अप और डाउन दोनों दिशा में दो-दो ट्रिप लगाएगी। जबकि, मुजफ्फरपुर-चकिया रूट की बस दोनों दिशा में तीन-तीन फेरा लगाएगी। इसका भाड़ा सामान्य बसों की तुलना में आधा होगा। इन बसों पर कंडक्टर महिला होंगी। पिंक बस का परिचालन पहली बार किया जा रहा है। इससे खासकर महिला शिक्षिका और बैंककर्मियों को फायदा मिलेगा।

पटना यूनिवर्सिटी में दोबारा बढ़ी एडमिशन की तारीख: अब 5 जून तक कर सकते हैं अप्लाई

पटना, एजेंसी। पटना यूनिवर्सिटी के सभी कॉलेजों में नामांकन की तारीख को दोबारा आगे बढ़ाया गया है। अब विद्यार्थी 5 जून तक एडमिशन के लिए अप्लाई कर सकते हैं। इससे पहले इसकी आखिरी तारीख 31 मई थी। यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से कहा गया है कि ष्क्कस्श्च रिजल्ट जारी होने के बाद कई स्टूडेंट को अभी तक 12वीं का मार्कशीट नहीं मिला है।

इसलिए उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है, जिससे विद्यार्थियों को स्नातक कोर्स में अप्लाई करने में कोई परेशानी न हो। स्नातक कोर्स में अप्लाई करने की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन होगी। यूजी रेगुलर और वोकेशनल कोर्स में लगभग चार हजार सीटों के लिए रजिस्ट्रेशन होगा। अधिक जानकारी के लिए छात्र पटना यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

ग्रैजुएशन में एडमिशन के लिए नहीं होगा एंट्रेस एग्जाम : विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार स्नातक सत्र 2025-29 में कला, विज्ञान और वाणिज्य के 4 वर्षीय ग्रैजुएशन कोर्स में एडमिशन के लिए इस बार एंट्रेस एग्जाम नहीं देना होगा। इन पाठ्यक्रमों में एडमिशन इंटरमीडिएट में प्राप्त अंकों के आधार पर लिया जाएगा। वहीं, रेगुलर और वोकेशनल (सेल्फ-फाइनेंस) कोर्स के लिए अभ्यर्थियों को अलग-अलग अप्लाई करना होगा। सभी श्रेणियों के लिए आवेदन शुल्क 1100 रुपए है और प्रत्येक फॉर्म के लिए 50 रुपए अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

सेल्फ फाइनेंस कोर्स के लिए होगी प्रवेश परीक्षा : साइंस कॉलेज, बीएन कॉलेज और मगध महिला कॉलेज में बीएससी आनर्स, पटना कॉलेज, बीएन कॉलेज और मगध महिला कॉलेज में बीए आनर्स और कॉमरेड कॉलेज और मगध महिला कॉलेज में बी.कॉम आनर्स में नामांकन बिहार बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई, एनओयू, एनआईओएस आदि से 12वीं में प्राप्त अंक के आधार पर मेधा सूची में नामांकन के लिए सूची जारी की गई। वहीं, पटना ला कॉलेज में तीन वर्षीय एलएलबी और कॉलेज ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्ट में चार वर्षीय बीएफए कोर्स में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

लीज होल्ड एरिया में ही ओबी डंप करे बीसीसीएल : उपायुक्त

धनबाद, एजेंसी। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने गुरुवार को जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर की। इस क्रम में उपायुक्त को जानकारी मिली कि ओवर बर्डन (ओबी) को लीज होल्ड एरिया से बाहर डंप किया जा रहा है। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए बीसीसीएल को अपने लीज होल्ड एरिया में ही ओबी डंप करने का निर्देश दिया। वहीं सभी अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं बीसीसीएल के संबंधित एरिया जीएम को हर 15 दिन में बैठक करने का निर्देश दिया। समीक्षा के बाद उपायुक्त ने खनिजों के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन को रोकने के लिए सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान बीसीसीएल की ओर से कोयले के अवैध खनन के विरुद्ध की गयी कार्रवाई की पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी गयी। बैठक में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी समेत बीसीसीएल के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हजारीबाग जेल में नक्सली कैदी ने लगाई फांसी, मौत

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा में बंद एक नक्सली विचाराधीन कैदी ने आत्महत्या कर ली है। वार्ड डी में उसका शव शनिवार सुबह फांसी के फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान दुमका के काठीकुण्ड थाना क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय छोटा श्यामलाल देहरी उर्फ संतु देहरी उर्फ सोमालाल देहरी के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, बंदी को 9 फरवरी 2021 को दुमका केंद्रीय कारा से हजारीबाग जेल में स्थानांतरित किया गया था। वह नक्सली गतिविधियों से जुड़े आठ मामलों में विचाराधीन था।जेल प्रशासन ने बताया कि सुबह गिनती के दौरान बंदी अपने स्थान पर नहीं मिला। तलाशी लेने पर वह वार्ड डी में फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही जेल के चिकित्सकों की टीम मौके पर पहुंची और जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। जेल प्रशासन ने घटना की सूचना राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और संबंधित विभागों को दे दी है। मृतक के परिजनों को भी सूचित कर दिया गया है और वे हजारीबाग के लिए रवाना हो गए हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी इसी जेल में एक सजायाफ्ता कैदी ने आत्महत्या कर ली थी। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बैंकमोड़ ओवर ब्रिज पर रांग साइड से जाने से मना करने पर पुलिस वालों से मारपीट

धनबाद, एजेंसी। बैंकमोड़ ओवर ब्रिज में रांग साइड से जबरन गाड़ी ले जाने के मामला में कार सवार चार युवकों ने ट्रैफिक पुलिस और वहां मौजूद चौकीदार से मारपीट की। इस दौरान एक जवान को गाड़ी से कुचलने का प्रयास किया। इस मामले में पुलिस ने झरिया बनियाहीर सात नंबर निवासी अविनाश कुमार, झरिया कोयरीबांध निवासी शुभम गुप्ता, झरिया सिंह नगर कतरास मोड़ निवासी रंजन सिंह को पकड़ा और शुक्रवार को सभी को जेल भेज दिया। वहीं गाड़ी से कुचलने का प्रयास करने वाला झरिया कोयरीबांध निवासी अमन सिंह गाड़ी लेकर भाग गया। पुलिस ने चारों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामले में ट्रैफिक विभाग के एएसआई मुन्ना कुमार रवि के लिखित बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। मुन्ना ने बैंक मोड़ पुलिस को बताया कि गुरुवार की देर शाम वह सुभाष चौक, बैंक मोड़ में अन्य जवान बंटी कुमार यादव और चौकीदार विकास भुईया, काजल रवानी के साथ ड्यूटी कर रहे थे। तभी कुछ लोग एक कार (जेएच 10 बीएल 7234) से आये और चौकीदार से बहस करने लगे। वे लोग धनबाद से बैंक मोड़ जाने वाले पुल से वनवे पर रांग साइड से जबरन गुजरने का प्रयास करने लगे। मना पर चार व्यक्ति उतरकर जवान के साथ धक्का-मुक्की, गाली-ग्लौज एवं मारपीट करने लगे। शोर सुन मुन्ना कुमार पहुंचे, तो चारों युवक उसके साथ भी उलझ गये। गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे और कॉलर पकड़कर जमीन पर पटक दिया। इस दौरान एक युवक कार स्टार्ट कर उन लोगों को कुचलने का प्रयास करते हुए कार लेकर भूली मोड़ की ओर भाग गया।

अतिक्रमण के खिलाफ नोवामुंडी में चलेगा बुलडोजर

181 दुकान और मकानों को किया चिन्हित

नोवामुंडी, एजेंसी। नोवामुंडी साप्ताहिक हाट प्रांगण में बने शेड पर कब्जा करने व कृषि बाजार समिति की 3.27 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण कर दुकान व मकान बनाने के मामले को नोवामुंडी अंचल के बीडीओ व सीओ ने गंभीरता से लिया है। सीओ मनोज कुमार व बीडीओ पप्पू रजक ने शनिवार को नोवामुंडी साप्ताहिक हाट प्रांगण का निरीक्षण कर जायजा लिया।

उन्होंने नोवामुंडी हाट प्रांगण में ग्रामीण क्षेत्र से पहुंचे ग्रामीणों को बैठकर साग-सब्जी व वनोत्पाद बेचने के लिये बने शेड और कृषी बाजार समिति के जमीन पर बने मकान समेत अतिक्रमण कर हाट प्रांगण में स्थायी तौर पर बनी दुकानों को चिन्हित करने के लिये अंचलकर्मियों की टीम को निर्देश दिया है।

चिन्हित टीम में अंचल उप निरीक्षक लखिन्द्र कुम्हार,अंचल अमीन घनश्याम लागुरी व तुषार सिंह समेत अंचल गार्ड शामिल हैं। अंचल उप निरीक्षक लखिन्द्र कुम्हार ने पहले दिन की कार्रवाई में अतिक्रमण के जद में आए 181 बाजार शेड के अलावा दुकान व मकानों को चिन्हित किया है।

सोमवार को शेष बची दुकान व मकानों को चिन्हित किया जाएगा। चिन्हित करने के दौरान शिव मंदिर प्रांगण में सब्जी बेच रहे लोगों को हटाकर दुर्गा मंदिर प्रांगण में बेचने के लिये भेज दिया गया। जमीन चिन्हित के दौरान उन्हें किसी तरह की कोई दिक्कत न हो इसके लिये हाट परिसर स्थित गलियों की साफ-सफाई का निर्देश दिया गया है।

नोवामुंडी साप्ताहिक हाट प्रांगण निरीक्षण के लिये पहुंचे नोवामुंडी बीडीओ ने कहा कि चिन्हित के दौरान 3.27 एकड़ बाजार के नाम पर जमीन उपलब्ध होना चाहिए। यहां तो देखने मात्र से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जमीसन पर अतिरिक्त तौर पर कब्जा किया गया है। उन्होंने अधीनस्थ प्रखंड कल्याण पदाधिकारी रविंद्र सिंहदेव को बाजार की विडियोग्राफी करने का निर्देश दिया है।

उसके बाद नोटिस भेजकर माइकिंग के बाद कब्जे किये दुकानदारों को अतिक्रमण खाली करने का निर्देश जारी किया जाएगा। निर्देश का पालन नहीं होने पर वलपूर्वक जगह खाली कराया जायेगा। महुदी राजस्व गांव के मुंडा अजय लागुरी को निर्देश देते बताया गया कि जो भी दुकानदार एक से अधिक दुकानों को कब्जा किया है या तो दुकानदारों को आवंटित दुकानों को भाड़े में दे रखा है तो यह सरासर अनुचित है।

उन्हें बस्तुस्थिति की जानकारी लेकर अंचल कार्यालय में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। बताया कि कोई भी ग्रामीण सब्जी विक्रेता खुले आसमान के नीचे बैठकर नहीं बेचेंगे। उन्हें हर हाल में ग्रामीणों के लिये साग-सब्जी व वनोत्पाद बेचने के लिये बने शेड उपलब्ध करा दिया जाएगा।

सीओ मनोज कुमार ने बताया कि फिलहाल नोवामुंडी साप्ताहिक हाट से संबंधित जमीन चिन्हित करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। चिन्हित कार्य खत्म होने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। निरीक्षण के दौरान महुदी गांव के मुंडा अजय लागुरी,नोवामुंडी बस्ती के मुंडा मनवीर देव सुरेन समेत स्थानीय लोग आदि मौजूद थे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर राज्य में आयोजित कार्यक्रम : सेलिब्रिटी से अपील-पैसे के लिए ना करें नशे का प्रचार

राँची, एजेंसी। आज दुनिया भर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जा रहा है। किसी भी रूप में तंबाकू सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों की समीक्षा की जा रही है और तंबाकू सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति लोगों को कदम उठाने की सलाह दी जा रही है। इसी कड़ी में झारखंड में स्वास्थ्य विभाग की ओर से राज्यस्तरीय कार्यक्रम रांची सदर अस्पताल के ऑडोटोरियम में हुआ। जिसमें मुस्लिम, समाजसेवियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर एक कार्यशाला में तंबाकू सेवन से होने वाले नुकसानों का जिक्र किया गया। उन्होंने कहा कि न सिर्फ राज्य और भारत बल्कि पूरी दुनिया में होनेवाली यात्राओं में बड़ा कारण तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियां हैं।

इस वर्कशॉप में वक्ता ने कहा कि देश के सेलिब्रेटी से उनका आग्रह है कि वह सिगरेट-सिगरेट या गुटखा का प्रचार न करें क्योंकि हमारी युवा पीढ़ी आपको रोल मॉडल समझती है। हमें अपनी नई पीढ़ी को इस योग्य बनाना है कि वह अपना अच्छा बुरा समझें। जब एक बार उनकी समझ में आया कि तंबाकू की लत खराब है तो वह कभी नशा या तंबाकू का सेवन नहीं करेगा।

इस कार्यक्रम में रॉयल सिविल सर्जन डॉ. प्रभात, एनसीडी और तंबाकू कंट्रोल के जिला मुख्यालय अधिकारी डॉ. कुमार गुप्ता, एनसीडी के स्टेट ऑफिसर डॉ. बीके सिंह ने अपनी बात रखी। एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट के अनुसार झारखंड में लगभग 47.4प्रतिशत पुरुष जनसंख्या किसी भी रूप में धूम्रपान का सेवन करती है, जबकि महिलाओं में यह प्रतिशत 8.4 प्रतिशत है। राज्य में कैंसर रोग विशेषज्ञ से जुड़े लोगों की वजह से मुंह के कैंसर के मरीजों की संख्या काफी है। एनएफएचएस-5 झारखंड से जुड़ी एक और रिपोर्ट चौकाने वाली है। राज्य में शहरों की विशाल गांव के और महिला तस्कर का अधिक सेवन करते हैं। गाँव में 51 प्रतिशत और 9.6 प्रतिशत महिलाएँ तंबाकू का सेवन करती हैं। शहरों में यह चित्रकारी 37.2 प्रतिशत और 4.8 प्रतिशत है।

इस वर्कशॉप में भाग लें आयो ऑर्थोडॉक्स ने बताया कि ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार झारखंड में 13 से 15 आयु समूह के 5.1 प्रतिशत किशोर तंबाकू का सेवन करते हैं। स्कूल जाने वाली लड़कियाँ राज्य में लड़कों की तरह अधिक ऑक्सीजन का सेवन करती हैं।यह रिपोर्ट यह भी बताती है कि राज्य में तंबाकू सेवन का प्रतिशत 38.9 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत 28.6प्रतिशत से काफी अधिक है। दार्शनिक ने कहा कि राज्य में कैंसर का एक घटक है जिसका कारण किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन है, इसलिए इसे छोड़ना जरूरी है।

बोकारो में पति के सामने पत्नी से गैंगरेप

बोकारो, एजेंसी। बोकारो में सेक्टर-12 थाना में क्षेत्र में एक महिला के साथ उसके पति के सामने ही सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दिलीप कुमार (22), अजय कुमार (26), जय कुमार (27) व एक अन्य शामिल हैं। दुष्कर्म की यह घटना 29 मई की रात करीब 8.30 बजे की है। शुक्रवार को मामला प्रकाश में आया और देर रात तक पुलिस ने छापेमारी कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सेक्टर-12 स्थित फोरलेन के बाद झारखंड सरकार की ओर से एक अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है।

यहां धनबाद जिला के महुदा थाना क्षेत्र का एक व्यक्ति ठेकेदार के अधीन मजदूरी करता है और वहीं झोपड़ी बनाकर रहता है। वह पिछले एक सप्ताह से बीमार था तो उसने अपनी पत्नी को बुला लिया था। 29 मई की रात दंपती सेक्टर-12ए होते हुए हवाई अड्डा के रास्ते से सब्जी खरीदने के लिए दुंदीबाद बाजार आया था। सब्जी आदि लेने के बाद दंपती फिर उसी रास्ते से वापस लौट रहे थे। इस दौरान एक ऑटो पर सवार चार युवकों ने उन्हें घेर लिया। पहले तो उनसे लूटपाट करनी चाही, लेकिन उनके पास कीमती सामान नहीं मिला।

पति ने उनका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और हाथ बांध दिए। फिर दोनों को सेक्टर-12ए स्थित एक बंद स्कूल के बाउंड्री के अंदर ले गए। पति को बांधकर वहीं जमीन पर लेटा दिया और पत्नी के साथ आरोपियों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। घटना के बाद सभी आरोपी भाग गए।

पीड़ित पत्नी किसी तरह खुद को संभाली और पति को बंधन मुक्त करने के बाद रोते हुए सड़क तक पहुंची। काफी देर तक रोती हुई महिला को देखने पास आसपास रहने वाले लोगों ने जाकर पूछताछ की तो उसने सारी कहानी बताई। घटना सुनकर लोगों ने तुरंत सेक्टर-12 पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पर पुलिस पहुंची और दंपती को अपने साथ ले गई।

प्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष के फैसलों का हो रहा विरोध, पार्टी में हलचल तेज

रांची, एजेंसी। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जहां जमीनी स्तर पर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं और सबसे छोटी इकाइयों को मजबूत करने की बात कर रहे हैं।

वहीं, झारखंड कांग्रेस में सबसे छोटी इकाई यानी कि प्रखंड स्तर पर कार्यकर्ताओं को लगातार हतोत्साहित किया जा रहा है। यही कारण है कि पिछले कुछ दिनों में झारखंड कांग्रेस के 44 प्रखंड अध्यक्षों को हटा दिया गया है।

इनके खिलाफ विभिन्न जिलों में बने कनेक्ट सेंटरों से शिकायत प्राप्त हुई थी। प्राथमिक शिकायत यही थी कि बार-बार फोन करने के बावजूद इनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है।

महज इसी कारण से इन्हें हटाने का निर्णय लिया गया। हटाने के निर्देश के बाद शिकायतें दिल्ली तक गईं और कुछ ही दिनों के भीतर इन्हें वापस जिम्मेदारी दे भी दी गई।

झारखंड कांग्रेस में सबकुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। कम से कम नए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश पार्टी के लिए जो निर्णय ले रहे हैं उसका तत्काल विरोध हो जा रहा है। कई फैसले पलटे भी गए हैं।

उदाहरण की तौर पर देखिए इसी महीने नौ मई को धनबाद जिले के छह प्रखंडों के अध्यक्षों को बदला गया। इनमें धनबाद, तोपचांची, एगारकुंड, बलियापुर, सिंदरी और बाघमारा प्रखंड के अध्यक्षों को बदला गया। महज चंद दिनों के अंदर 19 मई को पार्टी ने अपना निर्णय बदल लिया और छह से घटाकर पांच प्रखंड अध्यक्षों को हटाने का निर्णय लिया गया। इसी प्रकार 19 मई को पलामू के पांच प्रखंडों के अध्यक्षों को बदला गया।

इसी क्रम में बोकारो के चास और चंदनकियारी के प्रखंड अध्यक्षों को बदला गया। इसके साथ ही इन्हीं प्रखंडों में नए प्रखंड अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई। जिला अध्यक्षों से तीन-तीन सक्रिय कार्यकर्ताओं के नाम मांगे गए। बढ़ते विवाद के बीच कई लोगों ने शिकायत ऊपर तक पहुंचाई और फिर कार्रवाई रोक भी दी गई।

इन तमाम गतिविधियों के बीच कुछ प्रखंड अध्यक्ष तो बदल दिए गए और कुछ ने वापस अपनी सीट पा ली लेकिन पार्टी के कई कर्मठ कार्यकर्ता राजनीति छोड़कर घर बैठने की तैयारी में जुट गए हैं।

वन रक्षियों द्वारा निर्माणाधीन अबुआ आवास तोड़े जाने का मामला, एफआईआर दर्ज

बगोदर,गिरिडीह, एजेंसी। जिला के बगोदर में निर्माणाधीन अबुआ आवास तोड़ने के आरोपी वन रक्षियों के खिलाफ बीडीओ निशा कुमारी के द्वारा बगोदर थाना में मामला दर्ज कराया गया है। जिसमें वन रक्षी आनंद प्रजापति को नामजद एवं दो अज्ञात को अभियुक्त बनाया गया है। इसको लेकर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। बीडीओ के द्वारा दर्ज कराए गए एफआईआर में कहा गया है कि खेतको निवासी तारा कुमारी पांडेय को 2024-25 में अबुआ आवास की स्वीकृति हुई है। आवास का निर्माण लिंटल लेबल तक किया जा चुका था।

तीन दिन पहले वर्दी पहने तीन लोगों के द्वारा जबरन आवास को गिरा दिया गया है। तीनों हेलमेट में थे, इसमें एक की पहचान आनंद प्रजापति के रूप में की गई है, जो वन रक्षी है। इधर भाकपा माले के द्वारा शनिवार को बगोदर बाजार में प्रतिवाद मार्च निकालकर निर्माणाधीन अबुआ आवास तोड़ने के आरोपी वन रक्षियों को गिरफ्तार किए जाने की मांग की है। गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

इस प्रतिवाद मार्च के द्वारा वन रक्षियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई। माले नेताओं का आरोप है कि वर्दी का धौंस जमाकर भूमिहीन महिला के आशियाना को बनने से पूर्व वन रक्षियों ने उजाड़ने का काम किया है। भाकपा माले ऐसे वन रक्षियों से धौंसने वाला नहीं है। वन रक्षियों पर कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

पार्टी नेता पूरन महतो ने आरोपी वन रक्षियों को अविलंब गिरफ्तार किए जाने की मांग की है। महिला को इंसाफ दिलाने के लिए भाकपा माले सड़क पर उतरकर आगे भी आंदोलन करेगी। जब तक इंसाफ नहीं मिल जाता भाकपा माले चुप नहीं बैठेगी। इस मौके पर पूर्व जिप सदस्य सरिता महतो, भाकपा माले नेता तेज नारायण पासवान, खुबलाल महतो, फारुख नारायण महतो सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

दूसरी ओर निर्माणाधीन अबुआ आवास तोड़े जाने की सूचना मिलने पर डुमरी विधायक जयराम महतो शनिवार को खेतको पहुंचे। उन्होंने भुक्तभोगी परिजनों से मुलाकात किया। वन रक्षियों के द्वारा तोड़े गए आवास का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित परिजनों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने वन रक्षियों के इस कार्रवाई की भी आलोचना की एवं मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सरना जमीन अतिक्रमण विवाद ! थाना में तोड़फोड़, पुलिस कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की -

रांची, एजेंसी। बेड़ो थाना क्षेत्र के महादानी मैदान के पास सरना की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने का मामला शनिवार को आक्रोश में बदल गया. अतिक्रमण हटाने के लिए लाये गये निजी जेसीबी के चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. इसकी सूचना मिलने पर सरना धर्मावलंबी शनिवार की देर रात बेड़ो थाना पहुंचे और उग्र प्रदर्शन किया. ग्रामीणों की भीड़ ने थाना में तैनात पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की. कार्यालय कक्ष में रखे कागजात को नुकसान पहुंचाया।

मामले में डीएसपी अशोक कुमार राम ने बताया कि पुलिस ने उग्र लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है, जिसके तहत कार्रवाई भी की जाएगी. उन्होंने बताया कि महादानी मैदान स्थित सरना स्थल का अतिक्रमण किए जाने के विरोध में सरना धर्मावलंबियों ने पड़हा सम्मेलन का आयोजन किया था. स्थल को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की थी. सरना स्थल पर अतिक्रमण मुक्त करने की मांगों के साथ सरना स्थल महादानी मैदान में बेड़ी के पहान, पुजार ने पूजा-अर्चना कर झंडा गड़ी कर दी. जिसे लेकर दिन भर प्रशासन और सरना धर्म के अगुवा के बीच वार्ता हुई।

सीओ प्रताप मिंज और डीएसपी अशोक कुमार राम, थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान ग्रामीणों को समझाते रहे. सीओ ने 24 घंटे के अंदर सरना स्थल की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने का नोटिस जारी किया. तब जाकर सरना धर्मावलंबी शांत हुए. सीओ ने कहा कि सरना स्थल को अतिक्रमण मुक्त कर चिह्नित कर दिया जाएगा. सरना स्थल के नाम पर एक एकड़ पांच डिसमिल भूमि दर्ज है. शेष सरकारी भूमि है. मौके पर पहान-पुजार, महतो, पैनभरवा, पडहा और सरना समुदाय के लोग मौजूद थे. इधर, तोड़फोड़ के बाद बेड़ो थाना पुलिस छावनी में तब्दील है।

हजारीबाग के किसान का बेटा बना स्टेट थर्ड टॉपर, जबकि गिरिडीह की बेटी बनी चौथी टॉपर

हजारीबाग, एजेंसी। जिले का बड़कागांव रत्नगर्भा है। एक ओर जहां बड़कागांव देश को कोयला उपलब्ध करा रहा है। वहीं दूसरी ओर यहां के छात्र भी पूरे राज्य भर में अपना परचम लहरा रहे हैं। जिले के एक किसान के बेटा ने पूरे राज्य में विज्ञान संकाय में तीसरा स्थान लाकर पूरे जिले का नाम रोशन किया है। किशोर कुमार ने बड़कागांव प्लस टू हाई स्कूल से पढ़ाई की है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि गांव के स्कूल में भी पढ़ाई करके पूरे राज्य भर में कीर्तिमान स्थापित किया जा सकता है। इसके लिए उन्होंने कोचिंग या ट्यूशन भी नहीं ली। कड़ी मेहनत और ईमानदारी से किए गए हर काम का परिणाम सकारात्मक होता है। इस बात को बड़कागांव के रहने वाले किशोर कुमार ने साबित कर दिया है। उसने जैक बोर्ड के इंटरमीडिएट परीक्षा में

विज्ञान विषय में राज्य में तीसरा स्थान लाकर इतिहास रच दिया। किशोर कुमार बेहद गरीब परिवार से तालुक रखते हैं। उसके पिता किसान हैं। खेती करके ही पूरे परिवार का भरण पोषण करते हैं। मां घर का काम करती हैं।

अभाव भरे जीवन में किशोर कुमार ने यह बता दिया कि ईमानदारी से पढ़ाई किया जाए तो कामयाबी कदम चूमती है। किशोर कुमार की इस उपलब्धि पर बड़कागांव समेत हजारीबाग का नाम राज्य भर में रोशन हो रहा है। किशोर आगे चलकर इंजीनियर बनना चाहते हैं। उन्होंने जेईई मेंस में 96 प्रतिशत अंक भी हासिल किया है। वे जेईई एडवांस परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे हैं। किशोर से एक बड़ी बहन और एक उससे छोटी बहन है। किशोर की सफलता पर परिवार के साथ गांव के लोग भी काफी खुश दिख रहे हैं। किशोर बचपन से ही प्रतिभाशाली रहा है। वो अपनी पढ़ाई-लिखाई में शुरू से अव्वल रहा है। हमेशा स्कूल में पहला स्थान प्राप्त करता था। राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त कर घर परिवार को गौरवान्वित कर दिया है। उनके पिता कहते हैं कि पुत्र के परिश्रम का परिणाम सामने आया है।

गिरिडीह की छात्रा साक्षी ने 473 अंक प्राप्त कर पूरे राज्य में चौथा स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही साक्षी गिरिडीह जिला की टॉपर भी बनी हैं। साक्षी की इस सफलता से उसके परिवार एवं पूरे इलाके में खुशी का माहौल है। साक्षी की इस सफलता पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिका और बच्चे गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

विकास जहां शुरू होता है, वहां बाधा बन खड़े हो जाते हैं मरांडी : इरफान

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने रिम्स टू परियोजना को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने मरांडी को झूठ की राजनीति का झंडाबरदार बताया है।

कहा कि विकास जहां शुरू होता है, वहां बाबूलाल मरांडी बाधा बनकर खड़ा हो जाते हैं। डॉ. अंसारी ने कहा कि आज बाबूलाल आदिवासी हितैषी बनने का नाटक कर रहे हैं, जबकि असलियत यह है कि उनसे बड़ा आदिवासी विरोधी कोई है ही नहीं।

उन्होंने पूछा कि जब रघुवर दास सरकार ने आदिवासियों की जमीन को विधानसभा भवन और स्मार्ट सिटी बनाने के नाम पर उजाड़ने का काम किया था, तब बाबूलाल मौन क्यों थे तब आदिवासियों के प्रति उनकी संवेदनशीलता कहां सोई थी। उन्होंने यह भी कहा कि हेमंत सरकार आदिवासियों एवं मूलवासियों की सरकार है, भाजपा की तरह दलालों की नहीं। सरकारी जमीन पर प्रस्तावित है रिम्स टू डॉ. इरफान अंसारी ने दो टूक कहा कि रिम्स टू किसी भी आदिवासी या किसान की निजी खेती की जमीन पर नहीं बन रहा है, बल्कि यह पूरी तरह से राज्य सरकार की स्वामित्व वाली जमीन पर प्रस्तावित है। झूठ फैलाना और लोगों को गुमराह करना भाजपा का पुराना हथकंडा है। बाबूलाल मरांडी जानबूझकर आदिवासी समाज को भड़काकर सस्ती राजनीति करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मरांडी आदिवासी कार्ड खेलकर सिर्फ अपनी सियासी जमीन की तलाश कर रहे हैं।

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 01-06-2025 21:23 Page 1

छापेमारी के दौरान भाग रहे आरोपित की तालाब में गिरने से हुई मौत

▸ गुस्साये लोगों ने सरकारी वाहन फूंका ▸ यातायात को किया ठप, क्षेत्र में तनाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मसौढ़ी में मद्य निषेध विभाग की लापरवाही के कारण एक व्यक्ति की दुखद मौत ने पूरे क्षेत्र में तनाव और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया। निसियावां गांव में शराब पीने के आरोप में छापामारी के दौरान भाग रहा एक व्यक्ति तालाब में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। इस घटना से गुस्साए ग्रामीणों और परिजनों ने अनुमंडल चौराहे पर सड़क जाम कर आगजनी की और मद्य निषेध विभाग की गाड़ी को आग के हवाले कर दिया। इस विरोध प्रदर्शन ने यातायात को पूरी तरह ठप कर दिया और क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई।

मसौढ़ी के निसियावां गांव में मद्य निषेध विभाग की टीम ने शराब पीने और बेचने वालों के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान 40 वर्षीय उपेंद्र बिंद को शराब पीने के आरोप में पकड़ने की कोशिश की गई। धरपकड़ से बचने के लिए उपेंद्र भागने लगा, लेकिन भागते समय वह गांव के पास एक तालाब में गिर गया। तालाब में डूबने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे ने पूरे गांव को हिलाकर रख दिया और परिजनों में गहरा शोक और गुस्सा फैल गया।

उपेंद्र की मौत की खबर मिलते ही निसियावां गांव के लोग और मृतक के परिजन आक्रोशित हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने शव को तालाब से निकाला और अनुमंडल चौराहे पर ले जाकर सड़क पर आगजनी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाकर सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया, जिससे यातायात ठप हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इस दौरान लोगों ने मद्य निषेध विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन इतना उग्र हो गया कि ग्रामीणों ने मद्य निषेध

विभाग की गाड़ी को आग के हवाले कर दिया, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।

आगजनी और सड़क जाम की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाने और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। हालांकि गुस्साए ग्रामीणों का कहना था कि मद्य निषेध विभाग की लापरवाही के कारण एक निर्दोष व्यक्ति की जान चली गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत करने के लिए बातचीत की, लेकिन सड़क जाम के कारण घंटों तक यातायात बाधित रहा। इस दौरान वाहन चालकों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने स्थिति को संभालने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया और मामले की जांच शुरू कर दी।

इस घटना ने मद्य निषेध विभाग की कार्यशैली और छापामारी की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग की टीम ने बिना पर्याप्त सावधानी और योजना के छापामारी की, जिसके परिणामस्वरूप यह दुखद हादसा हुआ। परिजनों ने मांग की है कि इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

कांग्रेस ने रेप कांड के विरोध में सीएम का पुतला फूंका

नेताओं ने लगाये सरकार विरोधी नारे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। मुजफ्फरपुर में नाबालिग बच्ची के साथ बलात्कार फिर उसकी मृत्यु से नाराज कांग्रेसी नेता ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री का पुतला जलाकर विरोध किया। टाउन हॉल अररिया के चौक पर पार्टी नेताओं ने पुतला दहन कर मुख्यमंत्री मुदार्बाद ,मुख्यमंत्री इस्तीफा दो के नारे लगा रहे थे।

विदित हो कि मुजफ्फरपुर के कुढ़नी में एक नाबालिग के साथ बलात्कार किया गया। फिर उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कर इलाज कराने के क्रम में जिंदगी मौत से संघर्ष करते हुए उसकी मौत हो गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष वहां पहुंचे थे।

जहां उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की।

इस घटना से आक्रोशित कांग्रेसी नेता ने रविवार को बिहार के सभी जिला में मुख्यमंत्रीका पुतला दहन किया।

मौके पर अररिया के विधायक आबिदुर रहमान ने कहा नीतीश कुमार अपने आप को सुशासन बाबू कहते हैं। लेकिन इनके राज्य और सुशासन में हमारी बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने बच्ची के लिए इंसाफ की मांग करते हुए उनके परिजन को सुरक्षा देने की मांग की है। पुतला दहन कार्यक्रम में अररिया सदर विधायक आबिदुर रहमान, जिला अध्यक्ष शाद अहमद ,अब्दुस सलाम ,फारबिसगंज विधान सभा प्रभारी अंशु पांडे ,जफरुल हसन ,अलीम उद्दीन ,प्रदीप कुमार करण,चंगेज अंसारी ,पिंटू ,आदि नेता शामिल थे।

अंतिम संस्कार में गये चौकीदार की नहाने के दौरान डूबने से मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। रविवार की सुबह थाना क्षेत्र के लाखनडिहरा गांव में दर्दनाक हादसे से पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया।

स्थानीय निवासी और डुमरांव थाना में कार्यरत चौकीदार नंदजी यादव (58 वर्ष) की तालाब में डूबने से मौत हो गई। यह घटना तब हुई, जब वे अपने परिवार के साथ एक दिन पहले स्वर्गीय हुई भाई की बहू के दाह संस्कार के बाद घटका जलार्पण करने गांव के शिव मंदिर तालाब पहुंचे थे।

स्वजन के अनुसार नंदजी यादव तालाब में नहाने के लिए उतरे थे। शायद उन्हें पानी की गहराई और उसमें मौजूद खतरे का अंदाजा नहीं हो पाया और देखते ही देखते वे गहराई में डूबने लगे।

तालाब से कुछ दूरी पर बैठे परिवार के लोगों को जब तक उनकी हालत का अहसास हुआ, तब तक देर हो चुकी थी। चीख-पुकार मच गई। आस-पास के ग्रामीण और परिजन दौड़े, किसी तरह उन्हें पानी से बाहर निकाला गया और आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही डुमरांव थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। प्रभारी थानाध्यक्ष संजीत शर्मा ने बताया कि आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

एक ही परिवार में लगातार दो-दो मौतों ने पूरे गांव को हिला कर रख दिया है। जहां एक ओर बहू के असमय निधन का शोक अभी थमा नहीं था, वहीं अब नंदजी यादव की आकस्मिक मृत्यु ने दुख की परत और गहरी कर दी है।

गांव के लोग चौकीदार नंदजी यादव को एक कर्तव्यनिष्ठ, मिलनसार और जिम्मेदार इंसान के रूप में जानते थे। उनकी इस प्रकार हुई मौत ने न केवल उनके परिवार को, बल्कि पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है।

गयाजी में पिंक बस सेवा शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। गयाजी शहर में महिलाओं और छात्राओं के लिए चलाई गईं पिंक बस सेवा की समय सारणी निर्धारित कर दी गई है।

इसके अलावा गयाजी से टिकारी जाने वाली बसों को साउथ बिहार सेंट्रल यूनिवर्सिटी कैम्पस में रोकने एवं उस मार्ग से होते हुए गुजरने हेतु अनिवार्य किया गया है।

इसी उद्देश्य से जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश कुमार एवं साउथ बिहार सेंट्रल यूनिवर्सिटी के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से पिंक बसों के उक्त मार्ग से परिचालन को लेकर हरि झंडी दिखाकर रवाना किया।

डीटीओ ने बताया कि गयाजी शहर में चलने वालीं पिंक बस सेवा का समय सारणी जारी कर दी गई है। गया जंक्शन से फिलहाल दो पिंक बस की सेवा बहाल की गई।

इसमें एक बस केंद्रीय विश्वविद्यालय पंचानपुर टिकारी चल रही है। यह चार फेरा लगाएगी। गया जंक्शन से सुबह 5:50 बजे चलेगी जो 6:10 बजे केंद्रीय विश्व

विधालय और 7:00 टिकारी पहुंचेगी।

8:30 बजे जंक्शन से चलने के बाद 9:10 बजे केंद्रीय विश्वविधालय व 10 बजे टिकारी पहुंचेगी। 11:40 बजे जंक्शन से चलने के बाद 12:20 बजे केंद्रीय विश्व विधालय व 1:20 बजे टिकारी तथा शाम 3:10 बजे जंक्शन से चलने वाली पिंक बस 3:50 बजे केंद्रीय विश्व विद्यालय व 4:30 बजे टिकारी पहुंचेगी।

दूसरी बस गया जंक्शन से मगध विश्वविद्यालय बोधगया की ओर तीन फेरा परिचालित होगी। गया जंक्शन से सुबह 8:20 बजे चलकर 8:40 बजे सिकड़िया मोड़ पहुंचेगी और 9:30 बजे मगध विश्वविद्यालय पहुंचेगी। 11:10 बजे गया जंक्शन से चलकर 11:30 बजे सिकरिया मोड़ और 1:45 बजे मगध विश्वविद्यालय पहुंचेगी।

गया जंक्शन से शाम 3:00 बजे चलकर 3:20 बजे सिकड़िया मोड़ और 4:30 बजे मगध विश्वविद्यालय पहुंचेगी। डीटीओ ने कहा कि गया जिले को और बस की संख्या प्राप्त होने के साथ गया -वाया गया इंजीनियरिंग कॉलेज -भाया खिजरसराय तक परिचालन करवाया जाएगा।

गया इंजीनियरिंग कॉलेज जाने वाले छात्राओं को मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा जैसे-जैसे अन्य और वाहन प्राप्त होंगे। उसी अनुरूप अन्य रूटों पर परिचालन की सुविधा उपलब्ध करा दी जाएगी।

फंदे से लटका मिला डाटा ऑपरेटर का शव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। जिले के सरसी थाना में पदस्थापित डाटा ऑपरेटर ललित कुमार दास का शव शनिवार की रात थाना परिसर से सटे कोसी प्रोजेक्ट के सरकारी आवास से फंदे से लटकता हुआ बरामद किया गया।

शरीर पर जख्मों के निशान के चलते स्वजनों ने थानाध्यक्ष और एक एएसआई सहित अन्य पुलिस कर्मियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए रविवार को जमकर बवाल काटा।

पोस्टमार्टम के लिए शव जीएमसीएच लाने के साथ ही स्वजनों सहित जिले भर के डाटा ऑपरेटरों के साथ-साथ राजनीतिक व सामाजिक कार्यकताओं की भीड़ उमड़ पड़ी और फिर लगभग सात घंटे तक हंगामा मचता रहा।

इस दौरान पुलिस कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की भी गई। इधर इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा ने सरसी थानाध्यक्ष मनीष चंद्र यादव को लाइन हाजिर कर दिया है।

स्वजन लगातार थानाध्यक्ष के साथ एएसआई आयुष राज के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज करने व उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

स्वजनों ने पोस्टमार्टम में भी गड़बड़ी किये जाने की आशंका जाहिर की, इस पर प्रशासनिक स्तर से तत्काल बोर्ड गठन कराकर मस्जिस्ट्रेट की उपस्थिति में पोस्टमार्टम कराया गया।

इस दौरान अस्पताल पहुंचे सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव और पूर्व सांसद संतोष कुमार कुशवाहा ने भी स्वजनों की भावनाओं के अनुरुप पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से बात की और निष्पक्ष कार्रवाई की बात कही।

कसबा विधायक अफाक आलम, पूर्व विधायक प्रदीप दास, हम के जिलाध्यख राजेंद्र यादव, रालोसपा के जिलाध्यक्ष रमेश कुशवाहा व राजद नेता बंटी सिंहा समेत कई नेता घंटों वहां डटे रहे।

पानी प्लांट में काम कर रहे युवक की करंट लगने से मौत

प्लांट के मालिक, मैनेजर फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। गंगाब्रिज थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर नौसहन में पानी प्लांट में काम करने के दौरान करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मौत की सूचना पर गांव में कोहराम मच गया। स्वजन का रोते-रोते बुरा हाल है। इस घटना की जानकारी स्वजन को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्वजन सदर अस्पताल पहुंच गए।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद स्वजन शव लेकर गांव चले गए। युवक की पहचान गंगाब्रिज थाना क्षेत्र के नवादा खुर्द निवासी दिनेश सिंह के 22 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार के रूप में की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार सोनू कुमार करीब 02 साल से पानी प्लांट में नौकरी करता था। रविवार की सुबह करीब 06 बजे वह ड्यूटी के लिए अपने घर से पानी प्लांट गया था। पानी प्लांट में काम करने के दौरान करंट की चपेट में आने से वह बुरी तरह झुलस गया। हादसे को लेकर मौके पर अफरातफरी मच गई। सभी काम करने वाले जुट गए। आनन-फानन में युवक को हाजीपुर सदर अस्पताल लाया गया। डॉक्टर ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी साथ में काम करने वाले साथी ने मृतक के परिवार वालों को दी। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिवार वाले सदर अस्पताल पहुंच गए। स्वजन का रोते-रोते बुरा हाल है।

घटना के संबंध में साथ में काम करने वाले साथी ने बताया कि वह सुबह ड्यूटी गया था। पानी प्लांट में वाइपर से पानी हटाने के दौरान करंट की चपेट में आ गया। आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

घटना के संबंध में मृतक के स्वजन ने बताया कि सोनू कुमार पानी प्लांट में करीब दो वर्षों से काम करता था। वह सुबह 06 बजे घर से पानी प्लांट में काम करने के लिए निकला था। साथ में काम करने वालों ने सूचना दी कि करंट लगने से मौत हो गई। हम लोग सदर अस्पताल पहुंचे हैं।

पानी प्लांट के मालिक मैनेजर सब फरार है। इस संबंध में गंगाब्रिज थानाध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि घटना की जानकारी मृतक के परिवार वालों ने दी है। शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। आवेदन मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

युवक ने चाची से किया दुष्कर्म का प्रयास

जिंदगी और मौत से जूझ रही पीड़िता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। वैशाली जिले के लालगंज में एक दिल दहलाने वाली घटना ने मानवता को शर्मसार कर दिया। एक युवक ने अपनी चाची से दुष्कर्म का प्रयास किया और असफल होने पर क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए महिला से मारपीट की। इस हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी युवक घटना के बाद से फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश और दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।

लालगंज में 28 मई की देर रात यह भयावह घटना घटी, जब पीड़िता अपने घर के बरामदे में सो रही थी। इसी दौरान उसकी जेठानी (गोतनी) का बेटा नापाक इरादों के साथ उसके पास पहुंचा। महिला ने उसके इरादों को भांप लिया और तुरंत उसके परिवार वालों को फोन कर इसकी जानकारी दी। आरोपी की मां मौके पर पहुंची और अपने बेटे को साथ लेकर घर चली गई। हालांकि यह राहत क्षणभर की थी। थोड़ी देर बाद ही आरोपी फिर लौटा, इस बार उसके हाथ में लोहे की रॉड थी। उसने महिला को जान से मारने की धमकी दी और उसे पकड़कर जमीन पर पटक दिया।

आरोपी ने महिला के साथ क्रूरता की सारी सीमाएं लांघ दीं। उसने महिला के मुंह पर पैर रखकर उसे दबाया और जबरन उसके पैर पकड़कर उठाए। इसके बाद उसने महिला के प्राइवेट पार्ट में हाथ घुसा दिया, जिससे महिला असहनीय दर्द से कराहने लगी। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और आरोपी की मां मौके पर दौड़े। लोगों को आते देख आरोपी मौके से फरार हो गया।

धार्मिक स्थल में तोड़फोड़ के बाद क्षेत्र के लोगों में तनाव

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस, पुलिस कर रही इलाके में कैम्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। जिले में धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। लहेरियासराय थाना क्षेत्र के मदारपुर चौक स्थित प्राचीन धार्मिक स्थल में उपद्रवियों ने गर्भगृह में घुसकर सात मिट्टी से बने पिंडों को तोड़कर पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। यह घटना तब उजागर हुई जब श्रद्धालु प्रतिदिन की तरह पूजा-अर्चना के लिए धार्मिक स्थल पहुंचे। जैसे ही लोगों की नजर अंदर हुए विध्वंस पर पड़ी, पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों में गहरा रोष व्याप्त हो गया और देखते ही देखते धार्मिक स्थल के बाहर भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दरभंगा पुलिस सक्रिय हो गई और तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को संभालने में जुट गई। मौके पर दरभंगा सदर के एसडीपीओ अमित कुमार स्वयं भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे और धार्मिक स्थल परिसर व आसपास की स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए पूरे क्षेत्र की सुरक्षा कड़ी कर दी है और आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें कानून के शिकंजे में लिया जाएगा। एसडीपीओ अमित कुमार ने बताया कि घटना बेहद संवेदनशील है और इसकी जांच को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। अफवाहों से बचने और शांति बनाए रखने की अपील की गई है।

घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल है, हालांकि पुलिस की मुस्तैदी के चलते भीड़ को शांत कर घटनास्थल से हटाया गया है। फिलहाल धार्मिक स्थल परिसर और आसपास के क्षेत्र में पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

मदारपुर के निवासी अंकुर गुप्ता ने इस घटना को आस्था पर सीधा प्रहार बताया। उन्होंने कहा कि यह बेहद निंदनीय कृत्य है। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि ऐसे कुकृत्य को अंजाम देने वालों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए।

स्थानीय लोगों के अनुसार यह धार्मिक स्थल क्षेत्र के लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन पूजा के लिए पहुंचते हैं और कई लोग तो अपने दिन की शुरूआत इसी धार्मिक स्थल में पूजा से करते हैं। इस पवित्र स्थल पर हुई तोड़फोड़ से लोगों की धार्मिक भावनाओं को गहरी चोट पहुंची है।

वायरल ऑडियो से हो रही पुलिस की किरकिरी

पुलिस कर रही पड़ताल — मामला सिवान का

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में शराब बंदी को सफल बनाने के लिए सरकार लोगों को समय-समय पर जागरूक करती रहती है, लेकिन शराब बंदी को असफल करने में सरकार के पदाधिकारी ही शराब माफियाओं की मदद कर रहे हैं'. पुलिस पदाधिकारी चंद रुपयो के लिए यूपी से बिहार तक शराब की खेप पहुंचवा रहे हैं, जिसका आडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा हैं' मामला सिवान का है'

वायरल ऑडियो के अनुसार नौतन थाना में तैनात थानाध्यक्ष उमेश पासवान और एएलटीएफ प्रभारी मनोज कुमार इस मामले से जुड़े हैं' मोबाइल से बात कर रहा पुलिस कर्मी खुलेआम कह रहा है कि आप 20 हजार रुपये दीजिए जिसके बाद थानाध्यक्ष उमेश पासवान और एएलटीएफ प्रभारी मनोज कुमार मेरे साथ रहेंगे'।

यूपी बॉडर से नौतन थाना क्षेत्र के पचलखि तक शराब की गाड़ी को पार करवा देंगे' इतना ही नही ऑडियो में यह भी कहा जा रहा है कि शराब की खेप को पार करना हमारी जिम्मेदारी है'

वायरल ऑडियो जिस नंबर पर बात हो रही है वह नंबर 7369093651 है' टू कॉलर में यह नंबर एन यादव दिखा रहा है। इस मामले में थानाध्यक्ष उमेश पासवान का कहना है कि जो ऑडियो वायरल हो रहा हैं वह मेरा नही हैं' फिर उनसे पूछा गया कि ऑडियो में बात कर रहा शख्स आपका पदाधिकारी हैं? तो उन्होंने फोन काट दिया' अब इस वायरल वीडियो से पुलिस प्रशासन की खूब किरकिरी हो रही है' हालांकि इस ऑडियो की पुष्टि 'नवबिहार टाइम्स' नही करता हैं '

बागमती में अचानक आयी बाढ़ ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औराई। बागमती नदी के जलस्तर में शनिवार को सुबह से शाम तक लगभग तीन फीट की वृद्धि रिकॉर्ड की गई है। नदी का जल प्रवाह तेज हो गया है। इस दौरान नदी में बहकर आ रही जलकुंभी और अन्य सामग्री से चचरी पुलों को खतरा उत्पन्न हो गया है।मधुबन के प्रताप घाट स्थित चचरी पुल के संचालक मनोज सहनी और अतरार घाट के छोटन सहनी दिनभर मरम्मत कार्य में जुटे रहे।इस दौरान जलकुंभी और अन्य अवरोधों को नदी से निकालकर चचरी पुलों को सुरक्षित करने का प्रयास किया गया। नदी के तेज प्रवाह और जलकुंभी के चचरी के नीचे फंसे होने के कारण बांस और बल्ले की मदद से इन्हें बाहर निकाला गया।

मधुबन प्रताप घाट के पास नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण बिजली का तार पानी में सट गया। इससे विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है। विद्युत आपूर्ति को सामान्य करने के लिए विभागीय टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से तार को ऊंचा किया। इसके बाद विद्युत आपूर्ति बहाल हो पाई है।

बता दें कि चचरी पुल क्षेत्र के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। औराई दक्षिणी क्षेत्र के लोगों के लिए यह पुल प्रखंड मुख्यालय तक पहुंचने का एकमात्र साधन है। इसके अलावा, प्रखंड के उत्तरी क्षेत्र के लोगों के लिए यह पुल जिला मुख्यालय तक पहुंचने में दूरी को लगभग 20 किलोमीटर कम कर देता है।

बागमती नदी के जलस्तर में शनिवार की सुबह से देर शाम तक लगभग 3 फीट की वृद्धि हो गई है। जिस कारण पानी का बहाव तेज हो गया है। वहीं, जलकुंभी समेत कई चीज के आने से चचरी पुल पर खतरा बन गया है।

मधुबन प्रताप घाट स्थित पुल के संचालक मनोज सहनी द्वारा व अतरार घाट के चचरी पुल संचालक छोटन सहनी द्वारा दिनभर चचरी की मरम्मत की गई। वहीं, जलकुंभी को चचरी के नीचे बांस बल्ला से निकाल कर बाहर निकाला गया। इस बीच मधुवन प्रताप घाट के समीप बिजली का तार पानी में सटने के कारण विद्युत आपूर्ति प्रशाखा मटिहानी के मानव बल व ग्रामीणों के सहयोग से तार को सही किया गया। विदित हो की औराई दक्षिणी क्षेत्र के लोगों को प्रखंड मुख्यालय जाने के लिए अभी एकमात्र चचरीपुल का ही सहारा है। वहीं प्रखंड के उत्तरी क्षेत्र के लोगों को जिला मुख्यालय जाने में चचरीपुल होकर 20 किलोमीटर कम दूरी तय करना पड़ता है।

ट्रेन की छत पर चढ़ा युवक झुलसा

सहरसा। सहरसा-मानसी रेलखंड के कोपरिया स्टेशन पर रविवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जब एक युवक मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गया और ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार को छू लिया। जैसे ही युवक का संपर्क बिजली की लाइन से हुआ, वह बुरी तरह झुलस गया और छटपटाते हुए नीचे गिर पड़ा। घटना के बाद स्टेशन पर मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए गंभीर रूप से घायल युवक को सलखुआ पीएचसी पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे सदर अस्पताल सहरसा रेफर कर दिया गया। झुलसे युवक की पहचान मधेपुरा जिले के उदाकिशुनगंज निवासी एजाज हक के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि वह अपने ससुराल सलखुआ आया हुआ था। यह हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इस पर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कोपरिया स्टेशन पर पिछले कई दिनों से एक मालगाड़ी खड़ी है, जिस पर युवक चढ़ गया था।

एक ही रात चार घरों में चोरी की घटना से लोग दहशत में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले में अपराधियों ने बीती रात पुलिस और प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए चार घरों में भीषण चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने इन घरों से करीब 12 लाख 50 हजार रुपये की नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। यह घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के उदामा रेखा गांव की है, जहां वारदात के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है और लोग सदमे में हैं। इस संगठित चोरी की सबसे बड़ी वारदात गांव के खाद व्यवसायी मदन सिंह के घर पर हुई। चोरों ने यहां से बड़ी मात्रा में नकद राशि और कीमती जेवर चुरा लिए। इसके अलावा गांव के श्रवण सिंह, विश्वनाथ सिंह और जीतन पासवान के घरों में भी चोरों ने धावा बोलते हुए सामान समेट लिया। चारों घरों में चोरी की यह घटना एक ही रात में हुई, जिसने न सिर्फ पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर चिंता भी गहरा दी है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। खेतों और सड़क किनारे से कुछ संदिग्ध कपड़े बरामद किए गए हैं, जिन्हें सबूत के तौर पर जब्त कर लिया गया है। हालांकि चोरी की इतनी बड़ी वारदात के बाद भी पुलिस अब तक किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा, लेकिन गांव में अविश्वास और आक्रोश का माहौल लगातार बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था बेहद कमजोर है, जिसका फायदा उठाकर चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। एक ही रात में चार घरों में चोरी ने प्रशासन की पोल खोल दी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की कि इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए और चोरों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए।

CMYK

भूमि संबंधी जानकारी और शिकायतों का समाधान अब एक कॉल पर

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने शुरू किया राज्य का पहला हेल्पलाइन सेंटर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जमीन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बड़ी पहल करते हुए राज्य के पहले हेल्पलाइन सेंटर की शुरुआत की है। इस टोल-फ्री कॉल सेंटर के माध्यम से अब राज्य के नागरिकों को भूमि संबंधी दस्तावेज, विभागीय योजनाओं, शिकायत और समाधान से जुड़ी सेवाएं एक ही नंबर पर उपलब्ध होंगी। हेल्पलाइन सेंटर का उद्घाटन रविवार को पटना के दानापुर स्थित सीएससी कार्यालय में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने किया।

जनता से जुड़ने की डिजिटल पहल

राज्य के पहले हेल्पलाइन सेंटर का उद्घाटन करते हुए मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि यह सेंटर 3 जून से आम लोगों के लिए शुरू हो जाएगा और सोमवार से शनिवार तक सुबह साढ़े 9 बजे से शाम 6 बजे तक सेवा देगा। इस कॉलसेंटर की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज के नागरिकों तक राजस्व व भूमि संबंधी जानकारी पहुंचाना और उनकी शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। अब लोगों को दफ्तरों का चक्कर लगाना नहीं पड़ेगा। उन्होंने बिहार सरकार के डिजिटल मिशन को जमीनी स्तर पर सफल बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम बताया।

वहीं, विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि राजस्व व भूमि सुधार जैसे विषय आम लोगों के लिए जटिल होते हैं लेकिन प्रशिक्षित कॉल एजेंट की मदद से यह हेल्पलाइन आम नागरिकों के लिए सहज बनाएगा। बहुत दिनों से इस कॉलसेंटर की जरूरत महसूस हो रही थी।

वहीं विभाग के सचिव जय सिंह ने इसे सरकार और जनता के बीच मजबूत संवाद का माध्यम बताते हुए कहा कि जब तक योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंचेगी, वे प्रभावी नहीं बनेंगी। सीएससी की मदद से हम सेवा को और अधिक पारदर्शी, सुलभ और उत्तरदायी बना पाएंगे। वहीं, सीएससी बिहार के स्टेट हेड संतोष तिवारी ने कहा कि सीएससी नेटवर्क की पहुंच हर पंचायत तक है और यह हेल्पलाइन एक सूचना केंद्र से कहीं अधिक नागरिक अधिकारों और डिजिटल जागरूकता का मंच बनेगा।

इस अवसर पर विभाग के विशेष सचिव अरुण कुमार सिंह, संयुक्त सचिव अनिल कुमार पाण्डेय, एट्टए बिहार के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्रबंधक और नेटवर्क के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

चिराग पासवान लड़ सकते हैं बिहार विधानसभा का चुनाव

8 जून को आरा की रैली में करेंगे ऐलान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केन्द्रीय मंत्री और लोजपा (रा) प्रमुख चिराग पासवान केन्द्र से ज्यादा फोकस अब बिहार पर कर रहे हैं। इस बीच उनके विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चा भी जोरों पर है। पिछले दिनों पार्टी कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया था कि चिराग पासवान को विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहिए। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि चिराग पासवान विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। चिराग पासवान 8 जून को आरा में एक बड़ी रैली करने जा रहे हैं। आरा के वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में होने वाली इस रैली को 'नव संकल्प महासभा' का नाम दिया गया है। इस महासभा में चिराग पासवान विधानसभा चुनाव को लेकर अहम घोषणा कर सकते हैं। लोजपा (रा) सांसद और चिराग के जीजा अरुण भारती ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया है जिससे सियासी हलचल बढ़ गई है। इस पोस्ट के सामने आने के बाद एक बार फिर से चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। चिराग पासवान पटना, दानापुर या फिर हाजीपुर के किसी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। अरुण भारती ने इसकी जानकारी दी है। अरुण भारती ने कहा कि चिराग पासवान किसी आरक्षित सीट से चुनाव न लड़कर एक सामान्य सीट से चुनाव लड़ेंगे। अरुण भारती ने एक्स पर लंबा-चौड़ा पोस्ट कर लिखा है कि चिराग पासवान पूरे बिहार की उम्मीद हैं।

हजार संवेदनाओं की मौत के बाद जन्मा भाजपा-नीतीश राज : सांसद रंजीत रंजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 26 मई को मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी में नौ वर्षीय दलित बच्ची के साथ दुष्कर्म होने और उचित इलाज न मिलने से पीड़िता की मौत की जिम्मेदार नीतीश-भाजपा सरकार ये बातें दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की राष्ट्रीय सचिव सह सांसद रंजीत रंजन ने कही। उन्होंने आगे कहा कि जेडीयू और भाजपा सरकार की सत्ता की सरपरस्ती में बिहार जो कि ज्ञान, त्याग और तपस्या की भूमि के रूप में जाना जाता था उसे अपराधियों और अराजक तत्वों ने हत्या, बलात्कार और अपहरण के गुंडा-माफिया राज में तब्दील कर दिया है। जगह-जगह हत्या, अपहरण, बलात्कार हो रहे हैं। आज हम आप लोगों के सम्मुख नम आंखों और भरे दिल से हृदयविदारक घटना का जिक्र कर रहे हैं जिससे सबकी रूह कांप जाएगी और एक ऐसी अपराधियों की सत्ता की सरपरस्ती का जिक्र कर रहे हैं जिसके बारे में बात करते हुए सिर शर्म से झुक जाता है। मुजफ्फरपुर जिले में कुढ़नी प्रखंड की 9 साल की दलित बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ। हैवानियत की हद तब हो गई जब लड़की के गर्दन को चाकू से रेत दिया गया और फिर उसे ईंट भट्ठे के गड्ढे में फेंक दिया गया। लड़की के शरीर पर 20 जगहों पर चाकू के जख्म के निशान मिले। घटना के बाद बिहार महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अस्पताल में जाकर बच्ची से मिलीं और उसकी नाजुक हालत को देखते हुए मुजफ्फरपुर के डीएम से मिलकर ज्ञापन देने के बाद बच्ची को इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर करने की अपील की। कांग्रेस पार्टी लगातार बच्ची को एयर लिफ्ट करके दिल्ली एम्स भेजने की अपील कर रही, लेकिन जेडीयू-भाजपा सरकार ने एक न सुनी। उन्होंने कहा कि न मैंने तो केवल उन प्रकरणों का उल्लेख किया है जिनमें पीड़िता की उम्र 2.5 साल से 16 साल के बीच है। इन घटनाओं ने राज्य में महिला बाल सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बिहार में रोज 8 हत्याएं, 33 अपहरण और 134 से अधिक जघन्य अपराध घटित हो रहे हैं।

पीएमसीएच की लापरवाही से मुजफ्फरपुर की दुष्कर्म पीड़ित लड़की की मौत : भाई अरूण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजद के प्रदेश महासचिव भाई अरूण कुमार, झुग्गी झोपड़ी के प्रदेश प्रधान महासचिव एवं मुजफ्फरपुर निवासी पिंटू राम ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि पीएमसीएच की लापरवाही के कारण, मुजफ्फरपुर के निवासी एक दलित लड़की जिसका बलात्कार अपराधियों ने किया था उसे मुजफ्फरपुर से रेफर कर पटना पीएमसीएच भेजा गया था, परंतु पीएमसीएच में चार घंटे बच्ची एंबुलेंस में ही रही उसे भर्ती करने के लिए जब लोगों का हुजुम पहुंचने के बाद उसे भर्ती किया गया, परंतु इलाज में लापरवाही के कारण बलात्कार पीड़ित बच्ची का निधन हो गया। इन नेताओं ने आरोप लगाया कि बिहार के स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह चौपट हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे बिहार के स्वास्थ्य विभाग को अमल की स्थिति में लाकर खड़ा कर दिए हैं इतनी बड़ी दुर्घटना होने के बाद उस बच्ची को एडमिट करने में 4 से 6 घंटे लगे अगर बच्ची को समय पर एडमिट कर लिया जाता तो शायद बच्ची बच सकती थी, परंतु डॉक्टरों की लापरवाही के कारण बच्ची की जान बचाई नहीं जा सकी। इसके लिए सीधे-सीधे डबल इंजन की सरकार दोषी है।

अवैध सम्पत्तियों की हवस में लालू प्रसाद का पूरा परिवार बना गुनाहगार : संतोष सुमन

'लैंड फॉर जॉब स्कैम' मामले की एफआईआर रद्द करने से इनकार कर कोर्ट ने दिया झटका

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष व लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष सुमन ने कहा कि अवैध सम्पत्तियों की हवस में लालू प्रसाद ने अपने पूरे परिवार को गुनाहगार बना दिया है। रेलवे में नौकरी के बदले कई दर्जन युवाओं और उनके परिजनों से रिश्वत के तौर पर एक लाख वर्गफीट से ज्यादा जमीन हड़पने के मामले में विगत दिन दिल्ली हाई कोर्ट ने लालू यादव की एफआईआर रद्द करने की याचिका खारिज कर उन्हें जोरदार झटका दिया है। श्री सुमन ने कहा कि राजद का यह आरोप बिलकुल बेबुनियाद है कि राजनीतिक

प्रतिद्वंद्विता व द्वेष में लालू परिवार को फंसाया और परेशान किया जा रहा है। केंद्र की एनडीए सरकार पर फंसाने का आरोप लगाने की जगह लालू परिवार को केंद्रीय जांच एजेंसियों व कोर्ट को अपनी बेगुनाही का सबूत देना चाहिए। उन्होंने कहा कि लालू परिवार पर भ्रष्टाचार का लगा आरोप राजनीतिक नहीं, कानूनी है। लालू परिवार को इसे कानूनी तौर पर ही लड़ना चाहिए। 'लैंड फॉर जॉब स्कैम' के भ्रष्टाचार के मामले से ध्यान भटकाने की राजद की कोई भी कोशिश सफल नहीं होने वाली है। कानून के शिकंजे से बचने के लिए ही राजद केंद्र सरकार को कोस रहा है। श्री सुमन ने कहा कि रेलवे में नौकरी के बदले अपने परिजनों के नाम पर जमीन ले कर लालू यादव ने न केवल अपने पद का दुरुपयोग किया बल्कि आदतन भ्रष्टाचारी होने का प्रमाण भी प्रस्तुत किया है। चारा घोटाले के सजायाफ्ता लालू यादव ने 'नौकरी के बदले जमीन' मामले में अपने पूरे परिवार को संलिप्त कर लिया है।

एलन पटना ने दसवीं और बारहवीं के टॉपर्स को किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एलन पटना की ओर से एक नई पहल के तहत दसवीं और बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में बिहार के विभिन्न विद्यालयों के बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि एलन के जोनल हेड व वाइस प्रसीडेंट डॉ. विपिन योगी रहे। उन्होंने छात्रों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। एलन की ओर से छात्रों के अभिभावकों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही एलन की 37 वर्षों की सफलता यात्रा और एलन के अकादमिक सिस्टम की जानकारी भी दी गई।

दलित पिछड़ों को न्याय, सुरक्षा, इलाज नसीब नहीं : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 26 मई को मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी में नौ वर्षीय दलित बच्ची के साथ दुष्कर्म होने और उचित इलाज न मिलने से पीड़िता की मौत पर आक्रोशित बिहार कांग्रेस ने इनकम टैक्स गोलंबर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय का पुतला दहन किया।

बिहार प्रदेश कांग्रेस के द्वारा आयोजित इस पुतला दहन और आक्रोश मार्च में प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि गैर जिम्मेदार नीतीश-भाजपा सरकार ने सरकारी कुव्यवस्था के कारण दलित नौ वर्षीय दुष्कर्म पीड़ित बच्ची को मौत के मुंह में धकेल दिया। उन्होंने आगे कहा कि 26 मई को यह घटना हुई और तब से लेकर अब तक कांग्रेस पार्टी लगातार इस मामले को उठाती रही, लेकिन मुजफ्फरपुर डीएम से लेकर पटना एम्स और पटना पीएमसीएच तक के कान में जूं नहीं रेंगा। उन्होंने कहा कि बच्ची की नाजुक हालत को देखते हुए मुजफ्फरपुर के डीएम से मिलकर ज्ञापन देने के बाद बच्ची को इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर करने की अपील की और कांग्रेस पार्टी लगातार बच्ची को एयर लिफ्ट करके दिल्ली एम्स भेजने की अपील कर रही थी, लेकिन जेडीयू-भाजपा सरकार ने एक न सुनी। स्वास्थ्य बिगड़ने पर जब पीड़ित बच्ची को पटना लाया गया, तब पहले पटना एम्स में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी बताकर भर्ती नहीं किया गया। फिर उसे पीएमसीएच लाया गया जहां उसे भर्ती नहीं किया गया और पीड़िता 5 घंटे तक एंबुलेंस में ही पड़ी रही। स्वयं मेरे हस्तक्षेप के बाद और घंटों प्रयास के बाद उक्त दलित बच्ची को पीएमसीएच में भर्ती कराया जा सका, लेकिन तब तक उसकी स्थिति बेहद नाजुक हो चुकी थी।

पांच सौ लोगों की आंख जांच कर दिया चश्मा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार स्वाभिमान मंच के तत्वावधान में प्रेम यूथ फाउंडेशन के सहयोग से निःशुल्क आंख जांच शिविर का आयोजन श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी गोविंदपुर में शिविर लगाया गया जहां आंख जांच कर मुफ्त दवा एवं चश्मा दिया गया। मौके पर उपस्थित मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक शर्मा ने बताया कि बख्तियारपुर विधान सभा में यह सतरहवीं शिविर है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सेवा ही संकल्प है कि भावना से हम लोगों को सेवा कर रहे हैं। वहीं प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन स्वस्थ्य तन में ही स्वस्थ्य मन निवास करता है। आगे भी इस तरह के और भी शिविर आयोजित किये जायेंगे। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ राजीव कुमार, डॉ अलाउद्दीन, सत्येन्द्र कुमार, सुनील कुमार, मनोज कुमार, गोपाल कुमार उपस्थित रहे।

समर कैम्प में बच्चों को छिपी प्रतिभा को व्यक्त करने का मौका : अमर अग्रवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन के सात दिवसीय समर कैम्प का उद्घाटन आज बैंक रोड स्थित दादी मंदिर में सम्मेलन के अध्यक्ष अमर अग्रवाल, महासचिव अक्षय अग्रवाल, अग्रवाल महिला अध्यक्ष गीता जैन, कला जागरण के अध्यक्ष वरिष्ठ रंगमंच निर्देशक सुमन कुमार, निर्मल अग्रवाल, संतोष अग्रवाल एवं सम्मेलन के अन्य ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर अमर अग्रवाल ने बताया कि बच्चों को समर कैम्प द्वारा अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा को व्यक्त करने का मौका मिलेगा तथा हस्तशिल्प की ओर बच्चों का रुझान बढ़ेगा। मौके पर सम्मेलन के महासचिव अक्षय अग्रवाल ने बताया कि पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी पटना के कला जागरण के

सहयोग से यह समर कैम्प बैंक रोड स्थित श्रीदादीजी मंदिर में आयोजित हो रहा है। इस कैम्प में 80 से अधिक छोटे एवं बड़े बच्चे भाग ले रहे हैं। इससे पहले अतिथियों का स्वागत करते हुए अग्रवाल सम्मेलन महिला अध्यक्ष डॉ गीता जैन ने बताया कि इस समर कैम्प का मुख्य उद्देश्य है कि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चे भी इसमें भाग ले सके। समर कैम्प की शुरुवात गणेश वंदना से की गयी तथा रीना कुमारी ने बच्चों से योग कराया।

रंगमंच कला का प्रशिक्षण

मौके पर कला जागरण के अध्यक्ष वरिष्ठ रंगमंच निर्देशक सुमन कुमार ने कहा कि बच्चे समर कैम्प के माध्यम से कम समय में ही अभिनय की बारीकियों को करना सीख सकेंगे। समर कैम्प में बिहार के वरिष्ठ रंगमंच निदेशक सुमन कुमार ने बच्चों को हास्य नाटिका 'ठग ठगे गए' का संवाद बताया साथ हीं बच्चों को रंगमंच से सम्बंधित कला क्या-क्या होती है इसकी जानकारी दी।

श्री कमलदह दिगम्बर जैन मंदिर के शिखर पर स्वर्ण कलश एवं स्वर्ण ध्वज हुआ स्थापित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के तत्वावधान में कमलदह स्थित दिगम्बर जैन मंदिर के शिखर पर स्वर्ण कलश एवं स्वर्ण ध्वज स्थापना का दो दिवसीय समारोह पूरे भक्ति एवं श्रद्धा से आज सम्पन्न हुआ। मौके पर मानद मंत्री पराग जैन ने बताया कि मंदिर के शिखर पर स्वर्ण कलश ईशान एवं अर्चना जैन तथा स्वर्ण ध्वज संगीता नारायण के सौजन्य से लगाया गया। मौके पर जैन समाज के प्रवीण जैन ने बताया कि जैन मुनि विशल्य सागर जी के सानिध्य में यह कार्यक्रम किया गया। इस पूरे आयोजन को सम्पन्न कराया रायपुर से पधारे विख्यात ज्योतिषचार्य एवं वास्तुविद प्रतिष्ठाचार्य डॉक्टर अजित शास्त्री जी ने।

राहुल गांधी अब अपनी डूबी हुई छवि को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं : दिलीप जायसवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 6 जून को बिहार के नालंदा जिले के दौरे को लेकर सियासत गर्मा गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जब वह पहली बार बिहार आए थे, तब उन्होंने अंग्रेजों की तरह समाज को बांटने का काम किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अब अपनी डूबी हुई छवि को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। दिलीप जायसवाल ने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि बचपन से लेकर पचपन साल की उम्र तक वह एअर कंडीशन से बाहर नहीं निकले जब चुनाव आता है, तभी वह बाहर निकलते हैं। उन्होंने सवालिया लहजे में

कहा कि राहुल गांधी को अचानक बिहार आने की क्या जरूरत पड़ गई है? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से अब तक करीब 50 बार बिहार का दौरा किया है जबकि राहुल गांधी की उपस्थिति नगण्य रही है। उन्होंने कहा कि एक प्रधानमंत्री इतना व्यस्त कार्यक्रम होने के बावजूद 50 बार बिहार आ सकते हैं, लेकिन राहुल गांधी को बिहार की जनता की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के आने से कांग्रेस का कुछ भला नहीं होने वाला है। बिहार में उसकी हालत और भी खराब होने वाली है। दिलीप जायसवाल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी केवल दलित और अति पिछड़ा वर्ग की राजनीति कर रहे हैं जबकि इस वर्ग के हितों की लड़ाई पहले से ही राजद जैसे दल लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा राहुल गांधी का यह एजेंडा बिहार में नहीं चलने वाला है। जनता सब समझ रही है। बता दें कि नालंदा जिले के दौरे के दौरान राहुल गांधी एक विशेष कार्यक्रम में शिरकत करेंगे जो पिछड़ा और अतिपिछड़ा समाज से संबंधित मुद्दों पर केंद्रित है।

मां वैष्णो देवी सेवा समिति कराएगी आठ जून को 51 जोड़ों का दहेज रहित सामूहिक विवाह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मां वैष्णो देवी सेवा समिति द्वारा 'एक विवाह ऐसा भी' के 13वें संस्करण के अंतर्गत 8 जून को 51 जोड़े का दहेज रहित सामूहिक विवाह कराया जाएगा। यह जानकारी आज मां ब्लड सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में संयोजक कन्हैया अग्रवाल कन्नू ने पत्रकारों को दिया। अग्रवाल ने बताया कि इसके लिए राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित अन्य मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। कन्हैया अग्रवाल(कन्नू) ने बताया कि पटना के महाराणा प्रताप भवन आर्य कुमार रोड में शादी का सभी विधि विधान आयोजित होगा। इसमें वर एवं वधू पक्ष के लोग मौजूद रहेंगे। बारात यहीं से 8 जून को संध्या 4 बजे निकलेगी जिसमें 51 अलग-अलग घोड़े पर 51 दूल्हे राजा बैठेंगे। विवाह हेतु श्रीकृष्ण मेमोरियल में 16 हजार स्क्वायर फीट का पंडाल बनाया जा रहा है। विवाह में प्रत्येक जोड़े को आवश्यक जरूरी सामान भी दिया जाएगा। शादी के लिये निबंधन हेतु उम्र प्रमाण पत्र लड़के व लड़कियों को देना जरूरी होता है। लड़के की उम्र 21 एवं लड़की की उम्र 18 वर्ष से अधिक होना अनिवार्य है जिनके पास मैट्रिक का प्रमाणपत्र नहीं होता है। उनको नोटरी से शपथपत्र लेना होता है।

महर्षि पतंजलि को समर्पित संस्कृत व्याकरण ज्ञान शिविर का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 'योग के जनक महर्षि पतंजलि स्मृति संस्कृत व्याकरण ज्ञान शिविर' का शुभारंभ हुआ। इस शिविर का उद्घाटन डॉ. मुकेश कुमार ओझा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान तथा महासचिव, विहार संस्कृत संजीवन समाज के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। शिविर के उद्घाटन समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डॉ. ओझा ने कहा महर्षि पतंजलि न केवल योगशास्त्र के प्रवर्तक थे, बल्कि उन्होंने आयुर्वेद और संस्कृत व्याकरण के क्षेत्र में भी अतुलनीय योगदान दिया है। उनके योगसूत्र आज भी विश्वभर में योगाभ्यासियों के लिए आदर्श मार्गदर्शक हैं। मुख्यातिथि के रूप में डा उग्रनारायण झा अधिवक्ता पटना उच्च न्यायालय पाटिलपुत्र ने महर्षि पतंजलि के जीवन तथा आदर्श पर प्रकाश डालते हुए अपने मूल्यवान वक्तव्य को रखें। इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन सुजाता घोष, संस्कृत शोधार्थी, असम यूनिवर्सिटी, सिलचर द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए महर्षि पतंजलि के बहुआयामी योगदान पर प्रकाश डाला। शिविर में भाग लेने वाले प्रमुख सदस्य – ज्ञानी शारदेय, अमृता और मीणा आर्या ने व्याकरण की महत्ता पर विचार साझा किए और कहा कि पतंजलि की 'महाभाष्य' संस्कृत व्याकरण का शिखर ग्रंथ है जो आज भी भाषा-शास्त्रियों के लिए प्रेरणा स्रोत बना हुआ है।

'तम्बाकू' दिवस पर विशेष जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान पटना द्वारा आरोग्य प्रकल्प बोध नशा उन्मूलन कार्यक्रम बुरी संगती से नाता तोड़ो नशे की लत को जल्दी छोड़ो, नशे से यारी मौत की तैयारी इसके साथ पैदल रैली निकाली गई। मीडिया प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि यह रैली दिव्य ज्योति नगर, खैराटाली, आश्रम रोड, तुलसी चौक, पिपरा होते हुए रोड से कार्यक्रम स्थल पहुंची।

प्रत्येक वर्ष की 31 मई को विश्व तम्बाकू दिवस मनाया जाता है जिसका उद्देश्य समाज में तम्बाकू के सेवन से होने वाले खतरों के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस रैली को निकालने का मुख्य उद्देश्य लोगों को तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देना और उन्हें इसके सेवन से बचने के लिए प्रेरित करना है। तम्बाकू के सेवन से कई गंभीर

बीमारियां हो सकती हैं जिनमें से कुछ प्रमुख हैं-फेफड़ों का कैंसर तम्बाकू के धुएं में कई जहरीले रसायन होते हैं जो फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। तम्बाकू के सेवन से आपका हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है जिससे दिल का दौरा पड़ सकता है। मुंह का कैंसर तम्बाकू के सेवन से मुंह के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। नशा को छोड़ते हैं तो व्यक्ति जीवन में सुख समृद्धि के साथ परिवार, समाज, देश भी सुरक्षित हो जाएगा। तम्बाकू छोड़ने से स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है और कई बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। आयु में वृद्धि- तम्बाकू छोड़ने से आयु में वृद्धि हो सकती है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है। विश्व तम्बाकू दिवस एक महत्वपूर्ण अभियान है जिसका उद्देश्य लोगों को तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना है। तम्बाकू छोड़ने से कई फायदे हो सकते हैं और स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा नशे उन्मूलन कार्यक्रम पूरे देश में बोध प्रकल्प के नाम से यह अभियान चला रहा है और आज विश्व तम्बाकू दिवस के अवसर पर रैली के द्वारा तम्बाकू सेवन से बचने के लिए दूसरों को भी प्रेरित किया गया है।

लालू परिवार में सिर्फ सोशल मीडिया के सहारे किया जा रहा ड्रामा : अभिषेक झा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अपने प्रेम प्रसंग को लेकर विवादों में घिरे पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद जदयू ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने तेज प्रताप के पोस्ट को 'पारिवारिक और पॉलिटिकल नौटंकी' करार दिया है। उन्होंने कहा कि राजद में हर दिन एक नया अध्याय जुड़ रहा है और इस पूरे मामले में जनता को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है।अभिषेक झा ने तेज प्रताप यादव के उस बयान को लेकर भी सवाल खड़े किए जिसमें उन्होंने 'जयचंद' शब्द का इस्तेमाल किया। अभिषेक झा ने पूछा कि आखिर ये जयचंद कौन है? क्या वे लोग हैं जो खुद मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं और तेज प्रताप को रास्ते से हटाना चाहते हैं। उन्होंने राजद पर तंज कसते हुए कहा कि अगर पार्टी के किसी नेता को निकाला जाता है तो उसका लिखित आदेश सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, सोमवार 2 जून 2025

संपादकीय

मणिपुर में शांति बहाली का प्रयास जारी

मणिपुर में लंबे समय से शांति बहाली के प्रयास चल रहे हैं। वहां करीब दो वर्ष पहले मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव की शुरूआत के बाद हालात इस कदर बिगड़ गए कि उसे संभाल पाना राज्य की तत्कालीन सरकार के लिए संभव नहीं हुआ और इसी वजह से पूर्व मुख्यमंत्री एस बीरेन सिंह को आखिर इस्तीफा देना पड़ा। पिछले तीन महीने से वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। यों हिंसा और संघर्ष पर काबू पाने में नाकामी की वजह से पहले से ही वहां राष्ट्रपति शासन की मांग हो रही थी।विडंबना यह है कि आज भी मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव को खत्म करना और सर्वसम्मति से समाधान तक पहुंचना मुमकिन नहीं हो सका है। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि वहां नई सरकार के गठन के लिए जो कवायद शुरू हुई है और किन्हीं हालात में यह संभव हो पाता है, तो क्या इससे मणिपुर की मौजूदा समस्या का कोई ठोस हल निकल सकेगा और क्या वहां हिंसा और टकराव का दौर खत्म हो पाएगा।गौरतलब है कि मणिपुर में राजग के दस विधायकों ने राज्यपाल से मुलाकात कर चौवालीस विधायकों के समर्थन का हवाला देते हुए सरकार गठन की मांग की है। विधायकों के इस समूह ने सरकार गठन को जनता की इच्छा बताया। लेकिन अगर इन विधायकों के साथ कुकी समुदाय के दस विधायक नहीं हैं, तो ऐसे में इस समूह के पास राज्य की सबसे मुख्य समस्या से पार पाने के लिए क्या योजना और दृष्टि है।राज्य में नई सरकार बनाने के पक्ष में भाजपा सहित राजग के कई विधायक जरूर हैं, लेकिन भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व अब भी सरकार के बनाने के दावों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। वहीं केंद्र सरकार की ओर से मणिपुर में निकट भविष्य में राष्ट्रपति शासन नहीं हटाने की भी खबर आई है। ऐसे में नई सरकार के गठन की मांग के धरातल पर उतरने की उम्मीद फिलहाल आगे की बात लगती है। इसके बावजूद यह सच है कि मणिपुर में शांति बहाली और सामुदायिक टकराव के कारणों को दूर कर दूरगामी हल निकलना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए ही संभव है।हालांकि मणिपुर में नई सरकार के गठन को लेकर चाहे जो भी कोशिशें चल रही हों, लेकिन फिलहाल सबसे जरूरी यह है कि वहां आम जनजीवन जिस अस्थिरता और आए दिन हिंसक सामुदायिक टकराव से दो-चार है, उसका कोई ठोस समाधान निकाला जाए। मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर दो वर्ष पहले जिस हिंसा की शुरूआत हुई थी, उसमें अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं। आज भी आए दिन गोलीबारी या हिंसक घटनाओं की खबरें आती रहती हैं।हैरानी की बात यह है कि राज्य से लेकर केंद्र सरकार के तमाम प्रयासों और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के दखल के बावजूद कोई सार्थक नतीजा नहीं निकला। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच ऐसी खाई बन गई है, जिसे पाटे बिना किसी दीर्घकालिक हल तक नहीं पहुंचा जा सकता। मगर दोनों समुदायों में परस्पर विश्वास बहाली को लेकर ऐसा कुछ भी नहीं किया गया, जो संवाद का कोई सार्थक पुल तैयार करे और बातचीत के जरिए समस्या का समाधान निकालने की कोशिश हो। आज भी अगर मणिपुर का आम जनजीवन अस्थिर है, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है? जाहिर है, नई सरकार के गठन के प्रयासों के समांतर जरूरत इस बात की है कि वहां संघर्षरत समुदायों के बीच विश्वास और संवाद कायम किया जाए।

पीओके में पाकिस्तानी सेना की भारी मौजूदगी है। इसी के साथ ही यहां पर आतंकवादियों के कई अड्डे हैं जिनके पास अत्याधुनिक हथियार है। भारत को इस क्षेत्र पर नियंत्रण पाने के लिए एक बड़े सैन्य अभियान की आवश्यकता होगी। पीओके पाकिस्तान का अभिन्न हिस्सा रहा है जिसे उसने कब्जे में लेकर इसे आतंकवाद का ट्रेंनिंग सेंटर बना रखा है। इसी के साथ ही चीन को अलग थलग करने के लिए उसकी मंशा और उसके कार्य को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष उजागर करना। सीपैक पर वैध आपत्ति दर्ज कराना और चीन को गिफ्ट में मिले क्षेत्र पर अपने दावे को मजबूत करना। इस सभी मुद्दों को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष मजबूत करना जरूरी है जैसे यूएन, जीव20, एससीओ, ब्रिक्स आदि जगहों पर इन मुद्दों को सबूत और तथ्यों के साथ प्रस्तुत करना, अमेरिका, रूस, यूरोपीय संघ, और मुस्लिम देशों के साथ द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से अपने पक्ष को रखना, पीओके में हो रहे अत्याचारों को उजागर करना (वीडियो, रिपोर्ट्स, साक्ष्य)। विश्व मीडिया को स्वतंत्र रिपोर्टिंग की अनुमति देने की मांग करना.

कब और कैसे होगी पीओके की वापसी

संजय सिन्हा

भारत ने पहलगाम हमले का पाकिस्तान को करारा जवाब दे दिया। कार्रवाई अभी भी जारी लेकिन एक बड़ा सवाल पीओके की वापसी को लेकर है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि अब पाकिस्तान से बात होगी तो पीओके और आतंकवाद पर ही बात होगी। पाकिस्तान को जल्द ही पीओके खाली करना होगा। अब सवाल है कि पीओके को भारत में शामिल करने के क्या रास्ते हो सकते हैं और इसमें क्या अड़चने आ सकती है? मेरे खयाल से पीओके को भारत में शामिल करने के दो ही रास्ते हैं- पहला पाकिस्तान से बातचीत के जरिये यह क्षेत्र खाली कराया जाए जो कि संभव नहीं है. तब दूसरा रास्ता युद्ध ही बच जाता है। पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके)को भारत में शामिल करने या उस पर नियंत्रण स्थापित करने की बात केवल भावनात्मक या राजनीतिक नहीं है बल्कि इसमें कई जटिल रणनीतिक, सैन्य, दुर्गम क्षेत्र, कूटनीतिक और अंतरराष्ट्रीय पहलू शामिल हैं। भारत का पीओके को पुनः प्राप्त करने की दिशा में अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है।

पीओके में पाकिस्तानी सेना की भारी मौजूदगी है। इसी के साथ ही यहां पर आतंकवादियों के कई अड्डे हैं जिनके पास अत्याधुनिक हथियार है। भारत को इस क्षेत्र पर नियंत्रण पाने के लिए एक बड़े सैन्य अभियान की आवश्यकता होगी। पीओके पाकिस्तान का अभिन्न हिस्सा रहा है जिसे उसने कब्जे में लेकर इसे आतंकवाद का ट्रेंनिंग सेंटर बना रखा है। इसी के साथ ही चीन को अलग थलग करने के लिए उसकी मंशा और उसके कार्य को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष उजागर करना। सीपैक पर वैध आपत्ति दर्ज कराना और चीन को गिफ्ट में मिले क्षेत्र पर अपने दावे को मजबूत करना। इस सभी मुद्दों को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष मजबूत करना जरूरी है जैसे यूएन,

जीव20,एससीओ, ब्रिक्स आदि जगहों पर इन मुद्दों को सबूत और तथ्यों के साथ प्रस्तुत करना, अमेरिका, रूस, यूरोपीय संघ, और मुस्लिम देशों के साथ द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से अपने पक्ष को रखना, पीओके में हो रहे अत्याचारों को उजागर करना (वीडियो, रिपोर्ट्स, साक्ष्य)। विश्व मीडिया को स्वतंत्र रिपोर्टिंग की अनुमति देने की मांग करना.

भारत को पूर्ण युद्ध की तैयारी के साथ सैन्य कार्रवाई की तैयारी करना होगी। इसके लिए उसके पास सबसे पहले बलूचिस्तान को अलग करने और पख्तूनों एवं अफगानिस्तान का समर्थन हासिल करने का विस्तृत प्लान होना जरूरी है। कम से कम 1 वर्ष से 2 वर्ष के युद्ध की पूर्ण तैयारी जरूरी है। उसे पीओके में घुसने के लिए पंजाब के रास्ते के प्लान पर भी काम करना चाहिए। भारतीय थल सेना पंजाब के रास्ते आसानी से पीओके में दाखिल हो सकती है हालांकि जम्मू कश्मीर के अलावा लद्दाख के मार्ग को हवाई हमले के लिए उपयोग में लिया जा सकता है। भारतीय सेना को बांग्लादेशी फ्रंट और चीन की सीमा पर भी अपनी तैनाती को पहले से ही बढाकर रखना होगा। इसी के साथ ही इसका प्लान भी तैयार रखना होगा कि यदि बांग्लादेश से किसी भी प्रकार की सैन्य या आतंकी कार्रवाई होती है तो उससे कैसे निपटा जाए। युद्ध में एक बार उतरने के बाद पीछे पलटकर देखने की जरूरत नहीं। फेंक जहां तक भाला जाए और जो लड़ सका वही तो महान है। जब किसी समस्या का समाधान टेबल पर नहीं हो तो मैदान पकड़ना जरूरी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 29 मई 2025 को दिल्ली में आयोजित भारतीय उद्योग परिसंघ (ष्ट्ढ्ढ) के %बिजनेस समिट% में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लोगों को भारतीय परिवार का हिस्सा बताते हुए कहा कि वह दिन दूर नहीं जब वे भारत की मुख्यधारा में लौट आएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ वार्ता केवल आतंकवाद और पीओके के मुद्दों पर ही होगी।

रक्षा मंत्री ने कहा, ÷क्कशय के लोग हमारे अपने हैं, हमारे परिवार का हिस्सा हैं।÷ उन्होंने यह भी जोड़ा कि ÷हम %एक भारत श्रेष्ठ भारत% के संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध हैं और हमें पूरा विश्वास है कि हमारे जो भाई आज भौगोलिक और राजनीतिक रूप से हमसे अलग हैं, वे भी किसी न किसी दिन अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर, आत्मसम्मान के साथ भारत की मुख्यधारा में लौट आएंगे।÷

संदेश साफ है, अब कूटनीति के जरिए पीओके को वापस लाने की तैयारी है और रक्षा मंत्री ने तो यहां तक कह दिया कि पीओके हिंदुस्तान और जम्मू-कश्मीर के विकास को देखकर खुद आवाज उठाएगा और कहेगा कि मैं भारत का हिस्सा हूं और भारत में शामिल रहूंग. बयान किसी सामान्य नेता का नहीं है बल्कि देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का है जो बेहद गंभीरता के साथ अपनी बात रखने के लिए जाने जाते हैं. यहीं से सवाल खड़ा होता है कि क्या वाकई पीओके खुद वापस आएगा लेकिन ये होगा कैसे? और ऐसा नहीं है कि सिर्फ रक्षा मंत्री ने ये बयान दिया है. 10 दिन के भीतर पीएम मोदी दो बार पीओके का जिक्र कर चुके है।

चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना महाशक्ति का उद्घोष, भारत की उपलब्धि से प्रसार भारती के अध्यक्ष खुश

(नवनीत सहगल)

भारत ने आर्थिक इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय रच दिया है। खास बात यह है कि आर्थिक विकास का यह मॉडल केवल महानगरों या अमीर तबकों तक सीमित नहीं रहा। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत पर चलते हुए मोदी सरकार ने समाज के सबसे कमजोर वर्गों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा। यही वजह है कि दूरदर्शी नेतृत्व में भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। 4.186 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ भारत ने जर्मनी जैसे विकसित देश को पीछे छोड़ते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि मात्र आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों के संघर्ष, परिश्रम और सपनों की साकार तस्वीर है।

निर्णायक नेतृत्व व जनभागीदारी ने बदली तस्वीर एक दशक पहले भारत कई आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन आज यह दुनिया की आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभर चुका है। जहां दुनिया के कई देश आज कई मोर्चों पर अनिश्चितता और आशंकाओं से जूझ रहे हैं, वहीं भारत मजबूत और स्थिर नेतृत्व में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। हालांकि यह सफर आसान कतई नहीं था, लेकिन मजबूत नेतृत्व, साहसी नीतियों और जनभागीदारी की बदौलत भारत ने यह मुकाम हासिल किया है।

नीतिगत फैसलों ने दी विकास को रफ्तार– वर्ष 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, उस समय भारत दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। करीब 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और कई नीतिगत समस्याएं देश की गति को रोक रही थीं। अगले दस वर्षों में भारत ने एक के बाद एक आर्थिक सुधारों और नीतिगत फैसलों के जरिये विकास की रफ्तार तेज कर दी। 2019 में भारत ने ब्रिटेन को पछाड़कर पांचवां स्थान प्राप्त किया और 2024 में जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए चौथे स्थान पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने भारत की जीडीपी को 4.186 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर बताया है।

ऐतिहासिक सुधार जिन्होंने बदली दिशा– भारत की आर्थिक प्रगति के मूल में सुधारों की सशक्त नींव रही है। वस्तु एवं सेवा कर ने देश को एकीकृत बाजार में बदला, कर प्रणाली को सरल बनाया और राजस्व बढ़ाया। इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड ने बैंकिंग क्षेत्र को मजबूती दी और ऋण प्रणाली में अनुशासन लाया। मेक इन इंडिया अभियान ने विनिर्माण को पुनर्जीवित किया और निवेशकों का भरोसा बहाल किया। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भारत की रैंकिंग 2014 में 142 से 2020 में 63 पर आ गई।

तकनीक से शक्ति की ओर– प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2015 में शुरू की गई डिजिटल इंडिया मुहिम ने गांव से लेकर शहर तक, देश के कोने-कोने को इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं से जोड़ा। इससे न सिर्फ सरकारी सेवाएं सुलभ हुईं, बल्कि डिजिटल भुगतान, स्टार्टअप और तकनीकी नवाचार को जबरदस्त बढ़ावा मिला। यूपीआई जैसी प्रणालियों ने डिजिटल भुगतान को इतना आसान बना दिया कि 2024 तक हर महीने 14 अरब से अधिक लेनदेन हो रहे थे। जनधन योजना, आधार और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर ने करोड़ों लोगों को वित्तीय प्रणाली से जोड़ा और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई।

बुनियादी ढांचे और मैन्युफैक्चरिंग में क्रांति– सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए। भारतमाला, सागरमाला और स्मार्ट सिटी मिशन जैसी योजनाओं के तहत सड़कों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और शहरी विकास पर अभूतपूर्व निवेश हुआ। 2014 से 2024 तक भारत में 80,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हुआ। प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, और हर घर जल योजना जैसी पहलों ने गांवों और शहरों दोनों का कायाकल्प कर दिया।

निर्यात में नई उड़ान और वैश्विक पहचान– भारत ने ग्लोबल बिजनेस में भी अपनी पकड़ मजबूत की है। 2023-24 में भारत का कुल निर्यात (सामान और सेवाएं मिलाकर) 824.9 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। यह आईटी सेवाओं, फार्मा, रत्न एवं आभूषण, कपड़ा, और इंजीनियरिंग उत्पादों में अभूतपूर्व वृद्धि का परिणाम है। भारतीय आईटी कंपनियों ने दुनिया भर में अपनी धाक जमाई, वहीं दवाओं के सस्ते उत्पादन ने भारत को दुनिया की फार्मेसी बना दिया। कृषि उत्पादों के निर्यात और वैश्विक मांग में भी निरंतर इजाफा हुआ, जिससे भारत की वैश्विक छवि एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभरी।

समावेशी विकास, हर हाथ को अवसर– प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 24 अगस्त, 2024 तक 53.13 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए। उज्ज्वला योजना ने 11 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए। आयुष्मान भारत योजना के तहत 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा की सुरक्षा मिली।

भारत में यहां पर है 500 साल से ज्यादा पुरानी ममी, बढ़ रहे हैं बाल और नाखून, जानिए क्या है रहस्य

(धर्मेंद्र सिंह)

मिस्त्र की ममी के बारे में आपने कई कहानियां पढ़ी और सुनी होंगी। लेकिन क्या आप हिमाचल प्रदेश में रखी ममी के बारे में जानते हैं? प्रदेश के गयू गांव में एक 550 साल से ज्यादा पुरानी ममी रखी गई है। यह गांव स्पीति घाटी के ठंडे रेगिस्तान में समुद्र तल से करीब 10,499 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। भारत चीन सीमा के पास मौजूद यह गांव अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए जाना जाता है, लेकिन इस गांव में 550 साल से ज्यादा पुरानी ममी को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं।

लाहौल स्पीति घाटी की ऐतिहासिक ताबो मठ से करीब 50 किमी दूर भारत-चीन सीमा पर स्थित गयू गांव साल में 6-8 महीने बर्फ से ढके रहने की वजह से दुनिया से कटा रहता है। लेकिन इस ममी को देखने के लिए यहां देश-विदेश से सैलानी पहुंचते हैं। यहां के लोगों की इस ममी के प्रति अगाध श्रद्धा है।

करीब 550 साल से ज्यादा पुरानी इस 'ममी' को भगवान समझकर लोग पूजते हैं। लोग इसे जिंदा भगवान मानते हैं। भारत तिब्बत सीमा पर हिमाचल के लाहौल स्पीति के गयू गांव में मिली इस 'ममी' का रहस्य आज भी बरकरार है। तभी तो हर साल हजारों लोग इसे देखने के लिए देश विदेश से यहां पहुंचते हैं। कहा जाता है कि यहां मिली यह ममी तिब्बत से गयू गांव में आकर तपस्या करने वाले लामा सांगला तेनजिंग की है।

लामा ने साधना में लीन होते हुए अपने प्राण त्याग दिए थे। तेनजिंग बैठी हुई अवस्था में थे। उस समय उनकी उम्र मात्र 45 साल थी। दुनिया में यह एकमात्र ममी है जो बैठी हुई अवस्था में है। इस ममी की वैज्ञानिक जांच में इसकी उम्र 550 साल पायी गयी है। ममी बनाने में एक खास किस्म का लेप मृत शरीर पर लगाया जाता है, लेकिन इस ममी पर किसी किस्म का लेप नहीं लगाया है। लेकिन इसके बाद भी इतने वर्षों से यह ममी कैसे सुरक्षित है? यह राज अभी भी बरकरार है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि लोग बताते हैं कि इस ममी के बाल और नाखून आज भी बढ़ रहे हैं। यह बात जानकर आपको यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन इस बात को स्थानीय लोग बिल्कुल सच बताते हैं। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) को सड़क निर्माण कार्य के दौरान यह ममी मिली थी। 1975 में यहां आए भूकम्प में यह ममी जमीन में दफन हो गयी थी। 1995 में आईटीबीपी के जवानों को सड़क बनाते समय खुदाई में यह ममी फिर मिल गई। कहा जाता है कि खुदाई के समय इस ममी के सिर पर कुदाल लगने से खून तक निकल आया था, जो कि सामान्य तौर पर संभव नहीं है।

ममी पर इस ताजा निशान को आज भी देखा जा सकता है। 2009 तक यह ममी आईटीबीपी के कैम्पस में रखी हुई थी। देखने वालों की भीड़ देखकर बाद में इस ममी को गांव में स्थापित कर दिया गया। गयू गांव पहुंचने के लिए आप शिमला और मनाली दोनों जगहों से जा सकते हैं। पेनसेल्वेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ता विक्टर मैर के मुताबिक, गयू में स्थापित ममी लगभग 550 साल पुरानी है। सैंकड़ों वर्ष पहले बौद्ध भिक्षुओं का व्यापार के सिलसिले में भारत और तिब्बत के मध्य आना जाना था। उस समय एक बौद्ध भिक्षु सांगला तेनजिंग यहां मेडिटेशन की मुद्रा में बैठे और फिर उठे ही नहीं। उस समय ही इनके शरीर को एक स्तूप में संभाल कर रख लिया गया था।

ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स को बढ़ावा देने के लिए एक नई नीति की जरूरत

साल 2022 में ओएनडीसी की शुरुआत पांच शहरों में पायलट परियोजना के रूप में हुई, लेकिन जल्द ही इसने लगभग 600 शहरों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों से इसके ऑर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। अक्टूबर 2024 तक इसके रिटेल ऑर्डर 65 लाख तक पहुंच गए थे, किंतु 2025 की शुरुआत में यह संख्या घटकर 46 लाख रह गई। इस प्रकार, कुल लेन-देन में रिटेल की हिस्सेदारी 47 प्रतिशत से घटकर केवल 29 प्रतिशत रह गई। मई 2025 में लोकल सर्किल्स के एक सर्वेक्षण ने भी ओएनडीसी की चुनौतियों को उजागर किया। सर्वे के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 की शुरुआत तक केवल 15 प्रतिशत ई-कॉमर्स उपयोगकर्ताओं ने ऑर्डर देने के लिए ओएनडीसी का उपयोग किया।

(तृप्ति सिंघल सोमानी)

कुछ वर्ष पहले जब ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) की शुरुआत हुई, तब माना जा रहा था कि यह ई-कॉमर्स क्षेत्र में स्विगी और जोमैटो जैसी स्थापित कंपनियों की एकाधिकार स्थिति को तोड़ेगा। इस डिजिटल नेटवर्क को सरकार के सहयोग से विकसित किया गया है। शुरुआत में इसे मिली प्रतिक्रिया वास्तव में आश्चर्यजनक थी, जिससे स्थापित कंपनियों का वर्चस्व खतरे में नजर आने लगा था। चूंकि ओएनडीसी एक गैर-लाभकारी ई-कॉमर्स मंच है और इसका उद्देश्य मुनाफा कमाना नहीं है, इसलिए यहां से किए गए ऑर्डर स्विगी या जोमैटो जैसी कंपनियों की तुलना में सस्ते होते हैं।

साल 2022 में ओएनडीसी की शुरुआत पांच शहरों में पायलट परियोजना के रूप में हुई, लेकिन जल्द ही इसने लगभग 600 शहरों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों से इसके ऑर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। अक्टूबर 2024 तक इसके रिटेल ऑर्डर 65 लाख तक पहुंच गए थे, किंतु 2025 की शुरुआत में यह संख्या घटकर 46 लाख रह गई। इस प्रकार, कुल लेन-देन में रिटेल की हिस्सेदारी 47 प्रतिशत से घटकर केवल 29 प्रतिशत रह गई। मई 2025 में लोकल सर्किल्स के एक सर्वेक्षण ने भी ओएनडीसी की चुनौतियों को उजागर किया। सर्वे के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 की शुरुआत तक केवल 15 प्रतिशत ई-कॉमर्स उपयोगकर्ताओं ने ऑर्डर देने के लिए ओएनडीसी का उपयोग किया। 54त्न उपयोगकर्ताओं ने बताया कि उनका अनुभव संतोषजनक नहीं रहा, जबकि 35त्न ने खराब ग्राहक सेवा की ओर ध्यान आकर्षित किया।

इस सरकारी मंच पर अन्य मंचों की तुलना में उत्पाद सस्ते उपलब्ध हैं, क्योंकि यह ग्राहकों और विक्रेताओं को सीधे जोड़ता है। इसके बावजूद, यदि उपयोगकर्ता ओएनडीसी को प्राथमिकता नहीं दे रहे हैं, तो यह स्पष्ट है कि इसे बढ़ावा देने के प्रयासों में कमी है। उत्पादों की सीमित उपलब्धता, उपयोगकर्ता-अनुकूल न होना, और पर्याप्त समीक्षा व रेटिंग का अभाव कुछ प्रमुख समस्याएं हैं, जिनका सामना ओएनडीसी के ग्राहक करते हैं। परिणामस्वरूप, उनका रुझान अन्य मंचों की ओर अधिक है।

ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) एक ऐसा मंच है, जिसका तेजी से विकास लगभग सभी के लिए लाभकारी है। अतः इसके लिए सरकारी रणनीति को और प्रभावी करने की आवश्यकता है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय को ओएनडीसी के उपयोग को बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। इसके तहत कॉर्पोरेट्स को प्रोत्साहित किया जा सकता है कि वे ओएनडीसी से खरीदारी के लिए ओएनडीसी को प्राथमिकता दें। सरल शब्दों में, कॉर्पोरेट संस्थाओं को ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स के माध्यम से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

सरकार कॉर्पोरेट्स के लिए एमएसएमई प्रोक्योरमेंट प्रोत्साहन नीति तैयार कर सकती है। इसके प्रमुख प्रावधान निम्नलिखित हो सकते हैं–

1. कर छूट– ओएनडीसी के माध्यम से एमएसएमई से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद करने वाली कॉर्पोरेट संस्थाओं को निर्धारित प्रतिशत की कर छूट प्रदान की जाए, बशर्ते वे कुछ मानदंडों (जैसे न्यूनतम खरीद सीमा और श्वस्त्र मानकों का पालन) को पूरा करें।

2. आपूर्तिकर्ता विविधता– कॉर्पोरेट संस्थाओं को एमएसएमई से खरीदारी के माध्यम से अपने आपूर्तिकर्ता आधार में विविधता लाने, नवाचार को बढ़ावा देने, और बड़े आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करने के लिए प्रोत्साहित करना।

3. ईएसजी-लक्ष्य– ओएनडीसी के माध्यम से खरीदारी द्वारा पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) लक्ष्यों–जैसे कार्बन फुटप्रिंट कम करना, सतत प्रथाओं को बढ़ावा देना, और हाशिए पर रहने वाले समुदायों का समर्थन–को प्राप्त करने वाली कॉर्पोरेट संस्थाओं को मान्यता और पुरस्कार प्रदान करना।

4. रिपोर्टिंग और सत्यापन– कॉर्पोरेट संस्थाओं की खरीद प्रक्रियाओं को ट्रैक करने और नीति के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए एक पारदर्शी रिपोर्टिंग और सत्यापन तंत्र स्थापित करना।

यदि इस नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो इसके अनेक लाभ होंगे। उदाहरण के लिए, अधिक एमएसएमई डिजिटल अर्थव्यवस्था में भाग ले सकेंगे, जिससे आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। कॉर्पोरेट संस्थाएं सतत और जिम्मेदार खरीद प्रथाओं को अपनाएंगी, जिससे उनका श्वस्त्र प्रदर्शन बेहतर होगा। साथ ही, वे अपने आपूर्तिकर्ता आधार में विविधता लाएंगी, बड़े आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करेंगी, और नवाचार को बढ़ावा देंगी।

इस नीति के कार्यान्वयन के लिए कॉर्पोरेट संस्थाओं और एमएसएमई के बीच लेन-देन को सुगम बनाने हेतु ओएनडीसी मंच के उपयोग पर बल देना होगा। साथ ही, इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले एमएसएमई और कॉर्पोरेट संस्थाओं को समर्थन और संसाधन प्रदान करने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग किया जा सकता है। नीति की प्रभावशीलता की नियमित निगरानी और मूल्यांकन के लिए एक तंत्र विकसित करना भी आवश्यक है। कुल मिलाकर, यह नीति न केवल ओएनडीसी के उपयोग को बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि कॉर्पोरेट संस्थाओं और एमएसएमई दोनों के लिए एक ऐसा माहौल तैयार करेगी, जहां उनके बेहतर भविष्य के सपने साकार हो सकेंगे। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

संक्षिप्त समाचार

पेड़ से लटके मिले किशोर किशोरी के शव

हत्या या आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

बेतिया/लौरिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। लौरिया थाना क्षेत्र के सिसवनिया में एक बगीचा में पेड़ से फंदा लगे हालत में एक किशोर एवं किशोरी के शव बरामद किया गया है। हालाकि मामला हत्या है आत्महत्या पुलिस इस जांच में जुट गई है। घटना की सूचना पर एफएसएल एवं पुलिस की टीम पहुंची और छानबीन आरम्भ किया। मृतक की पहचान सिसवनिया बारवा काला गांव के मंगनी सहनी के पुत्र विवेक कुमार उर्फ निप्पू (16) साल है और मृतका की पहचान नगर पंचायत के ढाढ़वा के के नथु महतो की पुत्री आरती (16) है। घटनास्थल पर नरकटियागंज एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह, इंस्पेक्टर रमन कुमार थानाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा पहुंचे। मृतक की मां ने पुलिस को बताया कि उसका पुत्र शनिवार को रात करीब दस बजे खाना खाकर टहलने के लिए बोलकर घर से निकला था। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। हत्या है आत्महत्या पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा।

भाकपा माले का छठा लोकल कमेटी सम्मेलन संपन्न

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गोपालपुर पंचायत के हंडेर सामुदायिक भवन स्थित दिवंगत कॉमरेड सभागार में भाकपा माले का छठवां लोकल कमेटी सम्मेलन आयोजित किया गया. सम्मेलन में 'संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, भाकपा माले को मजबूत करो' और 'बदलाव की हुंकार, बदलो बिहार, बदलो सरकार' जैसे नारों के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर रणनीति बनी. सम्मेलन में सुधीर

पासवान, चंदेश्वर मांझी, संजीवन मांझी, इंदु पासवान, भूषण मांझी समेत दर्जनों कार्यकताओं ने हिस्सा लिया. वक्ताओं ने केंद्र सरकार पर फासीवादी हमले तेज करने, सांप्रदायिक माहौल फैलाने और गरीबों के मुद्दों को दरकिनार करने का आरोप लगाया. साथ ही दलित नेताओं से भाजपा से किनारा करने की अपील की गई. सम्मेलन में धनराज पासवान को सर्वसम्मति से नया लोकल सचिव चुना गया। 11 सदस्यीय नई कमेटी का गठन भी किया गया.कार्यक्रम का संचालन प्रखंड कमेटी सदस्य रामावतार दास ने किया और मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड सचिव सत्यानंद कुमार मौजूद रहे. सम्मेलन की जानकारी भाकपा माले कार्यालय सचिव सुरेश सिंह ने दी.

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर किया गया जागरुकता कार्यक्रम

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व तंबाकू दिवस पर जिले के नौतन प्रखंड के झखरा स्थित ईश्वर शांति कालेज में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कालेज के सचिव सत्येंद्र शरण ने किया। मौके पर उन्होंने कहा कि आज के दिन लोगो को यह प्रण लेना

चाहिए कि पूरे जीवनकाल में तंबाकू का सेवन नही करेंगे। और दूसरो को भी इस ओर प्रेरित करेंगे। मौके पर कालेज में मौजूद सभी अधिकारियों, कर्मियों एवं छात्र छात्राओं ने तंबाकू छोड़ने और समाज को जागरुक करने का शपथ लिया।कालेज की प्राचार्य शबा खानम ने कहा कि तंबाकू की लत से परेशान लोगो को धीरे धीरे इसे छोड़ना चाहिए। जीवन के वर्ष को बड़ा करने, परिवार के खुशियों के लिए तंबाकू का सेवन कतई नही करें। मौके पर कालेज के सहायक प्राध्यापक डा. नूतन श्रीवास्तव, बिंदु विमल, प्रमोद कुमार सिंह, रंजय कुमार, दीपक गौतम, राम इकबाल एवं प्रधान सहायक रजनीश मिश्रा, लेखापाल कुणाल किशोर के साथ हीं साथ कालेज के छात्र छात्रांए शामिल रही।

कृषि गोष्ठी का आयोजन

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निर्देश पर पूरे देश में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत रविवार को शेखवना और दक्षिण टोला में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कृषक गोष्ठी में कृषि विज्ञान केंद्र माधोपुर के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत कृषि की तकनीक बताई। अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में वैज्ञानिक कृषि पर्यावरण अनुकूलन कृषि पद्धति के साथ सरकारी योजनाओं के प्रति किसानों को जागरूक करना है और आत्मनिर्भर भारत अभियान के लक्ष्य को मजबूती प्रदान करना है।

ऑल इंडिया गद्दी समाज की बैठक संपन्न

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ऑल इंडिया गद्दी समाज बिहार प्रदेश कार्यकारिणी एवं पश्चिम तथा पूर्वी चम्पारण जिला कार्यकारिणी की एक संयुक्त बैठक प्रदेश कार्यालय, बेतिया के सभागार में प्रदेश अध्यक्ष मोव इमामुद्दीन गद्दी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसका संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रो. मुस्तफा नवाज द्वारा किया गया, मीटिंग में दिनांक 16 जून को आयोजित होने वाले गद्दी अधिकार महासम्मेलन की तैयारी की समीक्षा की गई तथा इस महासम्मेलन की सफलता हेतु ग्राम स्तर तक प्रचार-प्रसार और गद्दी अधिकार महासम्मेलन में अपार भीड़ जुटाने हेतु पंचायत स्तर पर जिम्मेदारी तय की गई, गद्दी अधिकार महासम्मेलन के मुख्य उद्देश्यों को आज की मीटिंग में पुनः उद्धृत किया गया।

संजय गांधी गव्य प्रौद्योगिकी संस्थान में मनाया गया विश्व दुग्ध दिवस

दूध की गुणवत्ता जांच किट का किया गया लोकार्पण, डेयरी सेक्टर में नवाचार पर जोर

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के अंगीभूत महाविद्यालय, संजय गांधी गव्य प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना में विश्व दुग्ध दिवस की पूर्व संध्या पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष के विश्व दुग्ध दिवस की थीम है "लेट्स सेलिब्रेट द पावर ऑफ डेयरी"। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. इंद्रजीत सिंह रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों के रूप में कॉम्फेड पटना के महाप्रबंधक हमीद उद्दीन और बिहार सरकार के डेयरी निदेशक केदारनाथ सिंह उपस्थित थे। इस अवसर पर संस्थान द्वारा विकसित दूध की गुणवत्ता जांच किट का विधिवत लोकार्पण भी किया गया। अपने संबोधन में कुलपति डॉ. इंद्रजीत सिंह ने कहा कि डेयरी सेक्टर किसानों की आजीविका का सशक्त माध्यम है और आम जनता के पोषण में भी इसका अहम योगदान है। उन्होंने जेनेटिक अपग्रेडेशन, नस्ल सुधार और उत्पादकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में बुल मदर फार्म की दिशा में प्रयास किए जाएं ताकि उत्कृष्ट नस्ल के पशु तैयार हो सकें। कुलपति ने भैंस के दूध को अधिक पौष्टिक बताते हुए कहा कि इसमें 25% कम पानी होता है और इससे बनने वाले उत्पाद अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थान द्वारा तैयार की गई दूध जांच किट जैसे आविष्कारों के जरिए उपभोक्ताओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने देसी नस्लों के संरक्षण और क्रॉस ब्रीडिंग के जरिए दूध उत्पादन बढ़ाने की रणनीतियों पर विचार रखने की आवश्यकता बताई। कॉम्फेड पटना के महाप्रबंधक हमीद उद्दीन ने कहा कि डेयरी सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए किसानों और पशुपालकों की समस्याओं को समझना जरूरी है। उन्होंने युवाओं को इस क्षेत्र में रोजगार के सुनहरे अवसर, अच्छी सैलरी और व्यापकता की बात कही, और कहा की आने वाले समय में ये क्षेत्र में नौकरी की अधिक गुंजाईश है, इसलिए इस क्षेत्र से जुड़कर युवा रोजगार तो प्राप्त कर ही सकते है साथ ही एक सफल उद्यमी भी बना जा सकता है। हीट स्ट्रेस से पशुओं की उत्पादकता पर असर पड़ने की चर्चा करते हुए उन्होंने पशु प्रबंधन और तकनीकी उपायों की जरूरत को कारगर बताया। साथ ही, ईयर टैगिंग को जरूरी बताते हुए पशु डेटा के महत्व को रेखांकित किया ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पशुपालकों और किसानों तक पहुंच सके। बिहार सरकार के डेयरी निदेशक केदारनाथ सिंह ने भैंस पालन योजना की जानकारी देते हुए पशुपालकों से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं का भरपूर लाभ लें और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाएं। उन्होंने भैंस पालन को ग्रामीण क्षेत्रों में एक मजबूत आर्थिक विकल्प बताया। संस्थान के डीन डॉ. उमेश सिंह ने कहा कि दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए एक सुदृढ़ रोडमैप की जरूरत है, ताकि यह क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था में अपना अपेक्षित योगदान दे सके। उन्होंने कहा कि अभी भी राज्य को दुग्ध उत्पादन में वांछित उन्नति नहीं मिली है, जिस पर गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षक, छात्र एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे आयोजन का उद्देश्य डेयरी क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना, किसानों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना और युवाओं को इस क्षेत्र की ओर प्रेरित करना था।

सारण में हॉकी के विकास के लिए ऐतिहासिक बैठक

छपरा (सारण) नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सारण में हॉकी खेल को नई दिशा देने के उद्देश्य से हॉकी एसोसिएशन ऑफ सारण की एक ऐतिहासिक बैठक रविवार को सेंट्रल पब्लिक स्कूल के सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शैलेंद्र सेंगर ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि यह बैठक सारण में हॉकी के नव निर्माण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार के उपाध्यक्ष मो. दानिश खान, राज्य सचिव राणा प्रताप सिंह, राज्य कोच सुनील कुमार तथा राज्य संयोजक राजा सिंह राणा बतौर विशेष अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सारण हॉकी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार वर्मा 'संकल्प' ने किया। उन्होंने राज्यस्तरीय अतिथियों का स्वागत करते हुए जिला एसोसिएशन के सदस्यों से उनका परिचय कराया। राज्य सचिव राणा प्रताप सिंह ने आश्वस्त किया कि सारण को शीघ्र ही प्रशिक्षित हॉकी कोच निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि आगामी वर्ष छपरा में राज्य स्तरीय हॉकी टूनामेंट का आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा। सारण हॉकी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. विकास कुमार सिंह ने बताया कि जिले के विद्यालयों में हॉकी को प्रोत्साहित करने हेतु योजनाएं बनाई जा रही हैं और शीघ्र ही जिला हॉकी टीम का गठन किया जाएगा। जिला सचिव विक्की आनंद ने सभी अतिथियों एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस बैठक को सारण में हॉकी के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक सशक्त पहल बताया।

एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम और मैनुअल स्कैवेंजर निषेध कानून पर कड़ी निगरानी

डीएम मुकुल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक, आरोप पत्र के बाद नौकरी और मुआवजे को लेकर दिए गए सख्त निर्देश

सीवान/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला पदाधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अनु. जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 एवं मैनुअल स्कैवेंजर रोजगार निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम 2013 के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दरौली के विधायक सत्यदेव राम, जीरादेई के विधायक अमरजीत कुशवाहा, जिला कल्याण पदाधिकारी, सिविल सर्जन, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), विशेष लोक अभियोजक, थानाध्यक्ष, एससी/एसटी थाना, और अन्य संबंधित अधिकारी एवं समिति के सदस्य मौजूद रहे। बैठक में लिए गए अहम निर्णय डीएम ने जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देशित किया कि एफआईआर दर्ज होते ही और चार्जशीट दाखिल होने पर पीड़ित पक्ष को नियमानुसार शीघ्र मुआवजा दिया जाए। आरोप गठन वाले मामलों में मृतक के योग्य आश्रितों को रोजगार मुहैया कराने के लिए विशेष लोक अभियोजक और कल्याण पदाधिकारी को समन्वय के साथ समयबद्ध कार्रवाई करने को कहा गया। चार्जशीट लंबित मामलों में मुआवजा भुगतान हेतु पुलिस अधीक्षक कार्यालय से समन्वय स्थापित कर जरूरी दस्तावेज प्राप्त करने का निर्देश कल्याण पदाधिकारी को दिया गया। नगर निकायों को सर्वे करने का आदेश नगर पंचायत व नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिले में मैनुअल स्कैवेंजर के रूप में कार्यरत लोगों का व्यापक सर्वे कर रिपोर्ट समर्पित करें, ताकि उन्हें पुनर्वास और सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इस अवसर पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी कन्हैया कुमार ने बैठक की जानकारी साझा करते हुए बताया कि सरकार की मंशा है कि अनुसूचित जाति/जनजाति पर होने वाले अत्याचार पर सख्त कार्रवाई के साथ-साथ पीड़ितों को हरसंभव सहायता और न्याय मिले।

प्रा. विद्यालय प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन, 'स्टूडेंट ऑफ द मंथ' को मिला सम्मान

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पटना शिक्षा विभाग बिहार सरकार के निदेर्शालोक में प्रा0 विद्यालय प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस बैठक का उद्देश्य ग्रीष्मावकाश के दौरान बच्चों के सतत विकास एवं रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना था, जिसके अंतर्गत 'घर में पढ़ने का एक कोना' विषय पर चर्चा की गई. उद्देश्य रहा - 'पढ़ेंगे, बढ़ेंगे और सीखेंगे हम'. कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की शिक्षिका नीतू शाही ने की. उन्होंने उपस्थित अभिभावकों को मई माह का परीक्षाफल दिखाया एवं विद्यालय में चल रहे नवाचारों की जानकारी दी, जो बच्चों को निपुण बनाने की दिशा में निरंतर जारी हैं. आज शिक्षिका द्वारा एक नया नवाचार शुरू करते हुए 'स्टूडेंट ऑफ द मंथ' का प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया, जो मई माह के लिए वर्ग-3 के छात्र सुमित कुमार को दिया गया. यह सम्मान उनके अभिभावकों की उपस्थिति में मैडल और सर्टिफिकेट देकर प्रदान किया गया. संगोष्ठी के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण पर आधारित एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया. इसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया. प्रतियोगिता में शीतल ने प्रथम, सुमित ने द्वितीय और आरती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. विद्यालय में आज पढ़ाई के अंतिम दिन ग्रीष्मावकाश के शुभारंभ को लेकर बच्चों को पोषण वाटिका से आम उपलब्ध कराए गए. बच्चों ने फलों के राजा आम का भरपूर आनंद लिया. विद्यालय अब ग्रीष्मावकाश के पश्चात दिनांक 23 जून 2025 से पुनः खुलेगा.

'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत छह पंचायतों में किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

छपरा (सारण)नवबिहार टाइम्स संवाददाता। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, मांझी (सारण) द्वारा शुक्रवार को सारण जिले के लहलादपुर और बनियापुर प्रखंड की कुल छह पंचायतों- लहलादपुर प्रखंड के सारण, प्रखंड मुख्यालय व सोनिया और बनियापुर प्रखंड के बेदोली, प्रखंड मुख्यालय व मनोपाली में किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व कृषि विज्ञान केंद्र, मांझी के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. संजय कुमार राय ने किया। उन्होंने किसानों को केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, केंद्र व राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं, पॉलीहाउस में सब्जी उत्पादन, शून्य जुताई विधि से धान की सीधी बुवाई तथा अरहर की वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी। उद्यान विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र चन्द्र चंदोला ने वैज्ञानिक विधि से फलों के बाग लगाने, उत्तम किस्म के पौधों की उपलब्धता, गड्ढे खोदने की समय-सारणी एवं तकनीक, पोषण वाटिका, प्राकृतिक खेती और खेती में ड्रोन तकनीक के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

महिला आरक्षी को उसके पति ने पीट-पीटकर मार डाला

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ खुलासाः मारपीट के चलते हुयी हत्या

फुलवारी शरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। महिला आरक्षी कनक प्रिया की मौत का रहस्य पुलिस ने सुलझा लिया. उसने आत्महत्या नहीं किया था बल्कि उसके पति आरक्षी प्रभात ने ही उसकी पीट पीट कर हत्या कर दिया और उसके बाद इस मामले को आत्महत्या का रंग देने का प्रयास किया गया. इतना हीं नहीं महिला सिपाही की हत्या उसके पूत्र के सामने की गई थी. तीन साल के पूत्र ने देखा था कि उसके मां की पिता पिटाई कर रहे हैं. पिटाई के दौरान उसे गंभीर रूप से चोट लग गया और फिर उसकी मौत हो गई. महिला आरक्षी की मौत के बाद पति शव को लेकर गांव डोभी गया जाने के लिए शव वाहन पर रख निकल गया और मायका वालों को उसके द्वारा आत्महत्या करने की जानकारी दिया मगर परिजनों को शक हुआ और मामला पुलिस तक पहुंचा. इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा जहां डाक्टरों ने पुलिस को बताया कि मौत पिटाई के कारण गंभीर रूप से चोट लग जाने के कारण हुई है. पुलिस ने पति आरक्षी प्रभात को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. हालांकि मारपीट की बात अब पति ने भी स्वीकार कर लिया है. घटना के दिन मौके पर प्रभात का भाई भैजाई भी थे जो बाद में निकल भागे. महिला आरक्षी कनक प्रिया के पिता की मौत हो चुकी थी. उसकी एक मात्र भाई की भी वर्ष 2017 में मौत हो गई थी. कनक बड़ी बहन थी जब कि छोटी बहन मिनाक्षी थी. कनक की बिहार पुलिस में2018 में नौकरी होने के बाद उसकी शादी वर्ष 2020 में गया डोभी के ही रहने वाले प्रभात कुमार के साथ हुई.शादी के बाद कनक को एक पूत्र प्रणव हुआ जिसकी आयु तीन साल है. कनक अपने गांव की जमीन बेच कर कुरथौल में जमीन खरीद कर अपने नाम से मकान बनाया था जहां वह अपने पति प्रभात पूत्र प्रणव के साथ रहती थी. मकान कनक के नाम था और रूपया भी कनक का लगा था. वहीं मकान बनने के बाद प्रभात के अपने भाई पंकज उसकी पत्नी,छोटा भाई ओम प्रकाश को भी यहीं रहने लगे. इस बात को लेकर कनक और प्रभात के बीच लगातार विवाद होता रहता था.

दीदी अधिकार केंद्र का शुभारंभः ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर एक मजबूत कदम

छपरा (सारण)नवबिहार टाइम्स संवाददाता। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत आज तरैया प्रखंड कार्यालय परिसर में दीदी अधिकार केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया गया। इसका उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री विभु विवेक और हिमालय जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती इंदु देवी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रबंधक स्वास्थ्य विशाल कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक विकास कुमार चौधरी, प्रबंधक सामाजिक विकास राकेश कुमार, तथा सामाजिक विकास कंसल्टेंट कैलाश कुमार उपस्थित रहे। दीदी अधिकार केंद्र का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और वंचित समुदाय की महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी देना, उन्हें कानूनी सहायता, परामर्श और प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। यह केंद्र महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और सहयोगी स्थान उपलब्ध कराएगा, जहाँ वे अपनी समस्याओं को साझा कर सकेंगी और समाधान प्राप्त कर सकेंगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री विभु विवेक ने कहा, यह केंद्र महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करेगा और उन्हें समाज में बराबरी का हक दिलाने में मदद करेगा। यह पहल नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम है।

इस अवसर पर प्रखंड परियोजना प्रबंधक विकास कुमार चौधरी ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, दीदी अधिकार केंद्र हमारी दीदियों के लिए एक मजबूत सहारा बनेगा। यहाँ उन्हें न सिर्फ उनके अधिकारों की जानकारी मिलेगी, बल्कि वे सामाजिक और आर्थिक रूप से भी आगे बढ़ सकेंगी। हमारा प्रयास है कि हर महिला आत्मनिर्भर बने और अपने फैसले खुद ले सके। कार्यक्रम में शानु कुमार, रवि कुमार, समता कुमारी, सविता कुमारी, अभिषेक कुमार सहित विभिन्न जीविका समूहों से जुड़ी महिलाओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। संकुल संघ की दीदियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और इस पहल को ग्रामीण महिलाओं के जीवन में एक सकारात्मक बदलाव की शुरूआत बताया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रखंड परियोजना प्रबंधक विकास कुमार चौधरी द्वारा किया गया। दीदी अधिकार केंद्र आने वाले समय में महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और कानूनी रूप से सशक्त बनाने में एक मील का पत्थर साबित होगा।

सुधा डेयरी मजदूरों का प्रदर्शन, मजदूरी और अधिकारों को लेकर उठी बुलंद आवाज

9 जुलाई की देशव्यापी मजदूर हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान

फुलवारीशरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता सैकड़ों की संख्या में सुधा डेयरी के ड्राइवर और खलासी मजदूरों ने शनिवार को अपनी लंबित मांगों को लेकर फुलवारीशरीफ बाजार में जोरदार प्रदर्शन और जुलूस निकाला. यह जुलूस सुधा डेयरी के मुख्य गेट से प्रारंभ होकर कैंसर अस्पताल, प्रखंड कार्यालय, टमटम पड़ाव और निचली बाजार होते हुए पुनः डेयरी गेट पर पहुंचकर सभा के साथ समाप्त हुआ. प्रदर्शन में करीब 150 से अधिक मजदूर शामिल हुए.प्रदर्शनकारियों ने 'बांटों और राज करो की नीति मुदार्बाद', 'फिर्कापरस्ती नहीं चलेगी', 'मजदूरों को गुलाम बनाने वाला 4 लेबर कोड रद्द करो', '44 श्रम कानून बहाल करोह्व जैसे जोरदार नारे लगाए. प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने सरकार और प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. उन्होंने चालक को कुशल और खलासी को अर्द्धकुशल मजदूरी श्रेणी में रखने, समय पर वेतन भुगतान, श्रम कानूनों के सख्त पालन, अवकाश की सुविधा, ओवरटाइम का भुगतान, ईएसआई-ईपीएफ, ग्रेच्युटी, परिचय पत्र, जीवन बीमा और दूध लीकेज लाभ जैसे मुद्दों पर मांग उठाई. इस आंदोलन का नेतृत्व ऐक्टू से जुड़े पटना जिला निजी वाहन चालक एवं कर्मचारी यूनियन ने किया. यूनियन के बैनर तले कार्यरत ड्राइवर व खलासी मजदूरों ने सुधा डेयरी और सरकार को चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो आगामी आंदोलनों को और तेज किया जाएगा. सभा को ऐक्टू नेता व यूनियन अध्यक्ष रणविजय कुमार ने संबोधित किया. उन्होंने सुधा डेयरी प्रबंधन और केंद्र व राज्य की डबल इंजन सरकार पर श्रम कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि न्यूनतम मजदूरी, ओवरटाइम, अवकाश सहित अन्य अधिकारों को लेकर मजदूर संघर्षशील हैं. रणविजय कुमार ने मजदूरों से आगामी 9 जुलाई को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर होने वाली अखिल भारतीय मजदूर हड़ताल को सफल बनाने की अपील की. प्रदर्शन में महासचिव मनीष उर्फ नीनी, रंजीत कुमार, बबलू कुमार, डब्लू, चंदन, अमर कुमार, विक्की कुमार, रंजीत शर्मा और अविनाश कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

अडानी ग्रुप की यह कंपनी 4300 करोड़ जुटाने की तैयारी में

अभी महाराष्ट्र से मिला है 1600 करोड़ का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस 4300 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है। कंपनी यह पैसा क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट या फिर अन्य किसी तरीके से जुटाने का प्रयास करेगी। अडानी एनर्जी सॉल्यूशन्स ने शनिवार को एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि फंड जुटाने की प्रक्रिया को एक या उससे अधिक बार में पूरा किया जाएगा। फिलहाल अभी कंपनी को शेयरहोल्डर्स के अलावा अन्य अप्रूवल लेने होंगे।

इस वित्त वर्ष में है कंपनी का बड़ा प्लान– इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस इस वित्त वर्ष 16000 करोड़ रुपये से 18000 रुपये खर्च करने की तैयारी में है। बीते वित्त वर्ष कंपनी का कैपिटल एक्सपेंडिचर 11444 करोड़ रुपये था। कंपनी 12 हजार करोड़ रुपये 13 हजार करोड़ रुपये ट्रांसमिशन, 4000 करोड़ रुपये स्मार्ट मीटर्स और 1600 करोड़ रुपये डिस्ट्रीब्यूशन पर खर्च करने की योजना बनाई है।

कंपनी का ऑर्डर बुक 61600 करोड़ रुपये– बीते हफ्ते अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस को 1600 करोड़ रुपये का महाराष्ट्र से मिला था। कंपनी यह काम अंतरराज्यीय ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट के तहत मिला है। इस नए ऑर्डर के हाथ लगने के बाद अडानी ग्रुप के पास 61,600 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक हो चुका है। शुक्रवार को अडानी एनर्जी के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई थी। कंपनी का शेयर 1 प्रतिशत से अधिक टूटने के बाद 867.65 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले 3 महीने में अडानी ग्रुप की यह कंपनी 33 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रही है। हालांकि, इस तेजी के बाद भी एक साल में यह स्टॉक 20 प्रतिशत का निगेटिव रिटर्न ही दे पाया है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 1347.90 रुपये और 52 वीक लो लेवल 588.25 रुपये है।

1 दिन में 86 प्रतिशत भरा आईपीओ, ग्रे मार्केट से मिला पॉजिटिव रिस्पॉन्स, अब भी दांव लगाने के लिए 2 दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। 3बी फिल्म्स आईपीओ (3बी फिल्म्स आईपीओ 95) बीते हफ्ते खुल चुका है। कंपनी के आईपीओ पर निवेशक 30 मई से 3 जून तक दांव लगा पाएंगे।3बी फिल्म्स आईपीओ 95 का इश्यू प्राइस 33.75 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 35.52 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार सेल के तहत 31.98 लाख शेयर जारी किए जाएंगे।

1 दिन में 86 प्रतिशत भरा आईपीओ– पहले दिन ही आईपीओ 86 प्रतिशत भर गया था। रिटेल कैटगरी में3बी फिल्म्स आईपीओ 95 प्रतिशत

सब्सक्रिप्शन प्राप्त करने में सफल रहा था। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में अभी कंपनी के आईपीओ को कोई सब्सक्रिप्शन नहीं मिला है। जबकि एनआईआई कैटगरी में आईपीओ को 77 प्रतिशत का सब्सक्रिप्शन पहले दिन मिला था।

क्या है प्राइस बैंड– इस इश्यू का प्राइस बैंड 50 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 3000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिस वजह से निवेशकों को 1,50,000 रुपये का दांव लगाना होगा। बता दें, कंपनी की तरफ से आईपीओ की लिस्टिंग बीएसई एसएमई में की जाएगी।

क्या है जीएमपी– 3बी फिल्म्स एसएमई आईपीओ का ग्रे मार्केट में 3 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। इंवेस्टर्सगेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में यह अबतक का सबसे अधिक जीएमपी है।

ड्रैगन की बढ़ी टेंशन

भारत 1, चीन 2, वियतनाम 3... ,

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मैन्युफैक्चरिंग लागत के मामले में अब दुनिया का सबसे सस्ता देश है। यह चीन और वियतनाम को पीछे छोड़ चुका है। वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट के हवाले से एक सूची सोशल मीडिया पर शेयर की है। इसमें भारत पहले नंबर पर है। उसके बाद चीन और वियतनाम हैं। सूची में थाईलैंड, फिलीपींस, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, कंबोडिया, मलेशिया और श्रीलंका भी शामिल हैं। यह मूल्यांकन यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट की ओर से 89 देशों के बीच किया गया है।

चीन लंबे समय से दुनिया का फैक्ट्री फ्लोर रहा है। इसकी वजह उसकी विशाल और अपेक्षाकृत सस्ती श्रम शक्ति रही है। वियतनाम भी हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण कम लागत वाला मैन्यूफैक्चरिंग हब के रूप में उभरा है। भारत का मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट में सबसे सस्ता देश होना चीन की टेंशन बढ़ाने वाला है। यह भारत को वैश्विक स्तर पर एक आकर्षक मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन बना देगा। कंपनियां अपनी उत्पादन इकाइयां भारत में स्थापित करने या यहां से सोर्सिंग करने के लिए आकर्षित होंगी। इससे देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ेगा।

भारत का मैन्युफैक्चरिंग लागत के मामले में दुनिया का सबसे सस्ता देश होना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके दूरगामी सकारात्मक आर्थिक परिणाम हो सकते हैं। हालांकि, इस रफ्तार को बनाए रखने और भारत को वास्तव में एक वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति बनाने के लिए बुनियादी ढांचे, कौशल विकास और व्यापार करने में आसानी जैसे क्षेत्रों पर लगातार ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा।

भारत दुनिया में नंबर वन– यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट के अनुसार, भारत में मैन्युफैक्चरिंग की लागत दुनियाभर में सबसे कम है। वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर दुनिया में सबसे कम मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट वाले 89 देशों की सूची जारी की है। चीन और वियतनाम भारत से पीछे दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। सबसे कम मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट वाले देशों की लिस्ट में भारत दुनिया में नंबर वन है। टॉप-10 लिस्ट में भारत, चीन, वियतनाम, थाईलैंड, फिलीपींस, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, कंबोडिया, मलेशिया, श्रीलंका जैसे देश शामिल हैं। यूएस न्यूज एंड वर्ल्ड रिपोर्ट ने 89 देशों का मूल्यांकन किया है। सबसे सस्ती मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट वाले टॉप-10 देशों की लिस्ट में थाईलैंड चौथे और फिलीपींस पांचवें स्थान पर है। इस लिस्ट में बांग्लादेश (छठा), इंडोनेशिया (सातवां), कंबोडिया (आठवां), मलेशिया (नौवां) और श्रीलंका (दसवां) स्थान पर है। लिस्ट में इसके बाद घाना, केन्या, मेक्सिको, साउथ अफ्रीका, कोलंबिया, एल साल्वाडोर, चिली, कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान, ट्यूनीशिया और अल्जीरिया का स्थान है।

उपभोक्ताओं पर अपनी तरह की पहली रिपोर्ट में सामने आया तथ्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में तेजी से बढ़ते अवैध सट्टेबाजी एवं गैंबलिंग मार्केट से किशोरों एवं युवाओं जैसे संवेदनशील वर्ग पर उल्लेखनीय खतरा मंडरा रहा है। ग्राहकों की संप्रभुता पर केंद्रित पब्लिक पॉलिसी थिंक टैंक कट्स इंटरनेशनल की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि इन अवैध प्लेटफॉर्म पर सालाना करीब 100 अरब डॉलर का डिपोजिट होता है। रिपोर्ट में इस समस्या के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया गया है। इससे यह सामने आया है कि अवैध ऑनलाइन गैंबलिंग से उपभोक्ताओं की सुरक्षा, वित्तीय अखंडता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा है।

समस्या की गंभीरता को रिपोर्ट के इस तथ्य से समझा जा सकता है कि अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 के बीच 40 मिरर साइट्स के माध्यम से टॉप 15 अवैध गैंबलिंग प्लेटफॉर्म्स पर 5.4 अरब से ज्यादा विजिट्स देखने को मिलीं। 1एक्सबेट, पेरीमैच, स्टेक, फेयरप्ले और बैटरीबेट जैसे टॉप प्लेटफॉर्म पर लगातार बड़ा ट्रैफिक एवं यूजर्स की पहुंच देखने को मिल रही है। मार्च, 2025 में पेरीमैच के ट्रैफिक शेयर ने अमेजन डॉट इन, विकीपीडिया डॉट ओआरजी, गूगल डॉट को डॉट इन, एक्स डॉट कॉम, हॉटस्टार डॉट कॉम, फ्लिपकार्ट डॉट कॉम, लिंक्डइन डॉट कॉम, कोरा डॉट कॉम और रेडिट डॉट कॉम जैसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म्स को भी पीछे छोड़ दिया था।

आपको कोई नहीं बताएगा...वेदांता के चेयरमैन ने किया युवा स्टार्टअप संस्थापकों को आगाह

नई दिल्ली, एजेंसी। माइनिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता के संस्थापक और एक्जीक्यूटिव चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर युवा स्टार्टअप संस्थापकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातें शेयर की हैं। उन्होंने आगाह किया कि कारोबार को सफल बनाने का रास्ता कठिन होता है। अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स एक पोस्ट में इस बात पर जोर दिया कि शुरुआती वर्षों में स्टार्टअप संस्थापकों के लिए जीवन अकेला हो सकता है। दबाव जैसा महसूस हो सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि संस्थापक की ओर से लिया गया हर निर्णय कंपनी के विकास के लिए एक कदम आगे या पीछे ले जाने वाला हो सकता है। अग्रवाल ने युवा संस्थापकों को अपने काम में आगे बढ़ते रहने का सुझाव दिया। अपने जीवन के संघर्ष के दौर से अकेलेपन को याद करते हुए कहा कि उनके पास एक भावनात्मक सहारा था। उनकी मां की शॉल। यह हमेशा उन्हें उनके ठंडे लंदन फ्लैट से भी घर की याद दिलाती थी।

अनिल अग्रवाल ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, प्रिय युवा संस्थापकों, यहां कुछ ऐसा है जिसके बारे में आपको कोई आगाह नहीं करता... आपकी ओर से चुना गया सफर यह अकेला कर देता है। शुरुआती साल प्रेशर कुकर में रहने जैसा महसूस होता है। खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी के अध्यक्ष ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि एक संस्थापक का लिया गया हर निर्णय कंपनी के विकास के लिए एक कदम आगे या पीछे करने वाला हो सकता है।

शून्य में चिल्लाने जैसा लगता है

अनिल अग्रवाल ने अपनी पोस्ट में कहा, हर दिन, आप ऐसे निर्णय लेते हैं जो आपके सपने को आगे बढ़ा सकते हैं या उसे एक कदम पीछे ले जा सकते हैं। यह शून्य में चिल्लाने जैसा लगता है – जैसे अंधेरे में निर्माण करना... अग्रवाल ने यह भी कहा कि लोग संस्थापकों को नहीं समझ पाएंगे। इसलिए नहीं कि वे परवाह नहीं करते, बल्कि इसलिए कि उन्होंने कभी किसी अदृश्य चीज पर विश्वास नहीं किया। अग्रवाल ने कहा, कहने को साथ अपने एक दुनिया चलती है, लेकिन सच यह है कि आपके आसपास के ज्यादा लोग उसे समझ नहीं पाएंगे।

माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई का दिया उदाहरण

अनिल अग्रवाल ने एक उदाहरण भी साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा कि माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पर भीड़ नहीं होती। पर्वतारोही जितना ऊंचे चढ़ता जाता है, अंत में उतने ही कम लोग बचते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि पर्वतारोही खो गया है, इसका सिर्फ इतना मतलब है कि वे एक दुर्लभ रास्ते पर हैं। अग्रवाल ने अपने जीवन के संघर्ष के दौर से अकेलेपन को याद करते हुए यह भी कहा कि उनके पास एक भावनात्मक सहारा था जैसे कि उनकी मां की शॉल) जो हमेशा उन्हें उनके ठंडे लंदन फ्लैट से भी घर की याद दिलाती थी।

बकवास बंद करो और चुप रहो... इन्फोसिस के पूर्व सीएफओ ने हॉटमेल के संस्थापक की पब्लिक में धुल दी

नई दिल्ली, एजेंसी। इन्फोसिस के पूर्व सीएफओ मोहनदास पई और हॉटमेल के संस्थापक सबीर भाटिया के बीच भारत की आर्थिक तरक्की को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी बहस हुई है। भाटिया ने सवाल उठाया कि क्या भारत की जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उपलब्धि का फायदा आम नागरिकों तक पहुंचा है। इसके जवाब में पई ने भाटिया की आलोचना की। उन पर भारत की तरक्की में योगदान न देने का आरोप लगाया। वहीं, भाटिया ने अपनी टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा कि वह भारत के सभी नागरिकों के जीवन में सुधार देखना चाहते हैं, खासकर निचले स्तर पर। यह विवाद भारत की इकनॉमिक ग्रोथ और इसके डिस्ट्रीब्यूशन को लेकर व्यापक बहस के बीच सामने आया है। जहां कुछ लोग भारत की प्रगति का जश्न मना रहे हैं। वहीं, अन्य असमानता और अन्य चुनौतियों की ओर ध्यान दिला रहे हैं। बीर भाटिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने भारतीय झुग्गियों और प्रदूषित नदियों की निराशाजनक तस्वीरें दिखाईं। सवाल पूछा- हमने जीडीपी में जापान को पीछे छोड़ दिया... लेकिन क्या आप इसे अपनी जेब में महसूस कर सकते हैं बिना डिस्ट्रीब्यूशन के विकास सिर्फ महंगाई का छलावा है।

बुरी तरह से लगाई लताड़

पई ने तुरंत जवाब दिया और भाटिया पर तीखा हमला किया। उन्होंने भाटिया के मूल वीडियो को सीधे कोट और रीपोस्ट करते हुए लिखा, यार सबीर तुम आर्थिक शरणार्थी हो, बहुत पहले ही भारत छोड़ चुके हो। भारत की तरक्की में तुम्हारी कोई भूमिका नहीं थी। इसलिए बकवास करना बंद करो और चुप रहो। हम भारत को आगे बढ़ाएंगे और अपना भविष्य बनाएंगे। हमें तुम्हारी जरूरत नहीं है। तुम जहरीले और नफरत फैलाने वाले हो। भाटिया 1990 के दशक में हॉटमेल की स्थापना के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए अपनी टिप्पणियों का बचाव किया।

अब विदेशी निवेशक भी मान रहे भारत का लोहा

डर खत्म हुआ तो शेयर मार्केट में लगा दिया ढेर सारा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी निवेशकों (को फिर से भारतीय बाजार से उम्मीदें दिखाई देने लगी हैं। वे एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार में पैसा लगा रहे हैं। मई के महीने में उन्होंने खूब खरीदारी की है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, मई के महीने में विदेशी निवेशकों ने 18,082 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। यह लगातार दूसरा महीना है जब एफएलएलएस ने भारतीय बाजार में खरीदारी की है। अप्रैल में भी विदेशी निवेशकों ने 4,243 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। इससे पहले, साल की शुरुआत में उन्होंने भारतीय बाजार से खूब पैसा निकाला था। लेकिन अब उनका रुख बदल गया है। यह बदलाव इस तिमाही में भारतीय बाजार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

तीन महीने लगातार बेचे शेयर– जनवरी से मार्च 2025 तक विदेशी निवेशक लगातार भारतीय बाजार में शेयर बेच रहे थे। जनवरी में तो उन्होंने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले थे। उस समय डॉलर बहुत मजबूत हो गया था और ब्याज दरें भी बढ़ रही थीं। इस वजह से एफएलएलएस चिंतित थे और उन्होंने

भारतीय बाजार से पैसा निकाल लिया। लेकिन अब हालात बदल गए हैं। दुनिया भर में महंगाई कम हो रही है और अमेरिका में ब्याज दरें भी स्थिर हो गई हैं। इसलिए विदेशी निवेशकों का डर कम हो गया है और वे फिर से भारतीय बाजार में पैसा लगा रहे हैं।

यों माना भारत का लोहा– जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट डॉ. वीके विजयकुमार का कहना है कि कुछ ग्लोबल कारण हैं जिनकी वजह से विदेशी निवेशक भारत में पैसा लगा रहे हैं। उनके अनुसार डॉलर कमजोर हो रहा है, अमेरिका और चीन की अर्थव्यवस्थाएं धीमी हो रही हैं। वहीं भारत में जीडीपी बढ़ रही है, महंगाई कम हो रही है और ब्याज दरें भी घट रही हैं।

इन सब कारणों से विदेशी निवेशक मार्केट में पैसा लगा रहे हैं। विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार में फिर से पैसा लगाना एक अच्छा संकेत है। इससे पता चलता है कि उन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा है और वे भारत का लोहा मान रहे हैं।

ऐप्पल बेंगलुरु में खोलेगी स्टोर, एक साल का किराया 2.09 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। ऐप्पल भारत में अपने कारोबार को बढ़ा रहा है। खबर है कि ऐप्पल ने उत्तरी बेंगलुरु के फीनिक्स मॉल ऑफ एशिया में एक स्टोर किराए पर लिया है। यह स्टोर करीब 8,000 वर्ग फुट में फैला है। यह बेंगलुरु में ऐप्पल का पहला और भारत में तीसरा रिटेल स्टोर होगा। इससे पहले मुंबई और दिल्ली में ऐप्पल के बड़े स्टोर खुल चुके हैं। ऐप्पल के सीईओ टिम कुक ने पहले ही बता दिया था कि आईफोन बनाने वाली यह कंपनी भारत में अपने स्टोर की संख्या बढ़ाएगी।

रियल एस्टेट की जानकारी देने वाली कंपनी प्रॉपस्टैक के अनुसार, ऐप्पल ने 10 साल के लिए यह जगह किराए पर ली है। इसके लिए कंपनी हर साल 2.09 करोड़ रुपये किराया देगी। इतनी रकम में आप नोएडा में दो फ्लैट खरीद सकते हैं। एग्रीमेंट के अनुसार लीज 8 नवंबर 2024 से शुरू हो गई है। लेकिन, किराए का भुगतान 8 अगस्त 2025 से शुरू होगा। हर तीन साल में किराया और सिक्योरिटी डिपॉजिट 15 प्रतिशत बढ़ जाएगा। इस प्रॉपर्टी के मालिक स्पार्कल वन मॉल डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड हैं।

कमाई का हिस्सा भी देना होगा– किराए के साथ-साथ ऐप्पल को अपनी कमाई का कुछ हिस्सा भी देना होगा। पहले 36 महीनों के लिए यह हिस्सा 2 प्रतिशत होगा। उसके बाद यह 2.5 प्रतिशत हो जाएगा। लेकिन, कंपनी को रेवेन्यू शेयर के तौर पर इतना ही पैसा देना होगा जो सालाना किराए के दोगुने से ज्यादा न हो। ऐप्पल भारत में अपने रिटेल कारोबार को और मजबूत करना चाहती है। इसलिए, वह नए स्टोर खोल रही है। साथ ही, ऐप्पल की मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर कंपनी फॉक्सकॉन भी बेंगलुरु में एक नई फैक्ट्री लगाने की तैयारी कर रही है।

ऐप्पल इंडिया ने 4.33 करोड़ रुपये का डिपॉजिट भी दिया है। इस डील में दो लॉक-इन पीरियड भी हैं। पहला 31 दिसंबर 2027 तक और दूसरा 31 दिसंबर 2028 तक है। लॉक-इन पीरियड का मतलब है कि इस दौरान कंपनी लीज को खत्म नहीं कर सकती है।

एफपीआई का घरेलू बाजार पर भरोसा कायम, मई में किया 19860 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा बरकरार है। अनुकूल आर्थिक संकेतकों तथा मजबूत डोमेस्टिक फंडामेंटल के चलते एफपीआई ने

मई में भारतीय शेयरों में 19,860 करोड़ रुपये का निवेश किया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में एफपीआई ने शेयरों में 4,223 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। बता दें, मार्च में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 3,973 करोड़ रुपये, फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे।

क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट

जियोजीत इन्वेस्टमेंट के चीफ इंवेस्टमेंट स्ट्रैटजिस्ट वी के विजयकुमार ने कहा, आगे चलकर एफपीआई भारत में अपना निवेश जारी रखेंगे। हालांकि, उच्चस्तर पर वे बिकवाली कर सकते हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने मई में शेयरों में 19,860 करोड़ रुपये का नेट इंवेस्टमेंट किया है। इस इंवेस्टमेंट के बाद 2025 में शेयरों से एफपीआई की निकासी का आंकड़ा घटकर 92,491 करोड़ रुपये रह गया है। अप्रैल में भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई की गतिविधियों में तेजी देखी गई। अप्रैल के मध्य में शुरू हुई लिवाली का सिलसिला मई में भी जारी रहा, जो निवेशकों के नए भरोसे को दर्शाता है।

इस वजह से एफपीआई भारत की तरफ मुड़े– मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट के एसोसिएट डायरेक्टर – मैनेजर (रिसर्च) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि मई में एफपीआई प्रवाह के कई कारक रहे हैं। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी महंगाई दर में कमी और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों ने भारत जैसे उभरते बाजारों को और अधिक आर्थिक आकर्षक बना दिया है।

दबंगों ने रंगदारी नहीं देने पर जमीन कारोबारी को पीटा

पुलिस से शिकायत करने पर गांव पर बोला धावा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। रंगदारी नहीं देने और पुलिस से शिकायत करने पर सरायढेला थाना क्षेत्र के कोलाकुसमा लोहारडीह के रहने वाले साजन मिर्धा के साथ रंगदारों ने जमकर पिटाई कर दी।

इस घटना की पुलिस से शिकायत करने के बाद दबंगों ने लोहारडीह बस्ती पर भी धावा बोल दिया। बस्ती में तोड़फोड़ किया गया और जो रास्ते में आया उसे दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया।दबंगों ने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली गलौज भी किया। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। इधर साजन मिर्धा की हालत गंभीर है।

इस मामले में सरायढेला थाना पुलिस ने साजन मिर्धा के फर्द बयान के आधार पर उत्तम सिंह, बिट्टू सिंह, प्रकाश सिंह, निमाई सिंह समेत अन्य के खिलाफ प्राथमिकी किया है। साजन मिर्धा के अनुसार 29 मई को वे अमीन को पैसा देने के लिए जा रहे थे। तभी उत्तम सिंह, बिट्टू सिंह, प्रकाश सिंह, निमाई सिंह समेत अन्य ने सरायढेला के बालाजी पेट्रोल पंप के पास उन्हें रोक लिया और मारपीट शुरू कर दी।इस दौरान साजन मिर्धा से नगद 45 हजार रुपये और तीन लाख रुपये का सोने की चेन छिनतई कर ली। घटना के बाद घायल अवस्था में साजन को एसएनएमसीएच में भर्ती कराया गया।पुलिस ने साजन का बयान लिया और प्राथमिकी की। प्राथमिकी से नाराज आरोपितों ने शनिवार को साजन के गांव पर ही हमला बोल दिया। कार से पहुंचे दर्जन पर लोगों लाठी-डंडे से लैस थे। गांव में जो लोग मिले उनके साथ मारपीट की गई।इस हमला के कारण महिलाएं व बच्चे इधर उधर भागने लगे। भगदड़ की स्थिति उत्पनन्न हो गई थी। यहां तक की साजन के पिता के साथ भी मारपीट की गई।साजन मिर्धा ने बताया कि हमलावरों ने जमीन कारोबार करने के एवज में 20 हजार रुपये रंगदारी दने की मांग कर रहे थे।

शिक्षा विभाग का नया आदेश

रांची। द यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफारमेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडायस) प्लस में स्कूल अब आंकड़ों में फजीवाड़ा नहीं कर पाएंगे। कई विद्यालय अपने स्कूलों में अधिक बच्चों का नामांकन दिखाते हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने यूडायस प्लस में सभी बच्चों का आधार सत्यापन करने का निर्णय लेते हुए सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों एवं जिला शिक्षा अधीक्षकों को इसे लेकर निर्देश दिया है। साथ ही शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए आंकड़ों के अपडेट करने, उसके सत्यापन आदि को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया गया है। इसमें सभी प्रक्रियाओं की समय सीमा तय कर दी गई है। विभाग ने जिन बच्चों का आधार यूडायस प्लस में लिंक नहीं हो पाया है, उसे लिंक करने की जिम्मेदारी बीआरपी एवं सीआरपी को सौंपी है। साथ ही सभी बच्चों के आधार का सत्यापन का भी टास्क सौंपा है।

विभाग का जोर शैक्षणिक सूचकांकों में सुधार को लेकर आंकड़ों के अद्यतीकरण तथा सही आंकड़ा अपलोड करने पर है।

तीनपहाड़ गैंग का कारनामा

बच्चों को वेतन देकर करा रहा चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। शहर में तीनपहाड़ गैंग के सदस्य सक्रिय हैं। गैंग के सदस्य बच्चों को मासिक वेतन देकर मोबाइल फोन चोरी करा रहे हैं। इसे देखते हुए जिले के सभी थानेदारों को आदेश दिया गया है कि वे मोबाइल चोरी की घटनाओं को रोकें और तीनपहाड़ गैंग के सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल भेजें। मोरहाबादी मैदान में शनिवार को एक बच्चे को मोबाइल फोन चुराते रंगे हाथ पकड़कर लोगों ने पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले में मोरहाबादी टीओपी के प्रभारी प्रकाश उपाध्याय के बयान पर केस हुआ है।

प्रकाश ने बताया कि मोरहाबादी में सब्जी खरीद रहे एक व्यक्ति के पॉकेट से नाबालिग मोबाइल चुरा रहा था, लेकिन उस व्यक्ति की नजर उस पर पड़ गई।

पुलिस ने नाबालिग से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह साहिबगंज का रहने वाला है। जिले के तीनपहाड़ निवासी सैन कुमार महतो और धनु नोनिया ने उसे रांची लाया था। नाबालिग को एक होटल में दस हजार रुपये प्रतिमाह पर काम दिलाने का आश्वासन दिया था।

दोनों आरोपितों ने नाबालिग को आइटीआइ बस स्टैंड के पास किराये के एक मकान में रखे गए थे। उस मकान में पहले से एक और नाबालिग रह रहा था। इसके बाद नाबालिगों को हर माह पैसा देने की बात बोलकर और दोनों नाबालिगों को डरा-धमकाकर मोबाइल चुराने के काम में लगा दिया। एक मोबाइल चोरी करने पर अलग से नाबालिगों को पांच सौ रुपये दिया जाता था। दस से 15 मोबाइल जमा होने के बाद दोनों आरोपित मोबाइल लेकर चले जाते थे फिर उसे बेचकर वापस आ जाते थे और नाबालिगों से मोबाइल चोरी करवाने में लग जाते थे।

तपस्विनी एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले राउरकेला स्टेशन से गुजर रही ट्रेन नंबर 18451 हटिया-पूरी तपस्विनी एक्सप्रेस ट्रेन के एसी कोच पर अज्ञात लोगों द्वारा की गई पत्थरबाजी से यात्रियों में हड़कंप मच गया। यह घटना कलूंगा रेलवे स्टेशन के पास हुई, जब ट्रेन तेज गति से चल रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेन नंबर 18451 तपस्विनी एक्सप्रेस के थर्ड एसी के कोच नंबर बी 7 के सीट नंबर 57 के खिड़की के शीशे पर अचानक पत्थर आकर लगे, जिससे खिड़की का शीशा चकनाचूर हो गया। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई यात्री घायल नहीं हुआ, लेकिन सीट पर बैठे 62 वर्षीय एस रामना राव समेत अन्य यात्रियों को गहरी मानसिक चोट पहुंची।

रौशनी से जगमगाएगी छतरपुर नगर पंचायत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छतरपुर। सूबे के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की अनुशंसा पर छतरपुर नगर पंचायत जगमगाएगा। इसके तहत छतरपुर भव-फैक्ट्री से मुख्य बाजार होते रामगढ़ पेटोल पंप व छतरपुर थाना से जपला पथ में उषा पेट्रोल पंप से छतरपुर-सरईडीह पथ का लगभग 620 तिरंगा स्ट्रीट लाइट से लगभग 4.5 किमी. तक सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

बता दें कि वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से मुलाकात कर छतरपुर नगर पंचायत का सौंदर्यीकरण करने का आग्रह किया था।

इस दौरान नगर विकास मंत्री को जानकारी देते राधाकृष्ण किशोर ने बताया कि छतरपुर नगर पंचायत का सृजन लगभग पांच वर्ष पूर्व किया गया था। बावजूद इसके अभी तक छतरपुर शहर नगर पंचायत का पूर्ण रूप नहीं ले सका है।

शहरी क्षेत्र मे तिरंगा स्ट्रीट लाइट के अधिष्ठापन होने से रात में भी यातायात सुलभ होगा, मुख्य पथ की सुंदरता भी बढ़ेगी, साथ ही अपराध पर नियंत्रण में भी सहुलियत होगी।

वित्त मंत्री के पत्र के आलोक में कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, छतरपुर मो. फैजुल रहमान ने 3 करोड़ 71 लाख रुपए का विस्तृत प्रतिवेदन नगर विकास विभाग को प्रेषित किया था।

इसके आलोक विभागीय मंत्री के द्वारा स्वीकृत किए जाने के बाद नगर विकास सचिव सुनील कुमार ने प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है।

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष ने किया 4 जून को राज्यव्यापी बंद का आह्वान

तीन जून को मशाल जुलूस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने झारखंड में आदिवासी विरोधी हेमंत सरकार के खिलाफ तीन जून की शाम मशाल जुलूस और चार जून को गुमला बंद का आह्वान किया है।

गुमला के पालकोट रोड स्थित सरना पूजा स्थल में सिरमटोली सरना स्थल बचाओ मोर्चा सह आदिवासी अधिकार संघर्ष मोर्चा के बैनर तले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए तिर्की ने यह आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आदिवासी विरोधी सरकार के खिलाफ चार जून को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया गया है। जिसमें गुमला के लोगों से भी समर्थन की अपील की।

प्रेस वार्ता में केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की, जिला अध्यक्ष हंदू भगत, देवेंद्र लाल उरांव, निशा भगत, राजू उरांव, महेंद्र भगत, कलावती खड़िया, राम उरांव, विनोद मिंज, विनोद उरांव, प्रमोद एक्का ने संयुक्त बयान बाजी करते हुए कहा कि आदिवासी मुख्यमंत्री के कार्यकाल में सरना स्थल सुरक्षित नहीं है। विदेशी धर्म की रक्षा के लिए हेमंत सोरेन की सरकार पेसा कानून को लागू नहीं कर आदिवासी परंपरा का गला घोटने का काम कर रही है। शराब नीति लाकर गांव के आदिवासी युवाओं को बर्बाद करने की साजिश रची जा रही है।

टीएसी के सदस्य भी सरकार के संरक्षण में आदिवासी विरोधी हो गए हैं। धर्म कोड का कालम राज्य सरकार भी जोड़ सकती है। केंद्र के पोल फेंक कर लोगों को भ्रमित किया जा रहा है। ड्राई नशा, भ्रष्टाचार को रोकने में शासन प्रशासन विफल साबित हो रहा है।

धर्म संस्कृति पर चौतरफा हमला अब सरना आदिवासी बर्दाश्त नहीं करेगा। चार जून का झारखंड बंद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने का संकेत होगा।

जमशेदपुर में फिर गरजा बुलडोजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। जिला प्रशासन ने एक बार फिर सरकारी जमीन पर बनाए जा रहे अवैध इमारतों पर कार्रवाई शुरू कर दी है।

शनिवार को प्रशासनिक टीम जमशेदपुर के अंचल अधिकारी मनोज कुमार के नेतृत्व में एक टीम अनिल सूर पथ उलियान, कदमा बुलडोजर लेकर पहुंची।

सरकारी जमीन पर यह अवैध निर्माण सिद्धार्थ राव द्वारा किया जा रहा था। निर्माण चार मंजिला था। अवैध निर्माण को बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया गया।

इस संबंध में पूछने पर जानकारी देते हुए जमशेदपुर के अंचल अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि जिस सरकारी जमीन पर अवैध बिल्डिंग बनायी जा रही थी। वहां पर सरकारी बोर्ड लगा दिया गया है।

इसके साथ ही अनुमंडल अधिकारी को पूरा भवन को सील करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने बताया कि एसडीओ के आदेश के बाद जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति उक्त भवन को सील करने का काम करेगी।

अंचल अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि सरकारी जमीन पर बनाए गए अवैध निर्माण पर आगे भी लगातार कार्रवाई की जाएगी।

बरवाडीह कोयला परियोजना को पर्यावरण नियमों के उल्लंघन का नोटिस

कोलकाता में होगी अगली सुनवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की प्रधान पीठ ने झारखंड के हजारीबाग जिले में एनटीपीसी के पंकरी बरवाडीह कोयला परियोजना द्वारा वन भूमि के अवैध उपयोग और पर्यावरण नियमों के उल्लंघन के मामले की सुनवाई की।

इसको लेकर मंटू सोनी की ओर से एनजीटी को पत्र भेजा गया था। एनजीटी ने मामले में संज्ञान लेते हुए झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग, एनटीपीसी पंकरी बरवाडीह कोयला परियोजना, हजारीबाग के डीसी और झारखंड के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक को नोटिस जारी किया है।

दिल्ली की प्रधान पीठ ने मामला पूर्वी क्षेत्रीय पीठ (कोलकाता) से संबंधित होने के कारण इसे वहां स्थानांतरित कर दिया गया है। मामले में अगली सुनवाई 17 जुलाई 2025 को कोलकाता में होगी।

मंटू सोनी की ओर से लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि 1026.438 हेक्टेयर वन भूमि को कोयला खनन के लिए अवैध रूप से डायवर्ट किया गया है। एनटीपीसी को पर्यावरण मंजूरी में शर्त संख्या नौ के तहत कोयले के परिवहन के लिए कन्वेयर बेल्ट का उपयोग करना अनिवार्य था, ताकि वन्यजीवों, विशेषकर हाथियों के आवागमन में बाधा न हो।

आरोप है कि कंपनी कोयले का परिवहन सड़क मार्ग से कर रही है, जिससे वन्यजीवों और पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। इसके अलावा सड़क परिवहन से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है और वन्यजीवों द्वारा मानव बस्तियों व कृषि भूमि को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। आवेदक ने यह भी कहा कि अधिकारियों ने इन उल्लंघन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

विवि को जल्द मिल सकता है रजिस्ट्रार

रांची। राज्य के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों को इस माह रजिस्ट्रार मिल जाएंगे। झारखंड लोक सेवा आयोग ने इस पद के लिए 29 मई को साक्षात्कार ले लिया है।

अगले सप्ताह इस साक्षात्कार का परिणाम जारी हो सकता है। इसके बाद विश्वविद्यालयों में इस पद पर नियुक्ति हो जाएगी। जिन विश्वविद्यालयों में रजिस्ट्रार की नियुक्ति होनी है, उनमें रांची विश्वविद्यालय, कोल्हान विश्वविद्यालय, सिदो कान्हू विश्वविद्यालय, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय तथा जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय सम्मिलित हैं। शुरू में जारी विज्ञापन में कोल्हान विश्वविद्यालय के लिए पद नहीं था। इस विश्वविद्यालय में पद रिक्त होने तथा विश्वविद्यालय से अधियाचना प्राप्त होने के बाद एक पद और जोड़ा गया।सात विश्वविद्यालयों में रजिस्ट्रार की नियुक्ति होगी। आयोग ने साक्षात्कार के आयोजन से पहले कुल 24 अभ्यर्थियों की मेधा सूची जारी की थी। यह मेधा सूची अभ्यर्थियों के एकेडमिक अंकों तथा अनुभव के आधार पर तैयार की गई थी।

वंदे भारत ट्रेन में नौकरी दिलाने के नाम पर कई युवकों से ठगी

पुलिस कर रही पड़ताल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रांची सदर थाना में मोइन आलम ने अब्दुल रहमान के खिलाफ वंदे भारत ट्रेन में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने का केस दर्ज कराया है। मोइन आलम ने पुलिस को बताया कि वह रातू इलाके में रहता है और ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहा है।

धुर्वा निवासी मोइन के फुफेरे भाई ने उसे बताया कि बड़गाईं में रहने वाला आरोपित अब्दुल रहमान वंदे भारत में नौकरी लगाता है। आरोपित 20 से 25 हजार रुपये वर्दी और आइकार्ड बनाने के लिए लेता है और 20 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिलाने का वादा करता है। मोइन इसके लिए तैयार हो गया।

मोइन अपने भाई के साथ हटिया स्थित डीआरएम आफिस के बाहर मिलने गया, जहां आरोपित पहले से बैठा हुआ था। आरोपित ने मोइन से कहा कि वह वंदे भारत ट्रेन में प्राइवेट कांट्रेक्ट पर सुपरवाइजर की नौकरी दिला देगा। यह कांट्रेक्ट छह वर्ष का होगा। आरोपित ने मोइन से पैसा हसरत प्रवीण के खाते में डलवाया।

पैसा लेने के बाद आरोपित ने जिंदल प्राइवेट लिमिटेड पूर्व रेलवे रांची के नाम से एक आइ कार्ड दिखाया और मोइन से फोटो लेकर कहा कि वह कांट्रेक्टर से हस्ताक्षर कराकर दो से तीन दिन में आइकार्ड दे देगा। इसके बाद आरोपित ने मोइन का फोन उठाना बंद कर दिया।

मोइन आरोपित को खोजते हुए हटिया स्टेशन पहुंचा, जहां उसे लगा कि उसके साथ ठगी हुई है। मोइन को हटिया स्टेशन पर 15 से 20 अन्य लोग भी मिले, जो आरोपित अब्दुल रहमान को खोज रहे थे। सभी युवकों को आरोपित ने ज्वाइनिंग लेटर देने के लिए बुलाया था, लेकिन वह नहीं आया।

मोइन ने बताया कि मौके पर पूछताछ करने पर पता चला कि एजाज हसन से 25 हजार, अमीर सोहेल से 25 हजार, फैयाज अंसारी से 20 हजार, हसीबुल्ल अंसारी से 50 हजार, एयाज आलम से 45 हजार, साहिल राजा से 13 हजार, समी अंसारी से 25 हजार, इलताब अंसारी से 15 हजार, गुफरान अंसारी से 25 हजार, सोहेल अंसारी से 25 हजार, गडविन खलखो से 10 हजार और फुफेरे भाई से 20 हजार रुपये आरोपित ने लिए हैं। इसके अलावा अन्य कई लोग भी हैं जिन्होंने पैसा दिया है।

मोइन ने पुलिस को बताया कि आरोपित अब्दुल की तलाश में जब वह सदर थाना क्षेत्र स्थित बड़गाईं पहुंचा, तो पता चला कि जिस खाते में लोगों द्वारा पैसा दिया जाता है, वह आरोपित की दूसरी पत्नी का खाता है।

आरोपित अपनी दूसरी पत्नी को भी झांसा में रखकर पैसा मंगवाता था। आरोपित अपने ससुराल में नहीं था और उसे कई जगहों पर खोजा गया, लेकिन वह नहीं मिला।

नशेड़ी पति ने की पीट-पीटकर की हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। रेल क्षेत्र के लोको कॉलोनी में दिल दहला देने वाली एक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। लोको कॉलोनी में झोपड़ी में रहने वाले शंकर सोय ने महज इस बात पर कि उसकी पत्नी सुकुरमुनी सोय ने खाना बनाने से इनकार कर दिया, तब उसने डंडे से पीट-पीटकर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया।

घटना शनिवार की देर रात की बताई जा रही है। जब शंकर शराब के नशे में धुत होकर घर लौटा। उसने अपनी पत्नी से खाना बनाने की जिद की। नशे में अपने पति की बुरी हालत देख पत्नी ने खाना बनाने से मना कर दिया।इसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई। गुस्से में बेकाबू हुए शंकर ने घर में ही डंडा उठाकर पत्नी पर ताबड़तोड़ वार कर दिए।

डंडे की मार की तीव्रता इतनी थी कि पत्नी मौके पर ही बुरी तरह घायल होकर गिर पड़ी। रातभर किसी ने इलाज की सुध नहीं ली और सुबह तक उसकी मौत हो चुकी थी।

सुबह जब पड़ोसियों को घटना की जानकारी मिली तो इलाके में हड़कंप मच गया। आरोपी शंकर ने खुद स्वीकार किया कि उसने पत्नी को डंडे से पीट-पीटकर मार डाला। उसका कहना है कि यह सब गुस्से और शराब के नशे में हुआ। इस हृदय विदारक घटना के बाद चक्रधरपुर पुलिस ने शंकर को गिरफ्तार कर थाने ले गई है।मृतका के दो छोटे-छोटे बच्चे अब बेसहारा हो गए हैं। उनका भविष्य अधर में लटक गया है, क्योंकि अब न मां रही और न ही पिता उनके साथ रह सकेगा।लोगों ने बताया कि पति शंकर और पत्नी सुकुरमुनी कुली मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे, लेकिन शराब की लत ने सब कुछ तबाह कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बिहार चुनाव को लेकर झारखण्ड में राजनीतिक गतिविधियां तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर तेज हुई राजनीतिक गतिविधियों के बीच झारखंड में विभिन्न राजनीतिक दलों में मौजूद प्रभावी नेताओं की भूमिका बढ़ने वाली है।

इस सिलसिले में राष्ट्रीय दलों की खास तैयारी है। भाजपा से लेकर कांग्रेस ने अंदरूनी तौर पर इसे आरंभ भी कर दिया है। झारखंड के प्रमुख भाजपा नेताओं को बिहार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं।

सूत्रों के मुताबिक, भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर झारखंड के नेताओं और कार्यकताओं की सूची तैयार की जा रही है, जो बिहार में बूथ प्रबंधन, मीडिया प्रचार और बड़े नेताओं के चुनावी दौरे की जिम्मेदारी संभालेंगे।

हाल ही में झारखंड से पार्टी के राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा सहित कई नेता पटना के दौरे पर गए, जहां उन्होंने बिहार भाजपा के नेताओं के साथ रणनीतिक चर्चा की। झारखंड से सटे बिहार के जिलों में स्थानीय नेताओं को विशेष जिम्मेदारी दी गई है ताकि जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को साधा जा सके।बिहार से सटे आदिवासी बहुल इलाकों में खासतौर पर स्थानीय राजनीतिक समीकरण को देखते हुए प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, चम्पाई सोरेन आदि प्रचार युद्ध के मोर्चे पर लगाए जा सकते हैं। इसके अलावा बूथ प्रबंधन समेत अन्य कार्यों में पूर्व में वहां काम का अनुभव रखने वाले नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। भाजपा के पास ऐसे नेताओं-कार्यकताओं की लंबी सूची है, जो चुनाव के मौके पर अन्य प्रांतों में जाकर कार्य करने में माहिर हैं।

कांग्रेस भी बिहार चुनाव में झारखंडी नेताओं के प्रभाव को भुनाने की कोशिश में है। पार्टी ने अपने कद्दावर नेताओं, खासकर मुस्लिम और आदिवासी चेहरों समेत सामान्य वर्ग के प्रभावी चेहरों को बिहार के उन क्षेत्रों में उतारने का फैसला किया है, जहां उनकी सामाजिक स्वीकार्यता मजबूत है।

हाल ही में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कोलकाता में राजद नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात की।

भले ही यह मुलाकात तेजस्वी के पुत्र जन्म की बधाई देने के लिए बताई गई, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे बिहार चुनाव के लिए रणनीतिक तालमेल के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं को बिहार में प्रचार और संगठनात्मक कार्यों में अहम भूमिका दी जाएगी।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बिहार चुनाव में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने का इरादा जताया है। पार्टी ने राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के साथ तालमेल की कोशिश की है और 12 सीटों पर दावा ठोका है।

झामुमो का मानना है कि बिहार के आदिवासी बहुल और सीमावर्ती इलाकों में उसका जनाधार मजबूत है। झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मंत्रिमंडल में राजद कोटे का एक मंत्री भी है।

पिछले विधानसभा चुनाव में राजद ने यहां अपनी ताकत में बढ़ोतरी की है। हालांकि, तालमेल को लेकर आरंभ में खींचतान हुई, लेकिन अंततः बात बन गई।झामुमो को उम्मीद है कि बिहार में भी तालमेल हो जाएगा। वैसे गठबंधन धरातल पर नहीं हुआ तो झामुमो के पास विकल्प है।

बसों में छापेमारी में 32 क्विंटल नकली पनीर जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। गुप्त सूचना के आधार पर सदर एसडीएम बैजनाथ कामती ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पटना से रांची जा रही दो यात्री बसों भदानी और तिवारी में छापेमारी कर 32 क्विंटल नकली पनीर जब्त किया।

कार्रवाई राष्ट्रीय राजमार्ग-33 स्थित नगवां टोल प्लाजा के समीप की गई। दोनों बसों से कुल 80 कैरेट (प्रत्येक में लगभग 38 किलो) और 10 टीन (प्रत्येक में 20 किलो) नकली पनीर बरामद किया गया, जिसका कुल वजन करीब 32 क्विंटल है।

पूछताछ में बस चालकों और कंडक्टरों ने बताया कि यह पनीर पटना के मनेर और बख्तियारपुर से लोड किया गया था और इसे रांची व हजारीबाग में वितरित किया जाना था। बस ड्राइवरों ने बताया कि लगभग हर दूसरे दिन इस तरह की पनीर की खेप बसों के माध्यम से भेजी जाती है। रांची बस स्टैंड पर व्यक्ति आकर माल ले जाता है। मौके पर पहुंचे खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डॉ. जेपी गुग्गी ने पनीर की जांच आयोडिन टेस्ट से की। पनीर के टुकड़ों पर आयोडिन डालते ही वह काला हो गया, जिससे स्पष्ट हो गया कि यह पनीर नकली है। बरामद नकली पनीर का पंचनामा बनाकर नगर निगम के वाहन से कचरा डंप यार्ड भेजा गया, जहां इसे नष्ट कर दिया गया।

पनीर के पैकेटों पर रोहित सिंह, बाबा, मो. वसीम, काजी चौक आदि नाम मिले हैं। बरामद पनीर का बाजार मूल्य लगभग 10 लाख रुपये आंका गया है। प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही थी।

बताया जाता था कि इस पनीर को बनाने में 30 से 40 रुपये की प्रति किलो की लागत आती है। लेकिन, इसे 200 से 250 रुपये में बचा जा रहा है। एसडीएम बैजनाथ कामती ने बताया कि भदानी और तिवारी बस के मालिक और चालकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया है। यात्रियों की मौजूदगी के कारण उनके नाम-पते और तस्वीरें लेने के बाद वाहन को छोड़ा गया।

यूईएफए चैंपियंस लीग:

पीएसजी के पहली बार चैंपियंस लीग का खिताब जीतने पर फैंस ने मचाया उत्पात

पेरिस, एजेंसी। पीएसजी की जीत के बाद पेरिस में फैंस ने आपा खो दिया। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, फैंस ने जमकर बवाल किया। सड़कों पर आतिशबाजी की और गाड़ियों में आग लगाई। पुलिस फिलहाल शांति प्रयास में जुटी हुई है।फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीत लिया है। शनिवार देर रात खेले गए मुकाबले में पीएसजी ने इटैलियन क्लब इंटर मिलान को 5-0 से रौंद दिया। यह पीएसजी का पहला चैंपियंस लीग खिताब है और इसके बाद पेरिस में जश्न मनाने के लिए लोग सड़कों पर आ गए। पेरिस में जश्न मनाने को लेकर खूब बवाल हुआ और पुलिस को मामले को शांत कराना पड़ा। इसके कई वीडियोज भी सामने आए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फैंस ने पुलिस पर हमला भी किया। गाड़ियों में भी आग लगाई और जमकर बवाल काटा। जर्मनी के म्यूनिख के एलियांज अरेना में खेले गए फाइनल में पीएसजी ने एकतरफा अंदाज में मैच जीता। टीम ने 12वें मिनट में अशरफ हकीमी के गोल से बढ़त बना ली थी। इसके बाद डेआईरी डूआय ने 20वें मिनट में गोल दाग पीएसजी को 2-0 से बढ़त दिला दी। हाफ टाइम तक पीएसजी 2-0 से आगे थी। इसके बाद 63वें मिनट में डेआईरी ने मैच में अपना दूसरा और पीएसजी का तीसरा गोल दागा। फिर ख्विचा क्वारातखेलिया ने 73वें मिनट और सेनी मयूलू ने 86वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को 5-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद इंटर मिलान के लिए वापसी करना नामुमकिन था। इस तरह पीएसजी ने अपना पहला चैंपियंस लीग खिताब जीता।

नार्वे चेस:

गुकेश का उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी, वेई से हारे, एरिगैसी ने नाकामुरा को हराया

स्टावेंजर (नॉर्वे), एजेंसी। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिका के विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा को हराकर अपना चौथा स्थान बरकरार रखा। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश का नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी रहा और यह भारतीय खिलाड़ी चीन के वेई यी से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हारकर संयुक्त पांचवें स्थान पर खिसक गया। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिका के विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा को हराकर अपना चौथा स्थान बरकरार रखा। गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने शनिवार को भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए फैबियानो कारूआना के खिलाफ आर्मागेडन टाई-ब्रेक में जीत हासिल कर अपने अंकों की संख्या 9.5 पर पहुंचा दी। महिला वर्ग में, दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी ने चीन की लेई टिंगजी के खिलाफ टाई-ब्रेक जीत के बाद 8.5 अंकों के साथ बढ़त हासिल की, जबकि आर वैशाली ने स्पेन की खिलाड़ी सारा खादेम के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की, जिससे उन्हें तीन अंक मिले और वह 6.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

हॉकी:

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को मिली जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के लिए उप-कप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने मैच के निर्धारित समय में गोल किये जबकि जबकि गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर टीम की जीत सुनिश्चित की।

भारत ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों की जूनियर महिला हॉकी टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में उरुग्वे पर शूटआउट में 3-1 से जीत दर्ज की। इससे पहले निर्धारित समय में यह मुकाबला 2-2 की बराबरी पर छूटा था। भारत के लिए उप-कप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने मैच के निर्धारित समय में गोल किये जबकि जबकि गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत ने मैच की आक्रामक शुरुआत के साथ दबदबा कायम किया।

हिना ने 10वें मिनट में खाता खोला जबकि लालरिनपुई के गोल से मध्यांतर तक भारत ने 2-0 की बढ़त बना ली। उरुग्वे ने हालांकि आखिरी क्वार्टर में शानदार वापसी की। टीम ने तीन मिनट के अंदर दो गोल कर स्कोर बराबर कर लिया। इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट जबकि मिलाग्रोस सेगल ने 57वें मिनट गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। शूटआउट में भारत ने अपना संयम बनाए रखा और गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे को केवल एक ही गोल करने का मौका मिला।

एबी डिविलियर्स को उम्मीद

आरसीबी जीतेगी अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल-2025 में गुरुवार को क्वालीफायर-1 खेला गया, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 8 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इसी के साथ आरसीबी 9 साल बाद आईपीएल के फाइनल में पहुंची है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने अपनी पूर्व आईपीएल फ्रेंचाइजी को इस साल अपना पहला खिताब जीतने के लिए सपोर्ट किया है।

इस साल आरसीबी शानदार फॉर्म में है। फ्रेंचाइजी ने इस सीजन अब तक सिर्फ चार मैच गंवाए हैं। उन्होंने लीग स्टेज का समापन 19 प्वाइंट्स के साथ किया। टीम प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर रही। विराट कोहली और फिल साल्ट क्रमशः 614 और 387 रनों के साथ फ्रेंचाइजी के लिए रन बनाने में सबसे आगे हैं। इस जोड़ी को कप्तान रजत पाटीदार, जितेश शर्मा और क्रुणाल पांड्या सहित मिडल ऑर्डर के बल्लेबाजों का सपोर्ट मिला है। गेंदबाजी के मोर्चे पर जोश हेजलवुड 11 मैचों में 21 विकेट लेकर टीम के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जबकि क्रुणाल पांड्या (15 विकेट), भुवनेश्वर कुमार (15 विकेट) और यश दयाल (12 विकेट) भी टीम को संतुलित बनाने में योगदान दे रहे हैं। डिविलियर्स ने मुंबई में पत्रकारों से कहा मैं बहुत खुश हूं कि आरसीबी फाइनल में है। हमने कल रात एमआई को जीतते हुए देखा। इसलिए यह पंजाब और एमआई के बीच एक बहुत अच्छा क्वालीफायर, नॉकआउट मैच भी होगा। उस मैच का बेसब्री से इंतजार है, और जो भी इसे जीतेगा वह फाइनल में आरसीबी से खेलेगा।

इसलिए मैं फाइनल का बहुत बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और उम्मीद है कि यह साल आरसीबी के लिए शानदार रहेगा। दिग्गज बल्लेबाज ने पंजाब किंग्स को आरसीबी के खिलाफ फाइनल खेलने का समर्थन किया, लेकिन शुक्रवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुंबई इंडियंस के दबदबे को देखने के बाद वे संशय में हैं।

उन्होंने कहा, मैंने काफी समय पहले, लगभग एक महीने पहले कहा था कि पंजाब और आरसीबी फाइनल में होंगे। एमआई अभी बहुत मजबूत दिख रही है, इसलिए ऐसा लगता है कि मेरे कहने के विपरीत हालात हैं, लेकिन यह अभी भी क्रिकेट है। आप कभी नहीं जानते। यह एक नॉकआउट मैच है। अपने विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए एक या दो बेहतरीन प्रदर्शन की जरूरत होती है।

इसलिए मुझे लगता है कि पंजाब की टीम फाइनल में होगी, लेकिन कल रात का खेल देखने के बाद मेरे मन में थोड़ा संदेह है। पंजाब किंग्स अब रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्वालीफायर 2 मुकाबले में मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम इसी मैदान पर 3 जून को आरसीबी के खिलाफ फाइनल खेलेगी।

बीसीसीआई को मिलेगा नया अध्यक्ष?

रोजर बिन्नी को रिप्लेस करने की रेस में ये दिग्गज सबसे आगे

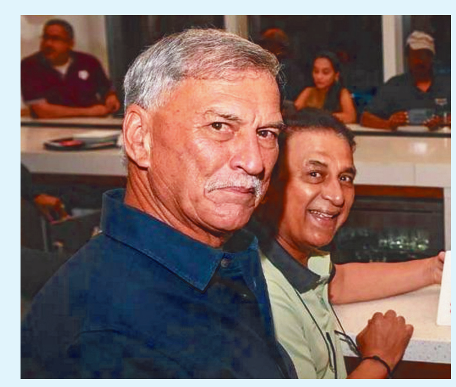

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में जल्द ही एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है. मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी 19 जुलाई 2025 को 70 साल के हो जाएंगे, जिसके बाद बीसीसीआई के नियमों के अनुसार उन्हें अपने पद से हटना होगा. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नियम के तहत बीसीसीआई के सभी पदाधिकारियों को 70 साल की उम्र के बाद अपने पद छोड़ने होते हैं. ऐसे में रोजर बिन्नी को रिप्लेस करने की रेस में एक दिग्गज सबसे आगे हैं. ये दिग्गज अंतरिम अध्यक्ष के रूप में जुलाई में ही यह जिम्मेदारी संभाल सकता है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी को रिप्लेस कर सकते हैं. अंतरिम अध्यक्ष के रूप में जुलाई में ही यह जिम्मेदारी संभाल सकते हैं. राजीव शुक्ला लंबे समय से भारतीय क्रिकेट प्रशासन से जुड़े रहे हैं. वह पहले आईपीएल के चेयरमैन रह चुके हैं और बीसीसीआई में कई अहम भूमिकाएं निभा चुके हैं.

एक अनुभवी राजनेता और पूर्व पत्रकार होने के नाते, शुक्ला का क्रिकेट जगत में काफी अनुभव है. क्रिकब्लॉगर ने बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी का हवाला देते हुए दावा किया है कि राजीव शुक्ला जुलाई में ही रोजर बिन्नी की जगह ले सकते हैं और बोर्ड के अधिकारी पहले से ही उनके नाम पर चर्चा कर रहे हैं.

साल 2022 में बने थे बीसीसीआई अध्यक्ष

बता दें, रोजर बिन्नी ने 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष का पद संभाला था. उन्होंने सौरव गांगुली को रिप्लेस किया था. वह 1983 में भारत की पहली वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी थे. उस टूर्नामेंट में उन्होंने सबसे ज्यादा 18 विकेट लिए थे, जिसने भारत को ऐतिहासिक खिताब दिलाने में मदद की. बिन्नी ने अपने कार्यकाल के दौरान कई अहम फैसले लिए, जिसमें भारतीय क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर मजबूत करना और प्रशासनिक सुधार शामिल हैं. हालांकि, उम्र सीमा के नियम के कारण अब उन्हें यह पद छोड़ना होगा. जिसके चलते राजीव शुक्ला को नया अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना है.

जोकोविच लगातार 16वीं बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

● **वर्ल्ड नंबर-1 सिनर भी जीते, ज्वेरेव ने फ्लावियो को सीधे सेटों में हराया**

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन के मेंस सिंगल्स चौथे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं, जर्मनी के टेनिस स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी चौथे दौर में जगह बना ली है।

जोकोविच ने शनिवार को खेले गए तीसरे दौर में ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी फिलिप मिजोलिक को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-2 से हराया। सर्बिया के जोकोविच लगातार 16वीं बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में पहुंचे हैं। अब, 38 साल के जोकोविच का लक्ष्य अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब को जीतकर इतिहास रचना है। उनका अगला मुकाबला ब्रिटिश खिलाड़ी कैमरन नॉरी से होगा। सिनर की किसी ग्रैंड स्लैम में लगातार 17वीं जीत सिनर ने तीसरे दौर में चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका को 1 घंटे 45 मिनट में 6-0, 6-1, 6-2 से हराया। सिनर की यह किसी भी ग्रैंड स्लैम में लगातार 17वीं जीत है।

यह टूर्नामेंट सिनर के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उनकी तीन महीने की डोपिंग प्रतिबंध के बाद दूसरी प्रतियोगिता है। इससे पहले, उन्होंने इटालियन ओपन के फाइनल में पहुंचकर वापसी की थी। ज्वेरेव लगातार 8वीं बार अंतिम-16 में जर्मनी के टेनिस स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने चौथे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने इटली के फ्लावियो कोबोली को सीधे सेटों में 6-2, 7-6, 6-1 से हराया। यह लगातार आठवां साल है जब ज्वेरेव फ्रेंच ओपन के अंतिम-16 में पहुंचे हैं । अब ज्वेरेव का सामना चौथे दौर में डच खिलाड़ी टैलोन ग्रीक्सपूर से होगा। पिछले साल के फाइनलिस्ट ज्वेरेव का लक्ष्य इस बार अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतना है।

शुभमन गिल के समर्थन में शिखर धवन, कहा- टेस्ट कप्तानी के लिए बिल्कुल सही विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए शुभमन गिल को टेस्ट कप्तान बनाया गया है। कुछ लोगों ने इस फैसले पर आपत्ति जताई है तो कुछ ने गिल का समर्थन किया है। गिल के समर्थकों में एक नाम पूर्व ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन उर्फ गब्बर का भी जुड़ गया है। धवन मानते हैं कि गिल टेस्ट कप्तान के रूप में बुलकुल सही विकल्प हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद यह फैसला लिया गया है।

धवन ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बढ़िया विकल्प है। शुभमन ने हाल ही में आईपीएल में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह एक बेहतरीन प्रतिभा है और परिपक्व हो गया है। वह कई वर्षों से भारतीय टीम के लिए खेल रहा है। मुझे लगता है कि वह टेस्ट कप्तानी संभालने के लिए एकदम सही उम्मीदवार है, और मुझे यकीन है कि वह इसे अच्छी तरह से संभालेगा और टीम का नेतृत्व करेगा।

यह अब नई पीढ़ी है - जेन जेड - और मुझे विश्वास है कि वह शानदार काम करेगा। मेरी शुभकामनाएं। इसके अलावा धवन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) जीतने के लिए मुंबई इंडियंस (एमआई) का भी समर्थन करते हुए उन्हें एक संतुलित टीम कहा। उन्होंने कहा, इस बार आईपीएल बहुत रोमांचक रहा है। फाइनल के लिए मेरा समर्थन मुंबई इंडियंस के साथ होगा।

मुंबई इंडियंस की टीम वास्तव में अच्छा खेल रही है - वे बहुत संतुलित हैं। जिस तरह से उन्होंने गति प्राप्त की है वह शानदार है और वे एक बहुत मजबूत और संतुलित टीम हैं। इसलिए, मैं मुंबई इंडियंस के साथ हूं।

शादी, धोखा, फिर शुरू हुई नई लव स्टोरी...

भारतीय खिलाड़ी की उतार-चढ़ाव भरी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी दिनेश कार्तिक 1 जून 2025 को अपना 40वां जन्मदिन मनाया. फिलहाल वह आईपीएल में आरसीबी के मेंटॉर के रूप में काम कर रहे और उन्होंने टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है. दिनेश कार्तिक का क्रिकेट करियर काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहा. वहीं, उनकी पर्सनल लाइफ में भी काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले. जिससे उभर पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है.

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी दिनेश कार्तिक 1 जून 2025 को अपना 40वां जन्मदिन मना रहे हैं. फिलहाल वह आईपीएल में आरसीबी के मेंटॉर के रूप में काम कर रहे और उन्होंने टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है. दिनेश कार्तिक का क्रिकेट करियर काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहा. वहीं, उनकी पर्सनल लाइफ में भी काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले. जिससे उभर पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है. दिनेश कार्तिक सिर्फ 21 साल के थे, जब उन्होंने शादी कर ली थी. उन्होंने अपनी बचपन की दोस्त निकिता वंजारा को जीवन साथी बनाया था. दोनों के परिवार एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते थे, और उनके पिता अच्छे दोस्त थे. उस समय कार्तिक अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत कर रहे थे और भारतीय टीम में अपनी जगह बनाने की कोशिश में थे. शादी के शुरुआती साल ठीक रहे, लेकिन 2012 में दिनेश कार्तिक की जिंदगी में एक ऐसा तूफान आया, जिसने सब कुछ बदल दिया. दिनेश कार्तिक सिर्फ 21 साल के थे, जब उन्होंने शादी कर ली थी. उन्होंने अपनी बचपन की दोस्त निकिता वंजारा को जीवन साथी बनाया था. दोनों के परिवार एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते थे, और उनके पिता अच्छे दोस्त थे.

उस समय कार्तिक अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत कर रहे थे और भारतीय टीम में अपनी जगह बनाने की कोशिश में थे. शादी के शुरुआती साल ठीक रहे, लेकिन 2012 में दिनेश कार्तिक की जिंदगी में एक ऐसा तूफान आया, जिसने सब कुछ बदल दिया. उस समय कार्तिक तमिलनाडु की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक के खिलाफ एक अहम मैच खेल रहे थे। इसी दौरान उन्हें पता चला कि उनकी पत्नी निकिता का उनके करीबी दोस्त और

टीम के साथी मुरली विजय के साथ अफेयर चल रहा है. मुरली विजय न केवल उनके दोस्त थे, बल्कि तमिलनाडु टीम में उनके साथी भी थे. जिसके बाद कार्तिक ने तलाक लेने का फैसला किया.

2012 में दोनों का तलाक हो गया, और निकिता ने उसी साल मुरली विजय से शादी कर ली. उस समय कार्तिक तमिलनाडु की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक के खिलाफ एक अहम मैच खेल रहे थे। इसी दौरान उन्हें पता चला कि उनकी पत्नी निकिता का उनके करीबी दोस्त और टीम के साथी मुरली विजय के साथ अफेयर चल रहा है. मुरली विजय न केवल उनके दोस्त थे, बल्कि तमिलनाडु टीम में उनके साथी भी थे. जिसके बाद कार्तिक ने तलाक लेने का फैसला किया.

2012 में दोनों का तलाक हो गया, और निकिता ने उसी साल मुरली विजय से शादी कर ली. दिनेश कार्तिक की जिंदगी में एक नया मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी दीपिका पल्लीकल से हुई. दोनों की मुलाकात 2013 में एक फिटनेस कोच बासु शंकर के जरिए हुई, जो दोनों को ट्रेनिंग दे रहे थे. शुरुआत में दीपिका क्रिकेटरों से दूरी बनाकर रखती थीं. लेकिन धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी, और दीपिका ने कार्तिक को इस मुश्किल दौर से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई. दिनेश कार्तिक की जिंदगी में एक नया मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी दीपिका पल्लीकल से हुई. दोनों की मुलाकात 2013 में एक फिटनेस कोच बासु शंकर के जरिए हुई, जो दोनों को ट्रेनिंग दे रहे थे. शुरुआत में दीपिका क्रिकेटरों से दूरी बनाकर रखती थीं. लेकिन धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी, और दीपिका ने कार्तिक को इस मुश्किल दौर से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई. इस बाद कार्तिक और दीपिका ने 2013 में सगाई की और 2015 में शादी कर ली. इन दोनों ने 18 अगस्त को ईसाई रीति से और 20 अगस्त को हिंदू परंपरा के अनुसार शादी रचाई. वहीं, 2021 में इस जोड़े को जुड़वां बेटों, जियान और कबीर, का आशीर्वाद मिला. दीपिका के समर्थन ने कार्तिक को न केवल निजी जिंदगी में स्थिरता दी, बल्कि उनके क्रिकेट करियर को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया. इस बाद कार्तिक और दीपिका ने 2013 में सगाई की और 2015 में शादी कर ली.

इन दोनों ने 18 अगस्त को ईसाई रीति से और 20 अगस्त को हिंदू परंपरा के अनुसार शादी रचाई. वहीं, 2021 में इस जोड़े को जुड़वां बेटों, जियान और कबीर, का आशीर्वाद मिला. दीपिका के समर्थन ने कार्तिक को न केवल निजी जिंदगी में स्थिरता दी, बल्कि उनके क्रिकेट करियर को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया

संक्षिप्त समाचार

प्रदूषण फैलाने वालों की खैर नहीं, कैमरे की नजर में आते ही कट जाएगा चालान

नईदिल्ली, एजेंसी। स्मार्ट सिटी में प्रदूषण छोड़ने वाले वाहनों की निगरानी अब सीसीटीवी कैमरे से भी की जाएगी। कैमरे में कैद यातायात नियमों को तोड़न वाले वाहनों के कागजात की जांच में अगर प्रदूषण और बीमा सर्टिफिकेट नहीं पाए गए तो उसका चालान किया जाएगा। स्मार्ट सिटी को औद्योगिक नगरी के रूप में भी जाना जाता है। शहर स्थित करीब 25 हजार छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयों में आठ लाख से अधिक कामगार कार्यरत हैं। इसके अलावा शहर में पांच सौ से अधिक सरकारी गैर-सरकारी कार्यालय हैं। वहां भी एक लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं। इनमें से अधिकांश अपने वाहनों से गंतव्य की ओर आवागमन करते हैं। ऐसे में देखा जाता है कि अधिकांश वाहन सड़क पर धुंआ छोड़ता दौड़ता है। इसके अलावा कई ऐसे होते हैं, जिनके पास प्रदूषण सर्टिफिकेट नहीं होता। बावजूद वह पुलिस की नजर से बच निकलने में कामयाब होते हैं। इससे शहर के वातावरण पर प्रभाव पड़ता रहा है। आलम यह रहता है कि शहर में रोजाना वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) समान्य से दोगुना अधिक यानी 150 से अधिक रहता है। जानकारों की मानें तो शहर में प्रदूषण बढ़ रहे प्रदूषण का एक कारण वाहनों से निकलने वाला धुंआ भी है। अधिकारियों का दावा है कि इससे प्रदूषण की रोकथाम में मदद मिलेगी। सूत्रों की मानें तो प्रदूषण छोड़ने वाले वाहनों की पहचान और कार्रवाई के लिए परिवहन विभाग के साथ यातायात पुलिस स्मार्ट डिजिटल एनफोर्समेंट सिस्टम शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसमें शहर में जगह-जगह लगे सीसीटीवी कैमरे को अपग्रेड किया जाएगा। उसमें एआई सिस्टम को लगाया जाएगा। ऐसे में बिना प्रदूषण और बीमा सर्टिफिकेट के वाहनों की पहचान आसानी से अपग्रेडेड सीसीटीवी कैमरा कर लेगी। जानकारी के अनुसार स्मार्ट सिटी में मौजूदा समय में करीब 1200 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। इन सीसीटीवी कैमरों को कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा गया है। सेंटर में कार्यरत कर्मचारी 24 घंटे शहर की सड़कों पर वाहनों की निगरानी करते हैं। ऐसे में यातायात नियमों को तोड़ने वाले वाहनों का सीसीटीवी कैमरे की मदद से फुटेज निकाली जाती है। फिर उसका चालान किया जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि अगर कोई बिना हेममेट बाइक चलाता हुआ कैमरे में कैद हुआ तो रीयल-टाइम में वाहन की रजिस्ट्रेशन डिटेल्स के जरिए पीयूसी डिजिटली जांच की जाएगी। प्रदूषण सर्टिफिकेट नहीं होने पर चालान घर भेजा जाएगा।

अनुपम खेर ने बिना नाम लिए केजरीवाल को इशारों-इशारों में किया याद

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने के मौके पर शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक कार्यक्रम '100 दिन सेवा के, काम करने वाली सरकार' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने राज्य की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ संवाद करते हुए उनसे दिल्ली के विकास, सुशाशन और जनसेवा को लेकर सवाल पूछे और इन विषयों पर उनके विचार जाने। इस कार्यक्रम के दौरान उस वक्त माहौल काफी हल्का-फुल्का हो गया जब अनुपम खेर ने बिना नाम लिए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को याद किया, जिसके बाद सीएम जोर से हंस पड़ीं। इस घटना का वीडियो भी भाजपा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया है। दरअसल सीएम से बातचीत के दौरान अनुपम खेर अचानक कहते हैं, मेरे जेहन में एक बात आ रही है, सोच रहा हूं कि बोलूं या नहीं बोलूं। चलो बोल देता हूं... इसके बाद खेर सीएम से कहते हैं, आप इतनी देर तक बोलती रहीं उपलब्धियों के बारे में, आप एक भी बार खांसी नहीं... खेर के इतना बोलते ही सीएम गुप्ता खिलखिलाकर हंस पड़ती हैं। इसके आगे खेर अपनी बात को थोड़ा संभालते हुए कहते हैं, दिल्ली वालों को खांसी सुनने की आदत पड़ गई है। फिर आगे वो कहते हैं, मैं माफी चाहता हूं, मुझसे रहा नहीं गया... कि इतनी देर में ना आप खांसी हैं और ना यहां बैठे 2 हजार लोग खांसे हैं अभी तक। ये तो अपने आप में एक उपलब्धि है कि बहुत दिनों बाद दिल्ली में किसी को खांसते हुए नहीं देख रहे हैं।

देश को गुमराह कर रही मोदी सरकार, सीडीएस के बयान के बाद कांग्रेस की कारगिल वाली मांग

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने शनिवार को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) अनिल चौहान के एक बयान का हवाला देते हुए सरकार पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि कई अहम सवालों का जवाब देने के लिए सरकार को तत्काल संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। पार्टी कहा कि सरकार को इस बारे में सच बताना चाहिए कि क्या नुकसान हुआ है।

कांग्रेस ने यह भी कहा कि कारगिल समीक्षा समिति की तर्ज पर एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति द्वारा देश की मौजूदा रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा कराई जानी चाहिए। जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान के साथ हालिया सैन्य टकराव में विमान के नुकसान की बात स्वीकार की थी, लेकिन राफेल छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने के इस्लामाबाद के दावे को एकदम गलत बताया है।

'ब्लूमबर्ग टीवी' के साथ एक साक्षात्कार में चौहान ने कहा कि यह पता लगाना अधिक महत्वपूर्ण है कि विमान का नुकसान क्यों हुआ, ताकि भारतीय सेना रणनीति में सुधार कर सके और फिर से जवाबी हमला कर सके। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, सिंगापुर में एक इंटरव्यू में सीडीएस द्वारा की गई टिप्पणियों के मद्देनजर, कुछ बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न हैं जिन्हें पूछे जाने की आवश्यकता है। ये तभी पूछे जा सकते हैं जब संसद का विशेष सत्र तत्काल बुलाया जाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने देश को गुमराह किया है। खरगे ने कहा, हमारी वायुसेना के पायलट दुश्मन से लड़ते हुए अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे। हमें कुछ नुकसान हुआ है, लेकिन हमारे पायलट सुरक्षित हैं...हम उनके दृढ़ साहस और बहादुरी को सलाम करते हैं। हालांकि, एक व्यापक रणनीतिक समीक्षा समय की मांग है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी कारगिल समीक्षा समिति की तर्ज पर एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति द्वारा हमारी रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा की मांग करती है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, 29 जुलाई 1999 को, वाजपेयी सरकार ने भारत के रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ के. सुब्रमण्यम , जिनके पुत्र अब हमारे विदेश मंत्री हैं, की अध्यक्षता में कारगिल समीक्षा समिति का गठन किया था। यह कारगिल युद्ध समाप्त होने के ठीक तीन दिन बाद की बात है। उन्होंने कहा कि इस समिति ने पांच महीने बाद अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की और फ़्रॉम सरप्राइज़ टू रेकनिंग शीर्षक वाली रिपोर्ट को आवश्यक संशोधनों के बाद 23 फरवरी, 2000 को संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखा गया।

10 रूटों पर चलाई जाएगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेल से सफर करने वालों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अब वंदे भारत एक्सप्रेस का मजा सिर्फ दिन के उजाले में नहीं, बल्कि रात के सफर में भी लिया जा सकेगा। रेलवे मंत्रालय ने ऐलान किया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में देशभर में 10 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें शुरू करने की योजना बनाई गई है।

कब और कैसे शुरू होंगी वंदे भारत?: ईटी नाउ की रिपोर्ट के मुताबिक, रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन ट्रेनों को बनाने का जिम्मा क्ष्श्ररू कंपनी को सौंपा गया है और इस साल के अंत तक इन्हें पटरियों पर उतारने की योजना है। हालांकि, आखिरी मुहर रेलवे बोर्ड लगाएगा। मंत्रालय चाहता है कि तकनीक और सुविधा के लिहाज से ये ट्रेनें वर्ल्ड क्लास हों और यात्रियों को किसी भी तरह की कमी महसूस न हो।

किस रूट पर दौड़ेंगी वंदे भारत स्लीपर?:= हालांकि अभी रेलवे ने इन ट्रेनों के रूट का औपचारिक एलान नहीं किया है, लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि ये स्लीपर वंदे भारत ट्रेनें देश के सबसे व्यस्त और लंबी दूरी वाले मार्गों पर चलाई जा सकती हैं। मुमकिन है कि ये ट्रेनें न्यू दिल्ली-हावड़ा, सियालदह-न्यू दिल्ली, न्यू दिल्ली-पुणे, न्यू दिल्ली-मुंबई और न्यू दिल्ली-सिकंदराबाद जैसे रूट्स पर नजर आएं।

कौन बना रहा है वंदे भारत स्लीपर?= इन आधुनिक ट्रेनों का निर्माण तीन बड़ी कंपनियों को सौंपा गया है, जिनमें बीईएमएल, काइनेट रेलवे सॉल्यूशंस लिमिटेड और टिटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड-क्ष्श्ररुकंसोर्टियम शामिल हैं। कुल मिलाकर ये कंपनियां 210 ट्रेन सेट तैयार करेंगी।

वंदे भारत स्लीपर की क्या होंगी खासियतें?: नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें न सिर्फ लुक में शानदार होंगी, बल्कि इनका इंटीरियर भी यात्रियों को प्रीमियम फील देगा। ये ट्रेनें ऑस्टेनिटिक स्टेनलेस स्टील से बनी होंगी और इनमें एडवांस क्रैश-सेफ्टी तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। हर ट्रेन में 16 कोच होंगे, जिनमें कुल 823 यात्रियों के बैठने और सोने की व्यवस्था होगी। कोचेस में फर्स्ट एसी, सेकंड एसी और थर्ड एसी की कैटेगरी होगी। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक चला, तो जल्द ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें हकीकत बन जाएंगी और देश की रेल यात्रा को एक नया मुकाम देंगी।

2 दिन की लीव ले घूमने गई दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, हरिद्वार में पति संग गंगा में लगाई डुबकी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता अपने कार्यकाल के 100 दिन पूरे करने के बाद आज से अपने परिवार के साथ दो दिवसीय यात्रा पर उत्तराखंड पहुंच गई हैं। उन्होंने यहां आकर सबसे पहले हरिद्वार में हरकी पैड़ी स्थित ब्रह्मकुंड में पति और बेटे के साथ गंगा स्नान और पूजा-अर्चना की। इसके बाद वह कनखल के वात्सल्य गंगा आश्रय के लोकार्पण कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी और उसके बाद वह साधु-संतों से मुलाकात करेंगी। उत्तरखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। हर की पैड़ी पर मीडिया से बात करते हुए कहा, मां गंगा से आशीर्वाद लेकर हम मां यमुना को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए काम करेंगे। हम दिल्ली के विकास को गति देने के लिए काम करेंगे। मां का आशीर्वाद लेकर मुझे बहुत संतुष्टि हो रही है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री के तौर पर मैं दिल्ली के लिए और बेहतर काम कर सकूं और विकसित दिल्ली पूरे देश और विश्व में अपना परचम लहरा सके। परिवार के

साथ उत्तराखंड आई रेखा गुप्ता रविवार को हरिद्वार में रहेंगी जहां वह हर की पौड़ी पर गंगा में स्नान करेंगी। वह हरिद्वार में एक धर्मशाला का उद्घाटन करेंगी और शाम को ऋषिकेश में गंगा आरती में भी हिस्सा लेंगी। सूत्रों ने बताया कि सोमवार को उनके केदारनाथ जाने की संभावना है। दिल्ली में गुप्ता के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने शुक्रवार को सत्ता में 100 दिन पूरे कर लिए हैं। इस वर्ष फरवरी में हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा ने जीत हासिल कर 27 वर्ष बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की थी। रेखा गुप्ता ने 20 फरवरी को रामलीला मैदान में आयोजित समारोह में अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी।

दिल्ली के दिलशाद गार्डन में भाई-बहन ने फांसी लगाकर दी जान

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के दिलशाद गार्डन इलाके में रविवार सुबह भाई-बहन द्वारा कथित तौर पर एक साथ फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची सीमापुरी थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। भाई-बहन के एक साथ जान देने के पीछ के वजह फिलहाल पता नहीं चल सकी है। पुलिस परिवार और आसपास के लोगों से इनके बारे में जानकारी जुटा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह दिलशाद गार्डन डी पॉकेट के एक फ्लैट नंबर 409 (ग्राउंड फ्लोर) से दुर्गंध आने के बारे में एक पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस जब उस फ्लैट पर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद पाया गया। इसके बाद पुलिस टीम दरवाजा खोलकर फ्लैट के अंदर दाखिल हुई तो एक युवक-युवती फंदे पर लटके हुए पाए गए।

मद्रासी कैंप में तोड़फोड़ शुरू, 300 से अधिक झुग्गियों पर चलेंगे बुलडोजर

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के जंगपुरा इलाके में आज सुबह से मद्रासी कैंप में अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर ऐक्शन शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों के संभावित विरोध से निपटने के लिए यहां भारी तादाद में दिल्ली पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवान मौके पर तैनात हैं। इस बुलडोजर कार्रवाई के दौरान करीब 300 से अधिक झुग्गियों को तोड़ा जाएगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने मॉनसून में भीषण जलभराव को रोकने के लिए बारापुला नाले की सफाई की आवश्यकता जताते हुए 1 जून से मद्रासी कैंप को ध्वस्त करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने 9 मई को दिए आदेश में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के अलावा विस्थापित लोगों को नरेला में बसाने का भी कहा था। करीब 60 साल से बसी झुग्गी बस्ती में 300 से अधिक मजदूर वर्ग के परिवार रहते हैं।

12 अप्रैल को अधिकारियों ने झुग्गी बस्ती की दीवारों पर सरकार द्वारा आवंटित फ्लैटों के लिए पात्र परिवारों की सूची चिपकाई थी। लगभग 370 परिवारों में से सिर्फ 189 ही फ्लैट के लिए पात्र पाए गए।

मद्रासी कैंप के निवासी मुरुगन ने दावा किया, करीब 300 परिवारों में से केवल 189 को ही फ्लैट आवंटित किए गए हैं - हमें जो फ्लैट दिए जा रहे हैं, वे भी अधूरे हैं और उनकी हालत भी खराब है। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस मनमीत पी.एस. अरोड़ा की बेंच ने 9 मई को अपने आदेश में कहा था, ''अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई व्यवस्थित तरीके से की जानी चाहिए। बारापुला नाले को जाम से मुक्त कराने के लिए मद्रासी कैंप के निवासियों का पुनर्वास भी आवश्यक है। कोई भी निवासी पुनर्वास के अधिकार से इतर किसी अन्य अधिकार का दावा नहीं कर सकता, क्योंकि यह सार्वजनिक भूमि है, जिस पर अतिक्रमण किया गया है।'' हाईकोर्ट द्वारा मद्रासी कैंप के निवासियों के 20 मई से सुचारू पुनर्वास के निर्देश भी दिए गए थे। अधिकारियों ने अवैध तरीके से रह रहे परिवारों को बारापुला नाले को जाम से मुक्त कराने के लिए अतिक्रमण और अनधिकृत निर्माण हटाने के वास्ते ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किया था।

फिर से पूर्वी पाकिस्तान बनने की राह पर बांग्लादेश?

मुहम्मद यूनुस का भी हो सकता है नवाज शरीफ जैसा हाल

ढाका, एजेंसी। 1971 में पाकिस्तान से आजाद हुआ बांग्लादेश आज एक बार फिर उसी दिशा में जाता दिख रहा है, जहां से उसने कभी अलगाव चुना था। 2024 के अगस्त में भड़की छात्र आंदोलनों से शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल ने प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया और इसके बाद सैन्य हस्तक्षेप ने बांग्लादेश की सत्ता व्यवस्था को हिला कर रख दिया। संकट की निर्णायक घड़ी तब आई जब सेनाध्यक्ष जनरल वाकर-उज-जमान ने सेना को शेख हसीना के कर्फ्यू आदेश न मानने के निर्देश दिए। इसके बाद सेना के समर्थन से नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में एक अंतरिम सरकार की स्थापना हुई। टाइम्स नाऊ ने अपनी एक रिपोर्ट में राजनीतिक विश्लेषकों से हवाले से कहा है कि यह घटनाक्रम 1999 में पाकिस्तान में हुए तख्तापलट से मेल खाते हैं। उस समय जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ की चुनी हुई सरकार को हटा दिया था। दोनों देशों में राजनीतिक अस्थिरता के समय सेना ने सत्ता अपने हाथ में ली थी। लोकतांत्रिक सरकारों को हटाकर सेना समर्थित अस्थायी सरकारों का गठन हुआ। यूनुस सरकार के खिलाफ देशभर में सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। सेना की राजनीति में बढ़ती भूमिका को लेकर लोग चिंतित हैं कि लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हो रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं, जो धार्मिक असहिष्णुता और कट्टरता की ओर इशारा करते हैं। यह स्थिति 1971 के पहले के पाकिस्तान जैसी लग रही है, जिससे बांग्लादेश ने खुद को आजाद किया था। 2024 में पहली बार पाकिस्तान के कराची से एक कार्गो जहाज बांग्लादेश के चट्टोग्राम बंदरगाह पहुंचा। यह कदम दोनों देशों के बीच नए व्यापारिक रिश्तों की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों और स्थानीय पर्यवेक्षकों ने चेताया है कि यदि बांग्लादेश ने जल्द चुनावी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक शासन की वापसी का खाका नहीं पेश किया तो देश दीर्घकालिक सैन्य नियंत्रण में फंस सकता है।

शरीफ बोले- चीन-सऊदी नहीं चाहते हम वहां भीख मांगने जाएं

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान के दोस्त मुल्क नहीं चाहते हैं कि हम उनसे भीख मांगने जाए। यह बात उन्होंने क्वेटा में कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में सैनिकों संबोधित करते हुए कही। शरीफ ने कहा- चीन, सऊदी अरब, तुर्किये, कतर,-श्व सब पाकिस्तान के भरोसेमंद दोस्त हैं। वे हमसे उम्मीद करते हैं कि हम उनके साथ ट्रेड, कॉमर्स, इनोवेशन, डेवलपमेंट, शिक्षा, स्वास्थ्य, और इन्वेस्टमेंट में शामिल हों। उन्होंने जोर देकर कहा- वे अब और नहीं चाहते कि हम उनके यहां भीख का कटोरा लेकर जाएं। शरीफ ने आगे कहा- आर्मी चीफ आसिम मुनीर के साथ मैं आखिरी इंसान हूं जो इस बोझ को अपने कंधों पर उठाना चाहता है। आखिर में बोझ इस देश के कंधों पर आता है। शरीफ ने कहा कि हमें नेचुरल रिसोर्सेज का पूरा इस्तेमाल करना चाहिए और उन्हें सही कामों में लगाना चाहिए। क्वेटा में ही एक अन्य कार्यक्रम में शरीफ ने कहा कि बलूचिस्तान में आतंकवादियों ने जिन लोगों को भटकाया है उन्हें सही रास्ते पर लाना जरूरी है। आतंकवादियों को न तो जनता, न सरकार और न ही सेना बर्दाश्त करेगी। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान की दिक्कतों को बातचीत के जरिए हल करने की जरूरत है। अगर कोई चिंता है, तो भाइयों को एक साथ बैठकर उसे हल करना चाहिए। पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भी शुक्रवार को क्वेटा कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में भाषण दिया था। इस दौरान उन्होंने कश्मीर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कश्मीर में भारत की तरफ से बनाए जा रहे हाइड्रो-पावर प्रोजेक्ट पर आपत्ति जताई थी।

पेरिस में पीएसजी चैंपियंस लीग की जीत के जश्न में व्यापक हिंसा

सड़कों भीषण आगजनी और उत्पात; 81 लोग गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की राजधानी पेरिस में पीएसजी की चैंपियंस लीग जीत का जश्न मना रहे प्रशंसकों के बीच अचानक हिंसा फैल गई। इससे खेल के मैदान से लेकर सड़कों तक बड़ी हिंसा, आगजनी और मारपीट देखने को मिली। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार इस घटना में अबतक कम से कम 81 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पेरिस में चैंप्स-एलिसीज़ में खेल देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई थी। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को आंसू गैस और मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल करना पड़ा।

शहर में कई जगह हिंसक झड़पों का दौर जारी है। यह हिंसा उस वक्त शुरू हुई, जब बड़ी संख्या में प्रशंसक पीएसजी की इंटर मिलान पर चैंपियंस लीग फाइनल में जीत देखने के लिए जमा हुए थे। क्लब का पार्स दे प्रिंसेस स्टेडियम उस रात एक फैन ज़ोन में बदल गया था, जहां म्यूनिख में खेले गए इस मैच को दिखाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 48,000 लोग शामिल हुए थे। सोशल मीडिया पर सामने आई वीडियो में पुलिस को डंडों से लैस होकर लोगों से भिड़ते हुए देखा गया है, जहां हजारों प्रशंसक एकत्रित हुए थे। रिपोर्ट के अनुसार

फ्रांसीसी राजधानी में स्टेडियम के पास कई जगहों पर आगजनी की घटनाएं हुईं। दमकल विभाग को कई स्थानों पर आग पर काबू पाने के लिए भेजा गया। फ्रांस के आंतरिक मंत्री ब्रूनो रेटायो ने सोशल मीडिया पर लिखा संदेश फ्रांस के आंतरिक मंत्री ब्रूनो रेटायो ने सोशल मीडिया पर लिखे एक संदेश में कहा,सच्चे पीएसजी प्रशंसक अपनी टीम के शानदार प्रदर्शन को लेकर उत्साहित हैं। वहीं कुछ बर्बर लोग पेरिस की सड़कों पर अपराध करने और कानून व्यवस्था को चुनौती देने निकले हैं। मैंने आंतरिक सुरक्षा बलों से इन अत्याचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। मैं पुलिस प्रमुख और सभी पुलिसकर्मियों को अपना समर्थन देता हूं जो आज रात सभी की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। यह असहनीय है कि जश्न मनाने में भी कुछ गुंडों की बर्बरता का डर होता है, जो किसी भी चीज़ का सम्मान नहीं करते।

5400 पुलिसकर्मियों की थी तैनाती बता दें कि मैच के बाद के उत्सवों को देखते हुए पूरे शहर में लगभग 5,400 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। शांज़ एलिज़े क्षेत्र में अधिकारियों ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए आंसू गैस और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया।

गाजा में यूएन के खाद्य ट्रकों पर टूटे फलस्तीनी, लूटी सामग्री; सहायता केंद्र पर भगदड़ में 21 लोगों की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा पट्टी में फलस्तीनियों ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के दर्जनों खाद्य ट्रकों को जबरन रोका और खाने का सामान लूट लिया। यूएन विश्व खाद्य कार्यक्रम (यूएन डब्ल्यूएफपी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। वहीं रेड क्रॉस अस्पताल ने बताया कि इस्राइल समर्थित फाउंडेशन के केंद्र पर सहायता प्राप्त करने के दौरान भगदड़ में 21 लोगों की मौत हो गई। जबकि 175 अन्य लोग घायल हुए। इस्राइल और अमेरिका समर्थित संगठन ने सहायता वितरण केंद्र स्थापित किया है। लोगों ने बुधवार को केंद्र पर हमला कर दिया था। इस्राइल-हमास के बीच संघर्ष विराम की बातचीत आगे बढ़ रही है, लेकिन भूखे गाजावासियों को भूख मिटाने के सिवाय कुछ नहीं सूझ रहा। हथियारबंद लोगों ने रातों-रात गाजा पट्टी में प्रवेश कर रहे दर्जनों सहायता ट्रकों को अगवा कर लिया। इसमें उनके साथ सैकड़ों हताश फलीस्तीनी भी शामिल हो गए। डब्ल्यूएफपी ने कहा कि गाजा की मदद के लिए 77 ट्रक ले जाए जा रहे थे। इनमें अधिकतर में आटा भरा था। गाजा में लगभग तीन महीने की इस्राइली नाकाबंदी ने आबादी को अकाल के कगार पर पहुंचा दिया है। हालांकि, हालिया इस्राइल के कुछ मदद को आने देने की वजह से दबाव थोड़ा कम हुआ है, लेकिन, संगठनों का कहना है कि अभी भी यहां पर्याप्त खाद्य सामग्री नहीं आ पा रही है।

बैंक ऑफ इंडिया इम्पलाइज यूनियन बोकारो अंचल की बैठक संपन्न

एकताबद्ध संघर्ष ही एक मात्र रास्ता है अपने हक को पाने का : दिनेश झा 'लल्लन'

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के चीरा चास स्थित हैवेन्स में बैंक ऑफ इंडिया इम्पलाइज यूनियन, झारखंड स्टेट के बोकारो अंचल के सदस्यों की एक दिवसीय बैठक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बैंक ऑफ इंडिया बोकारो अंचल के गिरिडीह एवं बोकारो जिला के सुदूरवर्ती शाखाओं के कर्मचारियों की उपस्थिति रही, जिसमें महिला सदस्यों की भी भारी संख्या में भागीदारी रही। बैठक का शुभारंभ साथी अध्यक्ष एस के अदक, महासचिव साथी दिनेश झा लल्लन, उप महासचिव साथी एस एन दास, संगठन सचिव साथी राकेश मिश्रा, कोषाध्यक्ष साथी प्रदीप झा, सहायक सचिव साथी सत्यजीत गिरि एवं साथी शहबाज आलम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। बैंक ऑफ इंडिया इम्पलाइज यूनियन झारखंड स्टेट के संगठन सचिव राकेश मिश्रा के द्वारा स्वागत उद्बोधन एवं संचालन शहवबाज आलम द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित फेडरेशन ऑफ बैंक आफ इंडिया स्टाफ यूनियंस के अखिल भारतीय महासचिव तथा बैंक ऑफ इंडिया इम्पलाइज यूनियन झारखंड स्टेट के महासचिव साथी दिनेश झा लल्लन ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि आज तक मजदूरों को आप कोई भी हक बिना संघर्ष के प्राप्त नहीं हो पाया है। आज फिर से ऐसी स्थिति उत्पन्न की जा रही है, जहां हमें अपना अस्तित्व को बचाने के साथ-साथ बैंक को भी बचाने तथा इसे जनोंन्मुख बनाए रखने के लिए संघर्ष हेतु खड़ा होना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि इसके लिए मानसिक रूप से पूर्णरूपेण संगठित होकर संगठन के नेतृत्व में सतत संघर्ष करना होगा, कारण संगठन का कोई विकल्प नहीं है। आज बैंकों में जिन समस्याओं यथा ग्राहक सेवा संतोषप्रद नहीं होना, आए दिन ग्राहकों का बैंक काउंटरों पर जुझते हुए दिखना, साथ ही ग्राहकों के कार्य मनानुकूल नहीं होने से अनावश्यक कर्मचारियों पर उत्तेजित होना एवं कर्मचारियों पर भी अत्यधिक काम का दबाव होना, अतिआवश्यक होने पर भी कर्मचारियों को अवकाश न मिल पाना, साथ ही प्रावधान होने के बावजूद भी आग्रहानुसार स्थानांतरण नहीं होना, बैंक में आधारभूत संरचना की कमी होना आदि से ग्राहकों एवं कर्मचारी दोनों को जूझना पड़ रहा है। इस सब के पीछे बैंकों में कर्मचारी संवर्ग में बहाली नहीं होने के साथ-साथ हमारे आम सदस्यों में अपने हितार्थ ज्ञान एवं समझदारी का अभाव भी एक बड़ा कारण है। उन्होंने आगे बताया की अनेकों विषम परिस्थितियों के बावजूद संगठन लगातार अपने सदस्यों से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए प्रयासरत रहता है। सदस्यों को विदित ही है कि संगठन के सतत प्रयास से जहां हम आर्थिक लाभ लेने में कदाचित सफलता जब तब प्राप्त कर लेते हैं वहीं सदस्यों की अन्य समस्याओं यथा स्थानांतरण आदि का भी यथासंभव समाधान संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि आप सभी बोकारो अंचल के सदस्य धन्यवाद के पात्र हैं कि आपने अपने संघर्ष से आंचलिक प्रबंधन को अपनी समस्याओं की दिशा में समाधान सोचने हेतु विवस किया है। यह आप सबों ने स्वयं साबित किया है कि एकताबद्ध संघर्ष से अपने हक एवं हुकुक को प्राप्त करने की दिशा में सफलता पाई जा सकती है। सदस्यों से आगे उन्होंने आह्वान किया कि संयुक्त ट्रेड यूनियन मोर्चा द्वारा 9 जुलाई 2025 को आहूत एक दिवसीय हड़ताल को सफल करने के लिए हम सभी पूरे मनोयोग से भाग लेंगे, कारण इनके मांगों में हमारी मांगे भी शामिल हैं। बैंक ऑफ इंडिया इम्पलाइज यूनियन झारखंड स्टेट के अध्यक्ष साथी एस के अदक ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा बोकारो अंचल के साथी को उनके आंदोलन के लिए क्रांतिकारी अभिनंदन है। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी अंचलों में समस्याओं की स्थिति एक जैसी है, प्रबंधन पूर्णतया मनमाना रवैया अपनाए हुए है अतः पूरे झारखंड राज्य में आंदोलन किया जाना चाहिए। आज की आंचलिक सभा में बोकारो आंचल से राज्य कार्यकारिणी के लिए 10 सदस्य स्थाई समिति सदस्य एवं दो आमंत्रित सदस्य का चुनाव किया गया जिसमें इंद्रजीत चौधरी, दीपक कुमार लाल, प्रियंका कुमारी, अनुपम कुमारी, परमहंस कुमार, दीपक कुमार, संजय हेंब्रम, जगन्नाथ दास, शुभम दोस्त, शिव शंकर भगत तथा रणवीर कुमार राय वह अजय कुमार शामिल हैं। सत्रांत के पहले पूर्व उपाध्यक्ष साथी उदय कुमार सिंह के सेवानिवृत्ति पर उन्हें अध्यक्ष एवं महासचिव द्वारा बुके प्रदान कर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। संगठन के अन्य पदाधिकारी द्वारा स्मृति चिन्ह एवं अन्य उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उदय कुमार सिंह ने कहा कि मैं बैंक से सेवानिवृत हुआ हूं सार्वजनिक जीवन से नहीं। बैठक को सफल करने वालों में प्रमुख रूप से अजय कुमार, विनय कुमार, बृजेश कुमार सिंह, शशि भूषण मिश्रा, संदीप रवानी, रवीनव कुमार, मनोज कुमार, विजय बांसफोड, रामजी कुमार, शोभा कुमारी आदि ने अपना योगदान दिया।

किकबॉक्सिंग चयन ट्रायल्स में 40 खिलाड़ियों का चयन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद जिले के मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में तीसरा जिला किकबॉक्सिंग चयन ट्रायल्स 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहारा ने भी इस टूर्नामेंट को पूर्ण सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय गान और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 78 युवा किकबॉक्सिंग प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 40 खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चुना गया। प्रमुख उपलब्धियाँ में आयुषी कुमारी, तृप्ति चंद्रवंशी और गर्व रेतोलिया ने टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चयनित खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और शुभकामनाएं देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों और संगठन का योगदान राज्य अध्यक्ष बी.सी. ठाकुर ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। राज संचु राजवाड़ (जिला महासचिव) और प्रवीण कुमार (राज्य महासचिव) ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहारा ने टूर्नामेंट को पूर्ण समर्थन देकर जिले के खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में सराहनीय योगदान दिया। अन्य अधिकारियों राज ठाकुर, संस्कार तिवारी, गंगा कुमारी, काजल कुमारी, शंभू और आशीष ने भी कार्यक्रम के संचालन में सहयोग दिया। मुख्य अतिथि मथुरा प्रसाद महतो ने कहा, किकबॉक्सिंग जैसे खेल युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और मानसिक दृढ़ता विकसित करते हैं। धनबाद में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें सही मार्गदर्शन और मंच देने की आवश्यकता है। इस आयोजन ने न केवल जिले में किकबॉक्सिंग को नई पहचान दी है, बल्कि युवाओं में खेल के प्रति उत्साह भी जगाया है। सभी चयनित खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी गई हैं।

फर्जी जॉइनिंग लेटर और दस्तावेजों के साथ बीएसएफ कैंप पहुंचे दो गिरफ्तार

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएफ मेरु कैंप में फर्जी जॉइनिंग लेटर और कागजात लेकर आए दो संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है।. इस संदर्भ में मुफस्सिल थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिसमें पौलूस सोरेन पिता नरेश सोरेन ग्राम चौकी बलिया थाना सागर दिघी जिला मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल और रवि बेसरा पिता दीप्ति बेसरा ग्राम गुदादंगा थाना नभग्राम जिला मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल निवासी है.थाना प्रभारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गिरफ्तार कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है.सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन के दौरान बीएसएफ के पदाधिकारी को इन दोनों पर शक हुआ. इसके आधार पर सर्टिफिकेट का बहुत ही गहनता के साथ जांच की गई. जांच के दौरान यह पाया गया कि जॉइनिंग लेटर ही फर्जी है.

संक्षिप्त समाचार

बोकारो जिला कबड्डी संघ ने किया कबड्डी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर 9 क्लब के प्रांगण में 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कबड्डी प्रशिक्षण शिविर का बोकारो

जिला कबड्डी संघ के द्वारा आयोजन किया गया है। यह प्रशिक्षण शिविर प्रत्येक दिन सुबह 6: से 8 बजे के बीच आयोजित किया जा रहा है। निःशुल्क प्रशिक्षण में बड़ी संख्या बच्चे भाग ले रहे हैं। देकर समाज कल्याण के एक बड़े कार्य को पूरा किया जा रहा है। कांग्रेस की बोकारो जिला सचिव व र पत्रकार डॉ संघमिता सिंह ने हरि झंडी दिखाकर प्रशिक्षण की शुरूआत की। शिविर का आयोजन संघ के पदाधिकारी मनोज शर्मा द्वारा की गई है।

ट्रक दुर्घटनाग्रस्त, सड़क जाम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पिंडराजोरा थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे संख्या 32 कुरा इजरी नदी पुल पर एक ऑटो और कार को बचाने के दौरान में ट्रक हादसे का शिकार हो गया। ट्रक में सरिया लोड था। हादसा इतना जबरदस्त हुआ

कि ट्रक पुल के रेलिंग में जा कर लटक गया। ट्रक हवा में झूलता हुआ नजर आया। गनीमत है कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। हादसा इतना जबरदस्त था कि ट्रक के टायर का पूरा सेट ट्रक से अलग हो गया। घटना पुल में होने के कारण सड़क पूरी तरह से जाम हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि लगातार इस सड़क पर हादसा हो रहा है। इस पर प्रशासन को ध्यान देना चाहिए। तेज गति से आ रही अल्टो को बचाने के दौरान यह हादसा हुआ है।

प्रशिक्षु स्वयंसेवकों ने प्रदर्शित की प्रशिक्षण की शक्ति और अनुशासन

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अनुशासन, प्रशिक्षण और निस्वार्थ सेवा कार्य के लिए विश्व भर में जाना जाता है। नित्य प्रतिदिन शाखा के उपरांत स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने के लिए प्राथमिक, प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है। झारखंड प्रांत का प्रथम वर्ष का प्रशिक्षण शिविर हजारीबाग के विद्या मंदिर कुम्हारटोली में आयोजित की गई है। इस क्रम में रविवार को प्रशिक्षू स्वयंसेवकों ने पथ संचलन के माध्यम से शहर को अपने अनुशासन और प्रशिक्षण से अवगत कराया। इस शिविर में पूरे राज्य भर से स्वयंसेवक हजारीबाग हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हैं. अनंदा महाविद्यालय में प्रार्थना के साथ ही पथ संचलन प्रारंभ हुआ.इस दौरान कचहरी चौक, पुराना बस स्टैंड बंशीलाल चौक, झण्डा चौक, बड़ा अखाड़ा चौक, जादो बाबू चौक होकर गुजरी स्वयंसेवक गुजरे.पथ संचलन का समापन कुम्हारटोली विद्या मंदिर में हुआ. संचलन में स्वयंसेवक पुर्ण गणवेश में शामिल हुए.

तंजीमे अहले सुन्नत ने समाज से रायशुमारी कर लिया निर्णय

निकाह में बाराती 51 से ज्यादा नहीं, डीजे और पटाखों का इस्तेमाल वर्जित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के मुस्लिम समाज के लोगों ने आज एक बड़ा फैसला लिया है। फैसले के तहत अब मात्र 51 लोग ही बाराती के रूप में निकाह में जाएंगे ,साथ ही पटाखा और डीजे का इस्तेमाल नहीं करेंगे। ऐसा करने वालों के यहां उलेमा निकाह नहीं पढ़ाएंगे। इसका निर्णय आज तंजीमे अहले सुन्नत बोकारो की बैठक में ली गई है। बैठक में मुस्लिम समाज के सभी उलेमा सहित समाज के लोग मौजूद रहे। इस निर्णय का सभी लोगों ने स्वागत किया। इस निर्णय का झारखंड प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी ने भी स्वागत किया है और कहा कि अगर इस तरह का निर्णय बोकारो में लागू की शुरू होती है, तो हम चाहेंगे कि इसका पूरे प्रदेश में इस नियम को लागू किया जाए। जिससे कि हर गरीब लोगों को इसका सीधा लाभ मिले। तंजीमे अहले सुन्नत बोकारो के प्रवक्ता मोहम्मद इलियास ने बताया कि यह देखने को मिल रहा था कि किसी भी गरीब के घर बेटी की शादी होती थी तो 200 से ढाई सौ लोग निकाह में बारात लेकर पहुंच जाते थे। बारात में डीजे और पटाखे में फिजूल खर्ची भी की जाती थी जिसमें लोगों को भी परेशानी होती थी। इसीलिए यह निर्णय आज लिया गया है। हम चाहेंगे कि इस फिजूल खर्ची को बचाकर बच्चों को तालीम देने का काम किया जाए।

पलामू में कांग्रेस ने निकाली संविधान बचाओ रैली

डालटनगंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा पलामू जिले में रविवार को संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बलमुचु, मंत्री राधा कृष्ण किशोर, पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव, पलामू प्रभारी दीपू सिन्हा, राजीव रंजन समेत कई सीनियर लीडर शामिल हुए। मेदनीनगर में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर पार्क से बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर इस रैली की शुरूआत हुई और शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए शिवाजी मैदान में लोग पहुंचे। यहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। बाद में टाउन हॉल में संगोष्ठी हुई जिसमें संविधान बचाओ रैली के औचित्य पर प्रकाश डाला गया। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान समय में संविधान को बचाना प्रासंगिक हो गया है। पूरे राज्य में संविधान बचाओ रैली के माध्यम से लोगों को गोल बंद किया जा रहा है, जिस तरह की स्थिति बनी हुई है।

चंदनकियारी में ग्रामीणों ने प्रतिबंधित मांस ले जाती पिकप वैन पकड़ी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चंदनकियारी में प्रतिबंधित मांस ले जाते हुए एक मालवाहक पिकअप वैन को ग्रामीणों ने संदेह के आधार पकड़ा। काफी बदबू आने पर चालक से ग्रामीणों ने पूछताछ की। जहां संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने चंदनकियारी पुलिस को सूचित करते हुए चालक को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस अविलंब जांच में जुट गई। मामला बोकारो के चंदनकियारी थाना क्षेत्र के सुतरीबेड़ा गांव का है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि सुबह तकरीबन एक 9 बजे ग्रामीणों ने बंगाल के तरफ से एक पिकअप वैन को संदेह के आधार पर पकड़ा। गाड़ी तिरपाल से ढका हुआ था और गाड़ी के अंदर से काफी बदबू आ रहा था। जिसके बाद ग्रामीणों ने जैसे ही वैन से तिरपाल को हटाया तो अंदर प्रतिबंधित मांस का टुकड़ा देखने को मिला। पिक अप वैन में भरा हुआ था। इतने में इसकी खबर जंगल की आग की तरह फैल गई। देखते ही लोगो की भीड़ उमड़ पड़ी। जिसके बाद ग्रामीणों ने गाड़ी और इसके चालक को पकड़कर चंदनकियारी थाना पुलिस के हवाले किया। मौके पर पुलिस पहुंचकर जांच में जुटी है। पशु चिकित्सक के एक टीम को बुलाया गया है और ड्राइवर से पूछताछ की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया की गाड़ी मेन रोड से न लाकर इधर ग्रामीण क्षेत्र का सहारा लेकर इसे खपाने की योजना थी। ग्रामीणों ने कहा की इससे पहले भी गौ तस्करी का मामला इस क्षेत्र में 2018 में देखने को मिला था। वही आज जो मामला आया है वो काफी गंभीर मामला है। जिससे प्रतीत होता है कि यह कारोबार निरंतर जारी हैं। वही पुलिस पूरे मामले की जांच की बात कह रही है। पुलिस का कहना है कि कहां से लाया जा रहा था और कहां खपाने की योजना थी इसकी जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक करवाई की जाएगी।

जाति प्रमाण पत्र नहीं बनाए जाने से लोग आक्रोशित

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पूर्वी सिंहभूम जिले में जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने के कारण अभिभावकों में असंतोष है। उन्हें परेशानी है, क्योंकि आज हर सरकारी कार्य चाहे स्कूल कॉलेज की पढ़ाई हो, नौकरी हो, सभी जगह जाति प्रमाण पत्र और आवासीय प्रमाण पत्र मांगा जाता है, लेकिन पिछले कई महीनो से जाति प्रमाण पत्र नहीं बन रहा है। जिसके अभाव में इनका कार्य नहीं हो रहा है। सभी लोग मिलकर जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू के पास अपना दुखड़ा और परेशानी लेकर पहुंचे। पीड़ित लोगों ने बताया कि हम लोग तीन पुश्त से रह रहे हैं। हम लोग यहां के मूलवासी हैं, लेकिन हम लोगों का जाति प्रमाण पत्र नहीं बन रहा है, क्योंकि पहले मुखिया के साइन कर देने से जाति प्रमाण पत्र बन जाता था। अब उस पर रोक लग गई है। वहीं विधायक पूर्णिमा साहू ने बताया कि जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने से काफी बच्चों को और उनके अभिभावकों को परेशानी हो रही है। उनका कोई भी सरकारी कार्य नहीं हो पा रहा है। हमारे पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के समय में सभी लोगों का बहुत ही सरल ढंग से जाति प्रमाण पत्र बन जाता था। मुखिया के केवल हस्ताक्षर कर देने से ही जाति प्रमाण पत्र बन जाता था, लेकिन अभी स्थिति इतनी खराब हो गई है। इस मामले को हमने विधानसभा के सत्र में भी उठाया था, लेकिन कोई इसका उत्तर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि हम फिर इस मामले को विधानसभा में उठाएंगे। साथ ही साथ कल सोमवार को इसका एक पत्र भी जारी करेंगे, ताकि जाति प्रमाण पत्र बन सके।

यात्री से लूट के मामले में चार अपराधी गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गलती से चंद्रपुरा रेलवे स्टेशन पर उतरे यात्री से लूट के मामले का बोकारो पुलिस ने 48 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया है। इस मामले में बोकारो एसपी के द्वारा गठित एसआईटी टीम के द्वारा चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में एक अपराधी अभी फरार बताया जा रहा है। इसकी जानकारी बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने दी है। इस मामले में प्रिंस कुमार सिंह, रोहित कुमार ठाकुर, अमित सिंह और विक्की पाठक को गिरफ्तार गया किया है। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि 30 मई की रात कोलकाता से धनबाद के लिए व्यापारी हसनैन आलम ट्रेन में सवार होकर आ रहा था ।इसी दौरान वह सोया रह गया। चंद्रपुरा रेलवे स्टेशन से पहले उसकी नींद खुली तो वह चंद्रपुरा रेलवे स्टेशन में उतर गया। धनबाद जाने के लिए गाड़ी ढूंढने के क्रम में एक अपराधी ने डेढ़ सौ रुपए में धनबाद पहुंचने की बात कही। वह व्यापारी एक अपराधी के बाइक पर सवार हो गया। धनबाद जाने के क्रम में सुनसान रास्ते पर पहले से चार अपराधी मौजूद थे। चाकू की नोक पर उसके पास से आईफोन मोबाइल पर सहित रुपए की लूट कर ली। एसपी ने बताया कि घटना के बाद बेरमो सीडीपीओ की अगवाई में एसआईटी टीम बनाया गया था। जिसके द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले का उद्बेदन किया गया।

झारखंड आंदोलनकारियों को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा राज्य सरकार : सदानंद महतो

तोपचांची (धनबाद)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तोपचांची के मानगो चौक गोमो रोड स्थित स्वर्गीय भवानी प्रसाद महतो की 15 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। स्वर्गीय भवानी महतो झारखंड, आंदोलनकारी आजसू पार्टी के संस्थापक सदस्य थे।उन्होंने आजसू पार्टी व झारखंड आंदोलन का नेतृत्व प्रमुख रूप से किया था. वह बड़े ही सरल स्वभाव के थे.आंदोलन के दौरान कई बार जेल हुआ, कई बार उन पर मुकदमे आजसू पार्टी व राज्य के लिए उन पर हुऐ थे। दर्जनों सामाजिक कार्य उनके समय पर हुए हैं।आज सर्वप्रथम उनके धर्मपत्नी तारा देवी ने माल्यार्पण किया।उसके बाद बारी-बारी से पार्टी के नेता, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण व श्रद्धांजलि दी.इस अवसर पर आजसू नेता सदानंद महतो ने कहा कि झारखंड प्रदेश में आंदोलनकारी अभी भी अपेक्षा के दंझझेल रहा है। आंदोलनकारी को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा मिलना चाहिए। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रमोद कुमार महतो, सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी, रामचंद्र ठाकुर, बिंदेश्वरी प्रसाद, महतो, प्रमोद चौरसिया, नरेश महतो, रिंकू महतो, योगेश महतो सुनील महतो, गिरधारी महतो रूदनी देवी, धनंजय महतो, मुकेश महतो, सैंकी गुप्ता आदि काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

झारखंड राज्य अनुसचिवीय कर्मचारी संघ की बोकारो जिला इकाई का सम्मेलन सम्पन्न

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड राज्य अनुसचिवीय कर्मचारी संघ समाहरणालय संवर्ग बोकारो जिला इकाई का पंचम जिला सम्मेलन का आयोजन सेक्टर 2 स्थित महासंघ भवन में किया गया। जिला सम्मेलन में बोकारो के डीसी अजय नाथ झा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। संघ के पदाधिकारी ने संघ के कार्यकलाप और भविष्य की कार्य योजना की जानकारी डीसी को दी। इस दौरान डीसी को बताया गया कि सभी संघ के सदस्यों को ट्रेनिंग देने के उद्देश्य से एक वेबसाइट लांच किया जा रहा है। ताकि उन्हें अपने काम की जानकारी दी जा सके। डीसी अजय नाथ झा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि संघ जिस उद्देश्य से बना है वह अपने उद्देश्य को पूरा करें और अपने कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखें यह जरूरी है उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को कैसे प्रशिक्षित कर उनसे बेहतर कार्य कराया जाए। इसकी व्यवस्था की जानी चाहिए ।उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि सभी लोग एकजुट होकर बोकारो जिले और राज्य के विकास में अपना महती योगदान देने का काम करें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK